

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 57 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 23 अक्टूबर 2026(शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

संगरूर में अमित शाह के सामने रो पड़ी बेटे की मौत से दुखी मां

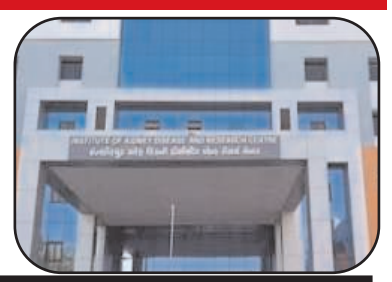


महानगर मेट्रो ब्यूरो

संगरूर। पंजाब के संगरूर दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने एक महिला फफककर रो पड़ी, जिसके हाथ में उसके मृत बेटे की तस्वीर थी। पड़ताल में सामने आया कि यह महिला संगरूर के कनोई गांव की रहने वाली लखविंदर कौर हैं, जिनके 23 साल के बेटे सनमदीप सिंह ने कुछ समय पहले प्रताड़ना से तंग आकर जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी थी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि गांव के सरपंच दीप सिंह और उसके साथियों से उनका पुराना विवाद चल रहा था। परिवार का कहना है कि सरपंच पक्ष द्वारा लगातार पुराना केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था, मारपीट और धमकियां दी जा रही थीं तथा पुलिस में शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर उनके बेटे ने यह कदम उठाया, और मां ने अब न्याय की गुहार लगाई है।

रिटायर्ड अधिकारियों के मनमाने फैसलों और तानशाही से चरमराई व्यवस्था

IKDRC में 'रिटायरमेंट रूल' और एडमिनिस्ट्रेशन सर्जिकल डायरेक्टर की मजबूरी या मनमानी?



महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल कैंपस में मौजूद और पूरे एशिया में किडनी के इलाज के लिए मशहूर 'इंस्टीट्यूट ऑफ़ किडनी डिज़ीज़ एंड रिसर्च सेंटर' यानी किडनी हॉस्पिटल हाल ही में मेडिकल फील्ड में अपनी कामयाबी की वजह से नहीं, बल्कि अपने खराब एडमिनिस्ट्रेशन और अंदर ही अंदर भड़के गुस्से की वजह से सुर्खियों में है। डॉ. प्रांजल मोदी के डायरेक्टर बनने के बाद हॉस्पिटल की इज्जत सुधरने की जगह, हर तरफ से शिकायतों की बाढ़ आ गई है। हॉस्पिटल में ऐसा क्या चल रहा है कि मरीजों के साथ-साथ सालों से काम कर रहे निचले और परमानेंट कर्मचारियों में भी बहुत गुस्सा और नाराजगी है? इस पूरी स्थिति के लिए कौन से इक्वेशन और कौन से काले एक्टर जिम्मेदार हैं? पूरी और डिटेल्ड जांच के बाद जो सच सामने आया है, वह बेहद चौंकाने वाला और हैरान करने वाला है। हॉस्पिटल में इस अव्यवस्था और मिसमैनेजमेंट की जड़ डायरेक्टर डॉ. प्रांजल मोदी का सरकारी नियमों को ताक पर रखकर रिटायर्ड कर्मचारियों को मनमाने ढंग से दोबारा नौकरी पर रखना है। मेडिकल फील्ड में सर्जन लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन में पूरी तरह फेल: 6-6 पोस्ट का भ्रम! डॉ. प्रांजल मोदी मेडिकल फील्ड में भले ही काबिल और जाने-माने सर्जन हों, लेकिन इंस्टीट्यूशन के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर वे पूरी तरह फेल साबित हुए हैं। हॉस्पिटल के सूत्रों के मुताबिक, डॉ. प्रांजल मोदी मेडिकल सर्विस के अलावा करीब छह अलग-अलग बड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव जिम्मेदारियां और अहम पद संभाल रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि एक ही आदमी के लिए हर दिन मुश्किल सर्जरी करना और साथ ही एक ही समय में छह डिपार्टमेंट को मैनेज करना प्रैक्टिकली कैसे मुमकिन है? डॉ. मोदी सर्जिकल ऑपरेशन थिएटर और एडमिनिस्ट्रेटिव कुर्सी के बीच तालमेल बनाए रखने में बुरी तरह फेल रहे हैं। सभी जिम्मेदारियां न संभाल पाने के बावजूद, उन्होंने पोस्ट छोड़ने के बजाय एक नया इनडायरेक्ट रास्ता अपनाया है। उन्होंने सरकारी पॉलिसी, नियम, लिमिट और एथिक्स को नज़रअंदाज़ करते हुए रिटायर्ड कर्मचारियों को मनमाने ढंग से ऊंचे एडमिनिस्ट्रेटिव पोस्ट पर अपॉइंट किया है। हॉस्पिटल 'रिटायर' लोगों के हाथ में है, जिन पर CAG पहले ही सवाल उठा चुका है! अभी किडनी हॉस्पिटल में एक 'OSD' है। रिटायर्ड कर्मचारी इंस्टीट्यूशन के सबसे ज़रूरी और सेंसिटिव पदों पर हैं, जैसे 'OSD टू डायरेक्टर', 'एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर' और 'अकाउंट ऑफिसर'। यहां सबसे सीरियस बात यह है कि ये सभी ऐसे कर्मचारी हैं जिनके पिछले काम और एडमिनिस्ट्रेटिव फैसलों पर कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल ने ऑफिशियली सवाल उठाए हैं! उन्हीं लोगों को, जिनका पिछला रोल शक के घेरे में है, फिर से हॉस्पिटल का पूरा एडमिनिस्ट्रेशन चलाने के लिए लगाया जा रहा है। 'कुछ खोने का डर नहीं' - बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और तानाशाही का मुख्य कारण! ऐसे रिटायर्ड कर्मचारियों को इतनी बड़ी छूट क्यों मिली हुई है? इसके पीछे का मैथ काफी सिंपल लेकिन डरावना है नुकसान या पेंशन रुकने का डर नहीं ये सभी कर्मचारी सरकारी नियमों के मुताबिक अपनी रिटायरमेंट की उम्र पार कर चुके हैं और उन्हें सरकार से रिटायरमेंट के सभी फाइनेंशियल फायदे (जैसे ग्रेच्युटी, प्रोविडेंट फंड, पेंशन) मिले हैं। कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी: वे अभी पूरी तरह से कॉन्ट्रैक्ट पर काम कर रहे हैं। अगर हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में कोई बड़ा करप्शन होता भी है, फाइनेंशियल गड़बड़ियां होती हैं या इंस्टीट्यूशन को करोड़ों का नुकसान होता है, तो भी उनके खिलाफ किसी बड़ी लीगल एक्शन या उनके सरकारी फायदे रुकने का कोई डर नहीं है। 'अब हमारा कुछ नहीं बिगड़ेगा' वाली बिना किसी समझौते और बेफिक्र सोच के कारण, ये रिटायर्ड ऑफिसर किडनी हॉस्पिटल में अपनी मनमानी पॉलिसी लागू कर रहे हैं, नियमों को तोड़ रहे हैं और तानाशाह की तरह एडमिनिस्ट्रेशन कर रहे हैं। कर्मचारियों में गुस्सा और शोषण: इंस्टीट्यूशन का एडमिनिस्ट्रेशन पूरी तरह से खत्म हो गया है दूसरी तरफ, डायरेक्टर डॉ. प्रांजल मोदी खुद ज्यादातर समय सर्जरी और मेडिकल काम में बिजी रहते हैं, इसलिए हॉस्पिटल के रोज़ाना के एडमिनिस्ट्रेशन पर उनका कंट्रोल पूरी तरह से खत्म हो गया है। डायरेक्टर की गैरमौजूदगी और अनदेखी का सीधा फायदा उठाकर यह 'रिटायर्ड ग्रुप' अपनी मनमानी कर रहा है। जूनियर कर्मचारियों का ट्रांसफर करना, परमानेंट स्टाफ की जायज़ मांगों को दबाना, फाइनेंशियल फैसलों में अपनी मर्ज़ी चलाना और स्टाफ के साथ बुरा बर्ताव करना - यह सब रोज़ की बात हो गई है। इन उम्रदराज़ रिटायर्ड अधिकारियों के रवैये से सालों से ईमानदारी से हॉस्पिटल की सेवा कर रहे परमानेंट कर्मचारियों, जूनियर डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ में गहरी निराशा, मानसिक तनाव और बहुत ज़्यादा गुस्सा फैल गया है। सीधे शब्दों में कहें तो,एशिया के मशहूर किडनी हॉस्पिटल का एडमिनिस्ट्रेशन आज पूरी तरह से चरमरा गया है। सका हल क्या है? क्या डायरेक्टर को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए? अगर डॉ. प्रांजल मोदी खुद एक सर्जन के तौर पर अपनी मुश्किल मेडिकल ड्यूटी और छह एडमिनिस्ट्रेटिव ज़िम्मेदारियों के बीच बैलेंस और तालमेल नहीं बना पा रहे हैं, ऐसे कायरतापूर्ण एडमिनिस्ट्रेटिव इंतज़ाम बंद कर देने चाहिए।



शादी का झांसा देकर न्यूड फोटो लेने और ब्लैकमेल करने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक बेहद संगीन और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ 10वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने गहमर थाने में तैनात एक सिपाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा का आरोप है कि सिपाही ने उसे शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया, होटल ले जाकर उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें व वीडियो बनाए और फिर उनके जरिए उसे लगातार ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता के अनुसार, उसकी मुलाकात करीब छह महीने पहले लखनऊ से लौटते समय ट्रेन में सिपाही मोहित यादव से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और सिपाही ने खुद को गहमर थाने में तैनात बताया था। आरोप है कि प्रेम संबंधों के जाल में उलझाने के बाद वह उसे होटल ले गया, जहाँ उसने बिना कपड़ों के फोटो और वीडियो बना ली और फिर उन्हीं के आधार पर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा।



मथुरा से आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़ में दिल दहला देने वाली वारदात: दशहरा पर नरबलि के लिए दो साल के बच्चे का अपहरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां अंधविश्वास के चलते दो साल के एक मासूम बच्चे को नरबलि देने के लिए किडनैप किया गया था। आरोपी दशहरा के पावन अवसर पर बच्चे की बलि देने की फिराक में था, लेकिन मुस्तैद पुलिस ने अपनी सूझबूझ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए घटना के महज दो दिनों के भीतर उत्तर प्रदेश के मथुरा से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी को धर दबोचा। पुलिस से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना 18 अक्टूबर की दोपहर करीब 3:45 बजे की है, जब नीमराना थाना इलाके में एक दो साल का बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था और अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिवार वालों की सूचना पर हरकत में आई पुलिस ने तुरंत अपनी टीमें गठित कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी। आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर एक फुटेज में बच्चा एक अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति के साथ बैठकर जाता हुआ नजर आया। जांच से यह स्पष्ट हो गया कि बाइक सवार संदिग्ध बच्चे को लेकर दिल्ली रोड की तरफ निकला है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने युद्धस्तर पर जांच शुरू की और आरोपी का सुराग लगाने के लिए लगभग 350 से अधिक सीसीटीवी कैमरो के फुटेज को बारीकी से खंगाला। पुलिस दल लगातार



आरोपी का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले तक जा पहुंचा। मथुरा के कोसीकलां थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मंदिर के पास से पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को दबोच लिया और उसके चंगुल से मासूम बच्चे को सुरक्षित छुड़ा लिया।

महिला की गला रेतकर निर्मम हत्या, जीजा के घर मिला शव और पति पर लगा कत्ल का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मध्य प्रदेश के गुना जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बुधवार को एक महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका का खून से लथपथ शव कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली बृजबिहार कॉलोनी में उसके जीजा के घर से बरामद हुआ है। महिला के गले पर गहरे निशान मिले हैं और धारदार हथियार के तेज वार से उसकी सांस की नली भी कट गई थी। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से इलाके में भारी दहशत और सनसनी फैल गई है। मृतका के मायके पक्ष ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि लक्ष्मी की हत्या उसके पति राकेश सेन ने ही की है इसके बाद रात करीब 8 बजे खुद फोन करके मायके पक्ष को इसकी जानकारी दी।



सोशल मीडिया पर पति की हत्या की सुपारी देने से खुला ह्यूमन ट्रैफिकिंग और जबरन बाल विवाह का राज, तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालावाड़। जिले के भवानीमंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने ह्यूमन ट्रैफिकिंग, जबरन बाल विवाह और शारीरिक व मानसिक शोषण के एक बड़े मामले का पर्दाफाश किया है। घरेलू प्रताड़ना से तंग आकर एक महिला ने सोशल मीडिया पर अपने दोस्त को पति की हत्या की सुपारी देने की बात कही थी, जिसके बाद दोस्त ने सतर्कता दिखाते हुए पुलिस को सूचना दी और यह पूरा मामला उजागर हो गया। पुलिस जांच में सामने आया कि करीब एक साल पहले 17 साल की नाबालिग को उसके पिता और मामा ने 4 लाख रुपये लेकर 34 साल के एक व्यक्ति को बेच दिया था और उसकी मर्जी के खिलाफ जबरन शादी करा दी थी। शादी के बाद से ही आरोपी पति द्वारा उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।



राजस्थान में बदला मौसम का मिजाज: रात में बढ़ी सर्दी और ठिठुरन, 24 अक्टूबर को नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होने से बारिश की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में बारिश और आंधी का दौर थमने के बाद अब राज्य में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। बारिश के थमते ही प्रदेशभर में रात के समय हल्की सर्दी ने दस्तक दे दी है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हाल ही में रिकॉर्ड किए गए तापमान के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को राज्य के 17 शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे दर्ज किया गया है। हालांकि इसके विपरीत, पश्चिमी राजस्थान के जिलों में अभी भी दिन के समय तेज गर्मी और धूप का असर बना हुआ है, जहां अधिकतम तापमान करीब 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार को राजस्थान में सबसे ठंडा स्थान माउंट आबू रहा, जहां रात का न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। माउंट आबू के अलावा राज्य के दस से अधिक अन्य शहरों में भी रात का पारा 20 डिग्री से नीचे रिकॉर्ड किया गया। प्रमुख शहरों की बात करें तो अजमेर में न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री,



भीलवाड़ा में 18.4 डिग्री, टोंक में 17.4 डिग्री और अलवर में 17.6 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया।

कम उम्र में पैरेंट बनना गलत: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बोलीं—गर्लफ्रेंड बनाने में बुराई नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में एक दीक्षांत समारोह के दौरान युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि तेरह-चौदह साल की उम्र में किसी लड़की को मां बनाकर छोड़ना गलत है। उन्होंने कहा कि गर्लफ्रेंड बनाने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन अगर शादी का वादा किया है तो उसे निभाना भी जरूरी है। राज्यपाल ने युवाओं को पहले आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी ताकि वे अपने परिवार की जिम्मेदारी ठीक से उठा सकें।



सुरक्षा कारणों का हवाला देकर जेएनडब्ल्यू स्टेडियम में आयोजन रद्द, फैंस को लगा झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के दिल्ली में होने वाले कॉन्सर्ट को लेकर फैंस के लिए एक बहुत ही निराशाजनक खबर सामने आ रही है। आगामी 30 अक्टूबर को दिल्ली के प्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में उनका बहुप्रतीक्षित कॉन्सर्ट आयोजित होने वाला था, लेकिन सुरक्षा कारणों और प्रशासनिक अनुमति न मिलने के कारण अब इस कार्यक्रम पर रोक लगा दी गई है। इस अचानक आए फैसले से उनके गानों के दीवाने हजारों फैंस को तगड़ा झटका लगा है, जो इस धमाकेदार लाइव शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों की तरफ से अनुमति नहीं मिल पाई है, जिसके चलते आयोजकों और प्रशंसकों को भारी मायूस होना पड़ा है। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को लेकर युवाओं में जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा था और इसके टिकट भी काफी पहले से बुक हो चुके थे। हालांकि, अब कार्यक्रम रद्द होने या टलने की खबर सामने आने के बाद फैंस के बीच निराशा का माहौल है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी आपत्तियों के बाद फिलहाल इस बड़े इवेंट के आयोजन पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए



एनडीएमसी ने जारी किया नोटिस, बिजली-पानी के कनेक्शन काटने के बाद गरमाई राजनीति

नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के समीप स्थित ऐतिहासिक रेस कोर्स मस्जिद को खाली करने का अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के ठीक पास स्थित सौ साल से भी अधिक पुरानी ऐतिहासिक रेस कोर्स मस्जिद को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया गया है। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद की ओर से इस ऐतिहासिक मस्जिद और उसके आसपास के आवासीय क्षेत्र को महज छह दिन के भीतर पूरी तरह से खाली करने का सख्त नोटिस जारी किया गया है। प्रशासन के इस अचानक और कड़े कदम के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है और राजनीतिक सरगर्मी भी काफी तेज हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनडीएमसी के अतिक्रमण विरोधी अभियान और भूमि संबंधी दिशा-निर्देशों के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन का तर्क है कि संबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण की स्थिति बनी हुई है, जिसे हटाने के लिए यह नोटिस दिया गया है। नोटिस की समयसीमा पूरी होने से पहले ही प्रशासन ने इलाके की सुचारू व्यवस्था का हवाला देते हुए वहां के पानी और बिजली के कनेक्शन भी काट दिए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और धार्मिक कमेटियों के सामने भारी परेशानियां खड़ी हो गई हैं। यह मस्जिद अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है और प्रधानमंत्री आवास के बेहद करीब स्थित होने के कारण इस मामले ने राष्ट्रीय स्तर पर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। एक तरफ जहां प्रशासनिक अमला नियमों और अतिक्रमण हटाने की अपनी कार्रवाई पर पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है, वहीं दूसरी ओर इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय नागरिकों और विभिन्न धार्मिक संगठनों की तरफ से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि यह स्थल एक सदी से भी अधिक पुराना है, इसलिए इस पर कोई भी बड़ा कदम उठाने से पहले संवेदनशीलता बरती जानी चाहिए थी।



फिलहाल इस संवेदनशील मामले को लेकर प्रशासनिक हलकों और राजनीतिक गलियारों में भारी चर्चा का दौर जारी है, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में इस अल्टीमेटम और कार्रवाई को लेकर क्या नए कदम उठाए जाते हैं।

AISA अध्यक्ष नेहा बोरा के पर्सनल बॉन्ड मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई पूरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा से जुड़े बहुचर्चित पर्सनल बॉन्ड मामले को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में कानूनी कार्यवाही और सुनवाई पूरी हो गई है। अदालत ने इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों की दलीलें और वकीलों के तर्कों को विस्तार से सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। इस मामले में अदालत जल्द ही अपना आधिकारिक आदेश सुना सकती है, जिस पर छात्र संगठनों और सभी संबंधित पक्षों की निगाहें टिकी हुई हैं। यह पूरा कानूनी विवाद छात्र संघ की गतिविधियों और पर्सनल बॉन्ड से जुड़ी औपचारिकताओं के इर्द-गिर्द घूम रहा है, जिस पर अदालत में लंबी बहस चली। दोनों पक्षों की तरफ से कई महत्वपूर्ण कानूनी बिंदु रखे गए, जिनका परीक्षण करने के बाद न्यायपीठ ने फैसला सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। इस फैसले के आने के बाद छात्र राजनीति और इससे जुड़े कानूनी पहलुओं पर आगे की दिशा तय होगी। सभी पक्षों को अब अदालत के अंतिम आदेश का इंतजार है।



गरीब किसानों के हक और इंसाफ के लिए आवाज उठाने वाले जगदीश ठाकोर को न तो आप डरा पाएंगे

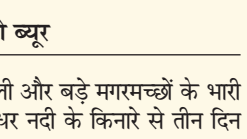
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. गुजरात की राजनीति और गरीब किसानों के हक की लड़ाई में एक बार फिर नई गरमाहट आ गई है। सौ करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की बेहद कीमती जमीन के मुद्दे पर गंभीर सवाल उठने के बाद अधिकारियों और सिस्टम में खलबली मच गई है। साफ संकेत मिल रहे हैं कि सिस्टम सच की आवाज दबाने और किसानों का साथ देने वाले नेताओं की आवाज दबाने के लिए कानूनी हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। पहले इसी जमीन घोटाले और गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने पर रूकजिग्नेश मेवाणी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। यहीं नहीं रुकते हुए अब दर्ज शिकायत में कांग्रेस के सीनियर नेता जगदीश ठाकोर का नाम भी शामिल किया गया है। इस घटना के बाद पूरे राज्य में यह सवाल जोर-शोर से पूछा जा रहा है कि क्या जमीन के इतने बड़े और गंभीर मुद्दे पर सवाल पूछना जुर्म हो गया है? क्या गरीब किसानों का साथ देने वाले नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है? आरोप सामने आए हैं कि इस ज़मीन के झगड़े में सौ करोड़ से ज्यादा की प्रॉपर्टी का खेल खेला गया है। जब किसानों की कीमती ज़मीन और उनके हक़ पर कब्ज़ा करने की कोशिश हुई, तो अधिकारियों से सवाल पूछना ज़रूरी हो गया था। लेकिन, जनता और किसानों के सवालों का सीधा और साफ़ जवाब देने के बजाय, नेताओं पर केस करके दबाव बनाने की कायरतापूर्ण कोशिश की जा रही है। लेकिन प्रशासन और विपक्ष को एक बात कान खोलकर समझनी होगी कि गरीब किसानों के हक़, इंसाफ़ और ज़मीन की यह लड़ाई सिर्फ़ एक व्यक्ति या नेता तक सीमित नहीं है। यह सच और इंसाफ़ की लड़ाई है। जगदीश ठाकोर जैसे नेताओं को ऐसी शिकायतों, धमकियों या कानूनी दबाव से डराया, धमकाया या डराया नहीं जा सकता, न ही उन्हें कभी बहकाया जा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और जनता के प्रतिनिधियों की आत्मा सवाल पूछना है। दबाव बनाने की कितनी भी कोशिशें की जाएं, किसानों के हक़ के लिए लोकतांत्रिक आवाज़ उठना कभी बंद नहीं होगा। इंसाफ़ और सच की इस लड़ाई में डर या धमकी की कोई जगह नहीं है। पाको गुजरात न्यूज़ पेपर का साफ़ मानना है कि इस ज़मीन घोटाले के पीछे का सच लोगों के सामने आना चाहिए। जो लोग गरीब किसानों की ज़मीन और हक़ को डाकुओं की तरह रौंद रहे हैं, उनके ख़िलाफ़ एक्शन लेने के बजाय, सवाल पूछने वालों को टारगेट करना डेमोक्रेसी का अपमान है। संगठन और नेताओं ने आवाज़ उठाई है: हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं! गरीब किसानों के हक़, इंसाफ़ और ज़मीन की रक्षा के लिए यह जानलेवा और ज़ोरदार लड़ाई इसी तरह जारी रहेगी और आख़िर तक लड़ी जाएगी।

डभोई नगर पालिका की नींद टूटी, सिर्फ़ 24 घंटे में भर दिया गया एक महीने पुराना खतरनाक गड्ढे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया की ताकत और जनता की आवाज़ की धार का एक और ज़बरदस्त प्रदर्शन डभोई शहर में देखने को मिला है। डभोई के बहुत व्यस्त आंबावाड़ी इलाके में पीने के पानी की पाइपलाइन बिछाने के बाद पिछले एक महीने से लावारिस और खतरनाक हालत में छोड़े गए के बारे में 'पाक्को गुजरात न्यूज़' ने एक तीखी रिपोर्ट छापी थी। इस रिपोर्ट के छपने के साथ ही गहरी नींद में सो रहा डभोई नगर पालिका प्रशासन कामयाबी से जाग गया। इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों की भागदौड़ के बाद नगर पालिका ने युद्धस्तर पर काम शुरू किया और मौत के कुएं जैसे इस को सिर्फ 24 घंटे में भरकर सड़क को ठीक कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई नगर पालिका ने अंबावाड़ी इलाके में पीने के पानी की मेन पाइपलाइन को ठीक करने और नई लाइन बिछाने के लिए सड़क के बीच में एक बड़ा और गहरा खोदा था। पाइपलाइन का काम कागजों में पूरा हो गया, लेकिन नगर पालिका के लापरवाह प्रशासन ने इस खतरनाक को भरने की ज़हमत तक नहीं उठाई। पिछले एक महीने से मेन रोड पर बने इस बड़े की वजह से लोकल लोगों, पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मानसून हो या अंधेरा, यह किसी कुर्बानी का इंतज़ार कर रहा था। चूंकि हॉस्पिटल के ठीक बगल में था, इसलिए मरीज और एंबुलेंस फंस रहे थे। अंबावाड़ी की यह सड़क न सिर्फ आम लोगों के लिए बल्कि हेल्थ सर्विस के लिए भी बहुत ज़रूरी है। शहर का एक जाना-माना हॉस्पिटल यहाँ है, इसलिए यहाँ रोज़ाना कई इमरजेंसी मरीज़ों, एम्बुलेंस, मरीज़ों के रिश्तेदारों और डॉक्टरों का आना-जाना लगा रहता है। सड़क के बीच में बने इस गहरे की वजह से मरीज़ों से भरी गाड़ियों के फँसने, एम्बुलेंस के फँसने और अक्सर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएँ होने की घटनाएँ रोज़ की बात हो गई थीं। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने बार-बार नगर निगम ऑफिस में गुहार लगाई, लेकिन मोटी चमड़ी वाले प्रशासन ने आँखें मूंद लीं। पाको गुजरात न्यूज़' का धमाका और 24 घंटे के अंदर प्रशासन का सरेंडर! स्थानीय लोगों की इस गंभीर और नारकीय समस्या को समझते हुए, 'पाको गुजरात न्यूज़' की टीम मौके पर पहुँची और असली हालात दिखाते हुए एक डिटेल्ड और दमदार रिपोर्ट दिखाई।



डभोई से लापता हुए एक अधेड़ उम्र के आदमी की कटी-फटी लाश अदलापुरा के पास मिली

महानगर मेट्रो ब्यूर

डभोई। डभोई तालुका से गुज़रने वाली और बड़े मगरमच्छों के भारी बसावट के लिए जानी जाने वाली धाधर नदी के किनारे से तीन दिन पहले रहस्यमयी हालात में लापता हुए 55 साल के अधेड़ उम्र के आदमी की लाश आज बहुत ही दुखद हालत में मिली, जिससे पूरे इलाके में बहुत हंगामा और अफ़रा-तफ़री मच गई। नदी से निकाले गए मृतक के शरीर पर बड़े मगरमच्छों के जानलेवा काटने और शरीर के टुकड़े-टुकड़े होने के साफ़ निशान मिले। ये नज़ारा देखकर मौके पर मौजूद सभी लोगों के दिल कांप गए। इस घटना के बाद नदी किनारे बसे सभी गांवों में बहुत डर और दहशत का माहौल फैल गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई तालुका के कडोदरा गांव के बारिया फलिया के रहने वाले 55 साल के मकबूलभाई मुहम्मदभाई गरासिया तीन दिन पहले अचानक अपने घर से लापता हो गए थे। उनके परिवार वाले हर तरफ उनकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच, कडोदरा-गोजली पुल के नीचे नदी किनारे से मकबूलभाई के कपड़े लावारिस हालत में मिले। पुल के नीचे कपड़े मिलते ही यह पक्का शक जताया गया कि वे नदी के गहरे पानी में डूब गए हैं या मगरमच्छों का शिकार हो गए हैं, जिससे पूरे इलाके में सन्नाटा छा गया। लगातार तीन दिनों तक पहाड़ियों के बीच ज़ोरदार सर्च ऑपरेशन घटना की गंभीरता को देखते हुए, डभोई पुलिस और लोकल फायर डिपार्टमेंट की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। पुलिस और फायरफाइटर्स की जॉइंट टीम ने नावों और लोकल अनुभवी तैराकों की मदद से ढाढर नदी के बहुत खतरनाक बहाव में एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। मगरमच्छों के राज के बीच जान जोखिम में डालकर चलाए गए इस सर्च ऑपरेशन में लगातार तीन दिनों की कड़ी मेहनत और एक्सरसाइज के बाद, आखिरकार मकबूलभाई की बॉडी अदलापुरा गांव के पास नदी के किनारे तैरती हुई मिली लोकल लोगों के मुताबिक, ढाढर नदी के इस खास हिस्से में करीब 10 से 12 बड़े और हिंसक मगरमच्छ हमेशा रहते हैं।



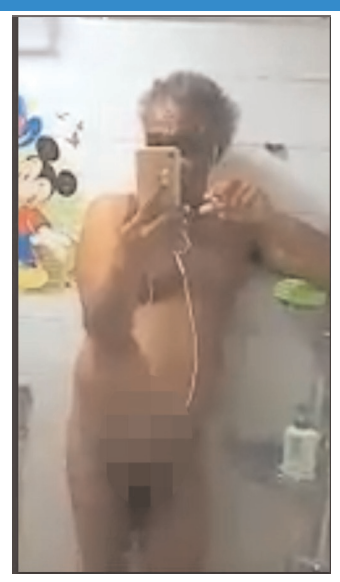
धर्म, आचरण और पवित्रता की अग्नि परीक्षा

सागरचंद्र सागर से जुड़े विवादों के बाद जैन समाज में उबाल; जिनालयों के नाम पर चंदा और साधुओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

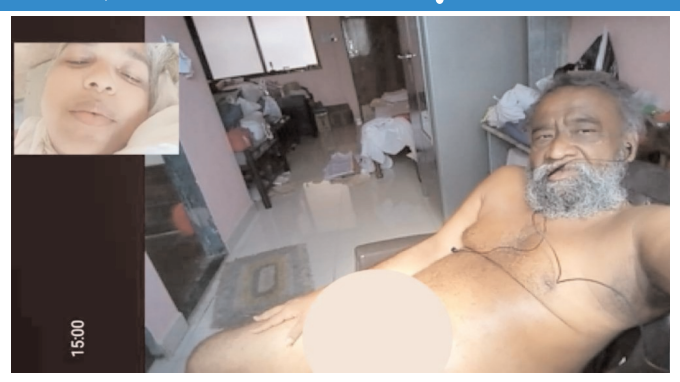
जैन समाज में मची खलबली, क्या धर्म की आड़ में रहे हैं साधु?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/मध्यप्रदेश। सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अनासक्त जीवनशैली का संदेश देकर पूरी दुनिया को रास्ता दिखाने वाला जैन धर्म आज एक ऐसे नाजुक मोड़ पर खड़ा है, जहां इसके कुछ रखवालों और साधुओं के आचरण पर बड़े सवालिया निशान लग रहे हैं। गुजरात से लेकर मध्य प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में इन दिनों यही चर्चा आम है कि सफेद कपड़ों की आड़ में कोई राक्षस समाज को दीमक की तरह चाट रहा है। हाल ही में सागरचंद्र सागर और उनसे जुड़े मामलों के खुलासे ने जैन समाज की नींव हिला दी है। क्या है पूरी कसम और क्यों मचा है बवाल? मिली जानकारी और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे दावों के मुताबिक, सागरचंद्र सागर नाम के एक तथाकथित साधु पर गंभीर आरोप हैं कि वह अपनी हवस और ऐशो-आराम के लिए भोले-भाले साधुओं को फंसाता रहा है। जब से उसकी अश्लील और आपत्तिजनक तस्वीरें पब्लिक में आई हैं, धार्मिक लोगों में भारी गुस्सा है। एक तरफ जहां भगवान महावीर ने त्याग और तपस्या का रास्ता दिखाया, वहीं दूसरी तरफ ऐसे तथाकथित साधु करोड़ों रुपये के दान से ऐशो-आराम की ज़िंदगी जी रहे हैं और धर्म के नाम पर बदनामी फैला रहे हैं। यह सवाल सिर्फ एक आदमी का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम का है जो ऐसे लोगों को बचाता है। गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश और दूसरे राज्यों में भी ऐसे ढोंगी बाबाओं के अपने शिकार ढूंढने की खबरें सामने आ रही हैं, जो बहुत चिंता की बात है। जैन समाज चुप क्यों है? इस पापी को कौन बचा रहा है? सबसे बड़ा और



दर्दनाक सवाल यह है कि इतने सारे पक्के सबूत और अश्लील तस्वीरों के बावजूद जैन समाज के ज़िम्मेदार लोग, यूनियन और संगठन आगे क्यों नहीं आ रहे हैं? क्या करोड़ों रुपये और दान के साम्राज्य के लालच में समाज की आँखें बंद हैं? क्या जैन समाज में ऐसे सच्चे संतों और आचार्यों की कमी है जो धर्म का सही प्रचार-प्रसार कर सकें? क्या ऐसे बदमाशों को सिर्फ़ इसलिए बख्शा जा रहा है क्योंकि वे बड़े दानवीरों के करीबी हैं? जब तक समाज खुद आगे आकर ऐसे भ्रष्ट लोगों का बहिष्कार नहीं करेगा, तब तक जैन समाज की बहू-बेटियाँ और दीक्षित सुरक्षित नहीं रह सकतीं। यह समय मूकदर्शक बने रहने का नहीं, बल्कि एकजुट होकर अपनी पहचान बचाने का है।



'महानगर मेट्रो न्यूज़' का खुला चैलेंज

'महानगर मेट्रो' अखबार ने हमेशा निष्पक्ष और निडर पत्रकारिता का परिचय दिया है। हम इस कुसाधु सागरचंद्र सागर और उसके कारनामों को खुली चुनौती देते हैं:

1. सामने आकर सफाई दें: अगर सागरचंद्र सागर और उसके समर्थक खुद को बेगुनाह मानते हैं, तो पर्दे के पीछे छिपने या अपने खरीदे हुए चमचों से प्रेस नोट जारी करने के बजाय, उन्हें मीडिया के सामने आकर सच का सामना करना चाहिए।

2. समर्थकों और जोड़-तोड़ करने वालों को चेतावनी: हम जानते हैं कि जब भी ऐसी कोई खबर सामने आती है, तो उस पर काम करने वाले लोग तुरंत खंडन और पोस्टरबाजी शुरू कर देते हैं। ऐसे दलालों और चमचों की अब खैर नहीं।

3. विरोध: भविष्य में जहां भी इस तथाकथित कुसाधु का स्वागत होगा या कोई धार्मिक रस्म या प्रोग्राम होगा, 'महानगर मेट्रो' और लोग वहां पहुंचकर इसका कड़ा विरोध करेंगे।

अब चुप बैठना पाप का भागीदार बनना है!

हमारे पास सागरचंद्र सागर के इतने गंदे और आपत्तिजनक सबूत (न्यूड और अश्लील फोटो) हैं कि एक नामी अखबार भी छापने में शर्म महसूस करता है। लेकिन समाज की आंखें खोलने के लिए इस सड़ांध को सामने लाना ज़रूरी हो गया है। जैन धर्म की आड़ में सागर समाज या किसी और नाम से गंदगी फैलाने वाले ऐसे और भी बदमाश जल्द ही एक-एक करके खुलेंगे। जिनालयों और उपाश्रयों की पवित्र निधि का गलत इस्तेमाल करके अपवित्र करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा।

जैन समाज से अपील: अब समय आ गया है कि समाज अपनी जाति, पंथ और गुटबाजी से ऊपर उठकर एक हो जाए। इस कुसाधु के खिलाफ तुरंत पुलिस में FIR दर्ज होनी चाहिए और उसे समाज से पूरी तरह से बहिष्कृत कर देना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी और धर्म की पवित्रता की रक्षा हो सके। ऊपर आ रही इस गंदगी को साफ करने के लिए 'महानगर मेट्रो' अपना सर्च मिशन तब तक जारी रखेगा जब तक ऐसे पाखंडियों को सजा नहीं मिल जाती।

सागरचंद्र सागर के विवादित मामलों पर उठे गंभीर सवाल

सत्य और अहिंसा का संदेश देने वाले जैन धर्म में कुछ तथाकथित साधुओं के आचरण को लेकर भारी उबाल है। हाल ही में सागरचंद्र सागर से जुड़े विवादित खुलासों और आपत्तिजनक तस्वीरों के सामने आने के बाद धार्मिक और सामाजिक हलकों में गहरा आक्रोश फैल गया है। आरोपों के मुताबिक यह व्यक्ति दान के पैसों पर विलासितापूर्ण जीवन जी रहा था और साधुओं को अपने जाल में फंसाता था। इस घटना के बाद जैन समाज के लोगों ने गंभीर चिंता जताई है और सवाल उठाया है कि इतने सबूत मिलने के बाद भी जिम्मेदार लोग खुलकर सामने क्यों नहीं आ रहे हैं। मीडिया और जागरूक वर्ग ने चेतावनी दी है कि ऐसे पाखंडियों के खिलाफ तुरंत पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जानी चाहिए और उनका पूर्ण सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए ताकि धर्म की पवित्रता और मर्यादा सुरक्षित रह सके।

काठलाल आशीर्वाद हॉस्पिटल की पार्किंग से बाइक चुराने वाला कुख्यात चोर कुछ ही घंटों में सलाखों के पीछे: काठलाल पुलिस ने गाड़ी चोरी की गुत्थी सुलझाकर बाइक ज़ब्त कर ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठलाल। काठलाल शहर और आस-पास के इलाकों में गाड़ी चोरी की बढ़ती घटनाओं पर काठलाल पुलिस ने सख्ती से कार्रवाई करते हुए एक बड़ा खुलासा किया है। काठलाल के मशहूर आशीर्वाद हॉस्पिटल की पार्किंग से अज्ञात तस्करों द्वारा बाइक चुराने की घटना सामने आई थी। हालांकि, काठलाल थाने की सूंघने की शक्ति और पैनी नज़र ने इस वारदात के आरोपी को कुछ ही घंटों में चोरी की गाड़ी के साथ पकड़कर गाड़ी चोरी की अनसुलझी गुत्थी को बखूबी सुलझा लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, काठलाल के आशीर्वाद हॉस्पिटल में आने वाले मरीज और रिश्तेदार अपनी गाड़ियां हॉस्पिटल की पार्किंग में पार्क करते हैं। इसी बीच, एक अनजान और चालाक चोर ने इस इलाके से एक मोटरसाइकिल को निशाना बनाया और बिना किसी झिझक के बाइक चुरा ली। हॉस्पिटल जैसी पवित्र और बहुत ज़रूरी जगह से गाड़ी चोरी होने पर गाड़ी का मालिक परेशान हो गया और उसने तुरंत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। घटना की गंभीरता को देखते हुए, कठलाल पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर और उनकी टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और खुफिया जानकारी देने वालों का एक नेटवर्क एक्टिवेट किया। पुलिस ने CCTV फुटेज और घटनास्थल के आसपास की संदिग्ध हरकतों के आधार पर जांच शुरू की। कठलाल पुलिस की इस एक्टिव और तेज़ कार्रवाई का नतीजा यह हुआ कि कुछ ही घंटों में चोर की पहचान हो गई और पुलिस जाल



बिछाकर उसे चोरी की गाड़ी के साथ पकड़ने में कामयाब रही। गाड़ी के मालिक ने पुलिस को धन्यवाद दिया, चोर जेसरिया हवाल गिरफ्तार आरोपी से कड़ी पूछताछ के बाद पुलिस ने उससे चोरी की गई असली बाइक भी सुरक्षित तरीके से ज़ब्त कर ली है।

रेलवे और हाईवे में ज़मीन जाने से परेशान किसानों का उग्र आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विकास के नाम पर किसानों की कीमती ज़मीनें छीनने के बाद, अन्नदाताओं ने अब उस सिस्टम के खिलाफ़ आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है जो उन्हें सालों से मुआवज़े के लिए गुमराह कर रहा है। रेलवे और नेशनल हाईवे जैसे प्रोजेक्ट के लिए अपनी रोज़ी-रोटी की ज़मीन देने वाले किसानों के साथ मुआवज़े के मामले में हो रहे अन्याय के खिलाफ़ अब किसान आंदोलन का पार्ट-2 शुरू हो गया है। पत्रकारों से खास बातचीत में किसान नेता संजयसिंहराज ने सरकार और सिस्टम की आंखें खोलते हुए उग्र बयान दिए हैं। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि सालों से चल रहा शोषण के खिलाफ़ यह संघर्ष जल्द ही रुकने वाला नहीं है। कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संजयसिंहराज ने किसानों की दयनीय और दयनीय हालत दिखाते हुए कहा, 'अगर इस देश और राज्य में सबसे ज़्यादा किसी का शोषण हो रहा है, तो वो सिर्फ़ गरीब किसान है। किसान दिन-रात मेहनत करते हैं, खून-पसीना एक करते हैं, कर्ज में डूबकर फसल उगाते हैं और बदकिस्मती की बात ये है कि उनकी फसलों की कीमत सरकार तय करती है। सरकार जो कीमतें तय करती है, वो भी ठीक से और समय पर नहीं मिलती, जिससे किसान कर्ज के पहाड़ तले दबता जा रहा है। ज़मीन अधिग्रहण के मुद्दे पर प्रशासन की बड़ी लापरवाही को उजागर करते हुए संजयसिंहराज ने कड़वा आरोप लगाया था कि 2011 से रेलवे लाइन या हाईवे प्रोजेक्ट के लिए किसानों की सुनहरी ज़मीनें अधिग्रहित की जा रही हैं। लेकिन सबसे शर्मनाक बात ये है कि 2011 से आज तक कई किसानों को उनकी ज़मीन का मुआवज़ा नहीं मिला है.

राज्य के सरकारी अस्पतालों में 'महा सफाई अभियान': हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल पनशेरिया की सख्त गाइडेंस में 6 लाख से ज़्यादा बेकार सामान हटाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट ने राज्य भर के सरकारी अस्पतालों, हेल्थ सेंटर्स और दूसरी संस्थाओं से बीमारी और अव्यवस्था को दूर करने के लिए एक अनोखा और ऐतिहासिक 'महा सफाई अभियान' चलाया है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पनशेरिया की सीधी गाइडेंस और सख्त रवैये में चलाए गए इस अभियान के नतीजे में, सालों से अस्पतालों के कोनों में धूल फांक रही और जगह घेर रही 6 लाख से ज़्यादा बेकार चीज़ों को डस्टबिन में डाल दिया गया है। इस बड़े अभियान की वजह से सरकारी संस्थाओं में करीब 1,800 कमरों की बड़ी जगह खाली हो गई है, जिसका इस्तेमाल अब सीधे मरीज़ों के इलाज और नई सुविधाओं के लिए किया जाएगा। गुजरात के सरकारी अस्पतालों में 'महा सफाई अभियान' के तहत 6 लाख से ज़्यादा बेकार सामान, जो सालों से अस्पतालों के कोनों में धूल फांक रहे थे और जगह रोक रहे थे, उन्हें डस्टबिन में डाल दिया



गया है। इस अभियान के तहत 6 लाख से ज़्यादा बेकार सामान, जो सालों से अस्पतालों के कोनों में धूल फांक रहे थे और जगह रोक रहे थे, उन्हें डस्टबिन में डाल दिया गया है। इस अभियान के तहत 6 लाख से ज़्यादा बेकार सामान, जो सालों से अस्पतालों के कोनों में धूल फांक रहे थे और जगह रोक रहे थे, उन्हें डस्टबिन में डाल दिया गया है। इस अभियान के तहत 6 लाख से ज़्यादा बेकार सामान, जो सालों से अस्पतालों के कोनों में धूल फांक रहे थे और



जगह रोक रहे थे, उन्हें 'प्राइवेट अस्पतालों को टक्कर देने वाली सफाई' - हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल पनशेरिया इस कैंपेन की सफलता और आगे के प्लान के बारे में बताते हुए, राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पनशेरिया ने ज़ोर देकर कहा कि, 'इस बड़े काम के बाद, राज्य के सरकारी अस्पताल और हेल्थ सेंटर अब प्राइवेट संस्थानों की तरह ही साफ़, सुथरा और अच्छी तरह से व्यवस्थित हो गए हैं।

अहमदाबाद में ?25 करोड़ की जानलेवा ड्रग्स के साथ P-दिल्ली के 3 बदनाम ड्रग पेडलर पकड़े गए: पूरे गुजरात में ड्रग्स सप्लाई करने का खेल फेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस और क्राइम ब्रांच ने युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए गुजरात की धरती पर बन रहे ड्रग्स के बड़े और खतरनाक नेटवर्क पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। उत्तर प्रदेश और दिल्ली के तीन बदनाम ड्रग पेडलर अहमदाबाद शहर से लगभग 25 करोड़ रुपये की भारी मात्रा में बैन ड्रग्स के साथ पकड़े गए हैं। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और सूरत क्राइम ब्रांच द्वारा मिलकर किए गए इस सनसनीखेज ऑपरेशन ने पूरे गुजरात में ड्रग्स सप्लाई करने के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। ब्लैक नेटवर्क पूरे गुजरात में ड्रग्स भेजने वाला था मिली जानकारी के मुताबिक, पकड़े गए इन बदनाम लोगों ने करोड़ों रुपये के इस जहर को बाहरी राज्यों से गुजरात के अलग-अलग शहरों और इलाकों में सप्लाई करने का बड़ा प्लान बनाया था। ड्रग माफिया ने अहमदाबाद को मेन सेंटर बनाकर इन हेरोइन या MD ड्रग्स को राज्य के दूसरे जिलों में भेजने का नापाक प्लान बनाया था। हालांकि, सूरत और अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की सूंघने की ताकत और मुखबिरों के नेटवर्क ने समय रहते इस पूरी साज़िश का पर्दाफाश कर दिया। गुजरात में ड्रग ट्रैफिकिंग को रोकने के लिए जहां पहले से ही सख्त रवैया अपनाया जा रहा है, वहीं इन दोनों क्राइम ब्रांच की टीमों ने जानकारी के आधार पर साइंटिफिक और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से जाल बिछाया था। दिल्ली और उत्तर प्रदेश



से भारी मात्रा में ड्रग्स लाने वाले तीन लोग पुलिस की सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। उनके पास से बरामद ड्रग्स की मार्केट वैल्यू करीब 25 करोड़ रुपये आंकी जा रही है, जिस पर सिक्योरिटी एजेंसियों की भी नजर है। इन बदनाम आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है।

अहमदाबाद में दशहरे के दिन फाफड़ा जलेबी न लाने पर पति का गुस्सा फूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दशहरे के त्योहार पर फाफड़ा और जलेबी खाने की परंपरा और शौक अहमदाबाद नॉर्थ इलाके में बड़े विवाद का कारण बन गया है। त्योहार के दिन पत्नी के लिए फाफड़ा जलेबी लाना भूल गए पति ने गुस्से में आकर पत्नी पर हाथ उठा दिया और मामला पुलिस या अभयम हेल्पलाइन तक पहुंच गया। बीस साल की लंबी शादी के बाद, खाने की एक छोटी सी चीज़ को लेकर शुरू हुआ यह विवाद पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। घटना की जानकारी यह है कि दशहरे के पवित्र दिन, नॉर्थ इलाके में रहने वाली एक महिला ने काम से लौटते समय अपने पति को फाफड़ा और जलेबी लाने की याद दिलाई। लेकिन जब पति घर पहुंचा, तो उसके हाथ खाली थे। वह त्योहार की मुख्य मिठाई और फरसाण लाना भूल गया था। इससे नाराज होकर पत्नी ने अपने पति से बात करना बंद कर दिया और चुप रही। पत्नी की इस चुप्पी से गुस्साए पति को गुस्सा आ गया और उसने अपनी पत्नी से लड़ना शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पत्नी ने तुरंत 181 अभयम महिला हेल्पलाइन पर कॉल करके मदद मांगी। कॉल मिलते ही अभयम महिला हेल्पलाइन की टीम तुरंत कपल के घर पहुंची और दोनों पक्षों की डिटेल में बातचीत सुनने के बाद काउंसलिंग शुरू की। शुरुआती जांच में पता चला कि कपल की शादी को बीस साल हो चुके थे और उनका एक सोलह साल का छोटा बेटा भी है। काउंसलिंग के दौरान महिला ने बताया कि शादी से पहले ही उसे अपने पति से गंभीर दिक्कत थी और यह बात उसके पति को पहले से पता थी। शुरुआती सालों में तो उनकी ज़िंदगी बहुत अच्छी चल रही थी और उसका पति घर के काम में सहयोग करता था। लेकिन पिछले तीन सालों से पति छोटी-छोटी बातों पर भड़क जाता है, गाली-गलौज करता है और अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। इतना ही नहीं, महिला ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि उसका पति उसके बेटे पर भी हाथ उठाता है। दूसरी ओर, पति ने अभयम की टीम के सामने अपना पक्ष रखते हुए बीस साल के संघर्ष का दर्द बयां किया। पति ने बताया कि उसकी पत्नी पिछले बीस सालों से किडनी की प्रॉब्लम से परेशान है, इसलिए वह घर के सभी कामों में उसकी मदद करता है, जैसे कचरा बाहर निकालना, बर्तन धोना, कपड़े धोना और खाना बनाना।

सुखी डैम पुल पर बाइक, मोबाइल और चप्पल मिलने से हड़कंप!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कदवाल। छोटा उदेपुर जिले के कदवाल तालुका में बार चौकड़ी से सतून जाने वाली सड़क पर सुखी डैम पुल पर एक युवक और एक महिला की बाइक, मोबाइल फोन और चप्पलें मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। ये सामान मिलने से शक जताया जा रहा है कि युवक और महिला लापता हैं।



घटना की जानकारी मिलते ही पुल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, सुखी डैम पुल पर एक बाइक, मोबाइल फोन और चप्पलें मिलीं। इसकी सूचना मिलते ही कदवाल पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच की। पुल पर मिली चीज़ों को देखते हुए शक है कि युवक और युवती डैम के पानी में हैं। हालांकि, अभी तक इसकी ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रेस्क्यू टीम को जानकारी दी। इसके बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और डैम के पानी में सर्च ऑपरेशन में शामिल हो गई। नाव की मदद से पानी में जांच की जा रही है। घटना के बाद आस-पास के इलाके के लोग परेशान हैं। फिलहाल, युवक और युवती की पहचान, वे कहां के रहने वाले हैं और पूरी घटना कैसे हुई, इसकी जानकारी हासिल करने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस मौके पर मिली चीज़ों समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। रेस्क्यू टीम की सर्च के बाद ही पूरी घटना की सच्चाई साफ हो पाएगी।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने थलतेज वार्ड में योग और वेलनेस सेंटर का शिलान्यास किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एक हेल्दी और फिट शहर के संकल्प के साथ, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन नॉर्थ वेस्ट ज़ोन में विकास के कई कामों को आगे बढ़ा रहा है। इसी सिलसिले में, थलतेज वार्ड के निवासियों की शारीरिक और मानसिक सेहत को बेहतर बनाने के मकसद से एक बड़े 'योग और वेलनेस सेंटर' का शिलान्यास किया गया है।



अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट इस शानदार शिलान्यास और भूमि पूजन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। कार्यक्रम बहुत ही खुशी और शुभ माहौल में शुरू हुआ। इस मौके पर, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन कमलेश पटेल और स्थानीय नेताओं समेत कॉर्पोरेशन के कई पदाधिकारी भी खास तौर पर मौजूद थे। सेंटर में लेटेस्ट सुविधाएं होंगी यह वेलनेस सेंटर सभी लेटेस्ट सुविधाओं से लैस होगा ताकि शहर के लोग अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में योग और मेडिटेशन अपनाकर हेल्दी और स्ट्रेस-फ्री लाइफस्टाइल जी सकें। यहां लोगों के लिए योग प्रैक्टिस, प्राणायाम और हेल्थ से जुड़ी गाइडेंस के लिए सभी ज़रूरी इंतज़ाम किए जाएंगे। शिलान्यास समारोह में वार्ड प्रेसिडेंट, जनरल सेक्रेटरी, अलग-अलग कमेटियों के चेयरमैन, लोकल कॉर्पोरेटर, अलग-अलग ऑफिस बेयरर और बड़ी संख्या में जोशीले कार्यकर्ता भाई-बहन मौजूद थे। मौजूद सभी गणमान्य लोगों ने इस नए प्रोजेक्ट के लॉन्च का स्वागत किया। थलतेज इलाके में इस नए योग सेंटर के बनने से लोकल लोगों में भी बहुत खुशी और उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

अहमदाबाद में खाकी की छत्रछायाः स्टेट मॉनिटरिंग सेल की कार्रवाई में फिल्मी सीन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराब बैन के दावों के बीच शराब तस्करों की दबंगई कितनी बढ़ गई है, इसका एक और चौंकाने वाला मामला अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके से सामने आया है। शहर के व्यस्त माने जाने वाले खंडूभाई हॉल और इंदिरा सर्किल में शराब की तस्करी रोकने पहुंची स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम पर शराब तस्करों ने जानलेवा हमला करने की कोशिश की।



रेड करने गई पुलिस पर कार चढ़ाने की इस हरकत ने खाकी को सख्त एक्शन लेने पर मजबूर कर दिया। अहमदाबाद में शराब बैन के दावों के बीच शराब तस्करों की दबंगई कितनी बढ़ गई है, इसका एक और चौंकाने वाला मामला अहमदाबाद के शाहीबाग इलाके से सामने आया है। शहर के व्यस्त माने जाने वाले खंडूभाई हॉल और इंदिरा सर्किल पर शराब की तस्करी रोकने पहुंची स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम पर शराब तस्करों ने जानलेवा हमला करने की कोशिश की। रेड करने गई पुलिस पर कार चढ़ाने की इस हरकत ने खाकी को सख्त एक्शन लेने पर मजबूर कर दिया। अहमदाबाद में शराब बैन के दावों के बीच फिल्मी सीन में शराब तस्करों ने पुलिस को कार से रौंदने की कोशिश की, पुलिस को भी अपनी कार से टक्कर मारने की कोशिश की, पुलिस को भी सख्त एक्शन लेना पड़ा। अहमदाबाद में शराब बैन के दावों के बीच फिल्मी सीन में शराब तस्करों ने पुलिस को कार से रौंदने की कोशिश की, पुलिस को भी अपनी ... असली जानकारी के आधार पर, जब स्पेशल टीम शाहीबाग में खंडूभाई हॉल और इंदिरा सर्कल के पास नज़र रख रही थी, तो शराब तस्कर शराब से भरी कार लेकर वहाँ पहुँच गया। बेरहम शराब तस्करों ने पुलिसवालों को कुचलने के इरादे से कार सीधे पुलिसवालों पर चढ़ाने की जानलेवा कोशिश की।

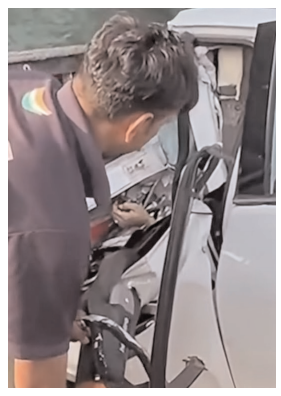


पादरा के पास खड़े ट्रक में EV कार घुसी, एक बच्चे और एक महिला की दर्दनाक मौत

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे बना मौत का हाईवे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश का सबसे मॉडर्न माना जाने वाला और हाई-स्पीड ड्राइविंग के लिए मशहूर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हादसों और खून-खराबे का सिलसिला थम नहीं रहा है। हाईवे पर लापरवाही और प्रशासन की बेपरवाही की वजह से एक और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। वडोदरा जिले में पादरा के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पूरी स्पीड से दौड़ रही एक इलेक्ट्रिक कार सीधे एक भारी ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई जो दो दिन से हाईवे पर खड़ा था और लावारिस हालत में था। यह भयानक टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और हादसे में एक मासूम बच्चे और एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, इस भयानक हादसे के समय विंडसर इलेक्ट्रिक कार में छोटे बच्चों समेत कुल 6 से 7 लोग सवार थे। जब यह कार, जिसमें एक परिवार सवार था, पादरा से गुज़र रही थी, तो यह मुसीबत इसलिए आई क्योंकि दो दिनों से हाईवे के बीच या किनारे खतरनाक तरीके से खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दे रहा था। हादसा इतना भयानक था कि कार में बैठे लोगों की चीख-पुकार से हाईवे का माहौल गमगीन हो गया। सड़क पर फैली खून से सनी चीज़ें और परिवार के संघर्ष के मंज़र देखकर पैदल चलने वाले भी सिहर उठे। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि करोड़ों रुपये का टोल टैक्स वसूलने वाले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पिछले दो दिनों से एक भारी ट्रक लावारिस क्यों खड़ा



था? क्या हाईवे अथॉरिटी और पेट्रोलिंग टीमें सो रही थीं? अगर समय रहते इस फंसे हुए ट्रक को हाईवे से हटा दिया जाता, तो शायद इन मासूम लोगों की जान बच जाती। हाईवे पर अक्सर होने वाले ऐसे जानलेवा हादसों के लिए कौन ज़िम्मेदार है? बड़ा सवाल यह है कि ट्रैफिक पुलिस और हाईवे मैनेजमेंट लोगों की जान खतरे में डालने वाली इस लापरवाही पर कब शिकंजा कसेगा। जैसे ही लोकल पुलिस और एक्सप्रेसवे रेस्क्यू टीम को इस भयानक हादसे की जानकारी मिली, वे तुरंत मौके पर पहुंचे। बाकी घायलों को तुरंत इलाज के लिए पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मरने वालों के शवों को कब्ज़े में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और इस मामले में केस दर्ज करके आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है। हाईवे पर हो रहे बेकाबू हादसों और प्रशासन की बड़ी लापरवाही के सामने 'पक्को गुजरात' का सवाल यह है कि लोगों की कीमत पर चल रहा यह सिस्टम कब सुधरेगा?

वस्त्रपुर में एक रिश्तेदार ने सेकंड-हैंड थार के लिए अपने चाचा को सरेआम छोड़ दिया, दो घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। वस्त्रपुर में सेकंड-हैंड थार के मालिकाना हक को लेकर झगड़ा हो गया। गुरुकुल रोड पर वडापाऊ की एक दुकान के पास नाश्ता कर रहे एक बिजनेसमैन और उसके दोस्त पर एक भतीजे समेत 3 लोगों ने लाठियों से हमला कर दिया। इस हमले में 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वस्त्रपुर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। अहमदाबाद के वस्त्रपुर इलाके में सेकंड-हैंड थार गाड़ी खरीदने और उसकी मालिकी को लेकर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। गुरुकुल रोड पर वडापाऊ की एक दुकान के पास नाश्ता करने गए एक बिजनेसमैन और उसके दोस्त पर एक रिश्तेदार और भतीजे समेत लोगों ने हमला कर दिया। इस लड़ाई में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वस्त्रपुर पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, 21 अक्टूबर को शाम के समय 23 साल के जिगर पुरोहित अपनी मंगेतर के साथ गुरुकुल रोड पर वडापौन दुकान के पास नाश्ता कर रहे थे, जबकि उनके दोस्त जिनक शाह थार के पास खड़े थे। इसी बीच चंद्रप्रकाश सिंह राजपुरोहित वहां पहुंचे और थार के मालिकाना हक को लेकर सवाल उठाकर विवाद शुरू कर दिया। शिकायत के मुताबिक, जिगर पुरोहित ने गोटा इलाके में एक डीलरशिप से सेकंड-हैंड थार



कार खरीदी थी, जिसके लिए उन्होंने 1.45 लाख रुपये का डाउन पेमेंट किया था। इस रकम में से जिगर ने 95,000 रुपये दिए, जबकि उनके भतीजे/भांजे चंद्रप्रकाश सिंह ने 50,000 रुपये दिए। इसके अलावा जिगर ने निजी जरूरतों के लिए चंद्रप्रकाश से 5 लाख रुपये उधार लिए थे, जिसमें से उन्होंने 20,000 रुपये वापस भी कर दिए थे।

खाकी की मिलीभगत या खुला लाइसेंस? पाटन के ऊंटवाड़ा में जहरीली शराब की बिक्री ने मासूम को लील लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन। गुजरात में शराबबंदी पर सख्त कानूनों के दावों के बीच, पाटन जिले से एक बहुत ही चौंकाने वाली और हैरान करने वाली घटना सामने आई है। पाटन जिले के ऊंटवाड़ा गांव में देसी शराब की खुलेआम और बेकाबू बिक्री के कारण एक व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत ने पूरे जिले में खलबली मचा दी है। इस भयानक घटना के बाद, लोकल पुलिस की सरपरस्ती में फल-फूल रहे अवैध शराब के अड्डों का काला चेहरा एक बार फिर सामने आया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पाटन में वागड़ोद पुलिस को इन अवैध धंधों की जानकारी नहीं थी या उन्हें शक का फायदा देकर खुली छूट दी गई थी? ऊंटवाड़ा गांव में देसी शराब बेचने वाले तस्कर इतने बेरहम हो गए हैं कि उन्हें कानून या खाकी का कोई डर नहीं है। स्थानीय सूत्रों और गांववालों के मुताबिक, वागड़ोद थाने की हद में चल रहे इन देसी शराब के अड्डों का पुलिस की दया के बिना चलना नामुमकिन है। आज पुलिस की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण एक नागरिक की जान चली गई। लोगों में चर्चा है कि पुलिस और तस्करों की मिलीभगत से ही ऐसे खतरनाक धंधे फल-फूल रहे हैं। हालांकि, इन गंभीर आरोपों की हाई-लेवल और निष्पक्ष जांच ज़रूरी है इस घटना के बाद लोगों में बहुत गुस्सा है। जनता सीधे सवाल पूछ रही हैः

1. अगर इलाके में गैर-कानूनी शराब बिक रही थी, तो वागड़ोद पुलिस किस लिए सो रही थी?
2. प्रशासन इस ज़हरीले धंधे पर हमेशा के लिए रोक लगाने में नाकाम क्यों रहा है जो गरीब और आम लोगों की ज़िंदगी से खिलवाड़ कर रहा है?
3. इस भ्रष्ट सिस्टम को पालने-पोसने वाले और मृतक के परिवार को न्याय दिलाने वाले ज़िम्मेदार अधिकारियों को कब सज़ा मिलेगी? अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो जनता का गुस्सा सड़कों पर उतरेगा। 'पक्को गुजरात' लोगों के फ़ायदे के लिए इस भ्रष्टाचार को सामने लाता रहेगा और सिस्टम को काबू में रखेगा!

घोटालेबाजों की नींद उड़ीः महिसागर में 123 करोड़ रुपये के 'नल से जल' स्कैम का भंडाफोड़, BJP नेता और पूर्व सरपंच समेत 73 अपराधी सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महिसागर। CID क्राइम ने उन घोटालेबाजों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है, जिन्हें सरकार की पब्लिक स्कीमों से परसेंटेज और कमीशन लेने की गंदी आदत है। जैसे-जैसे चर्चित 123 करोड़ रुपये के 'नल से जल' स्कैम की जांच तेज हो रही है, एक के बाद एक बड़े लोग सलाखों के पीछे जा रहे हैं। इस बड़े स्कैम में CID क्राइम ने अब तक कुल 73 घोटालेबाजों को गिरफ्तार किया है, जिससे भ्रष्ट आकाओं को बड़ा झटका लगा है। सबसे चौंकाने वाली बात जो सामने आई है, वह यह है कि इस पानी स्कैम के तार सीधे बड़े पॉलिटिकल और लोकल कोऑपरेटिव सेक्टर के नेताओं से जुड़े हैं। लुनावाड़ा PMC के पूर्व चेयरमैन, कोथंबा गांव के पूर्व सरपंच और लोकल BJP नेता गोविंद राणा की CID द्वारा ऑफिशियल गिरफ्तारी से पॉलिटिकल गलियारों में काफी चर्चा है और अंडरग्राउंड हुए दूसरे स्कैमर्स की नींद उड़ गई है। जो स्कीम गरीब और गांव के लोगों के घरों में साफ पीने का पानी पहुंचाने के लिए बनाई गई थी, उसे स्कैमर्स ने अपनी जेब भरने का जरिया बना लिया। WASMO और सरकारी सिस्टम की मिलीभगत से कागजों पर काम दिखाकर, खराब क्वालिटी का काम करके और मंजूर बजट से करोड़ों रुपये हड़पकर एक भयानक स्कैम किया गया। महिसागर जिले के कोने-कोने से पैसा पहुंचाकर किया गया 123 करोड़ रुपये का यह स्कैम गुजरात के इतिहास के सबसे शर्मनाक करप्शन में से एक साबित हुआ है। CID क्राइम का चालाक पुलिसवालाः 73 गिरफ्तारियां और जांच अभी भी जारी इस केस की जांच CID क्राइम को सौंपे जाने के बाद, अधिकारियों ने सबूतों की एक-एक कड़ी जोड़ना शुरू कर दिया। घोटाला करने वाले ठेकेदारों, बिचौलियों, सरकारी अधिकारियों और राजनीतिक आकाओं की काली कमाई का खुलासा हो गया है। अब तक



73 आरोपियों पर कानून का डंडा चल चुका है। CID की इस सख्त कार्रवाई से महिसागर से लेकर गांधीनगर तक घोटालेबाज अधिकारियों और नेताओं में गुस्सा फैल गया है। कोथंबा और लुनावाड़ा परिषदों में अपना असर रखने वाले गोविंद राणा जैसे ताकतवर नेताओं की गिरफ्तारी के बाद यह साफ हो गया है कि सिस्टम इस बार किसी को बख्शने के मूड में नहीं है। इस घोटाले की हर सच्ची खबर आप तक पहुंचाता रहेगा।

डिलीवरी ऐप्स बने ड्रग तस्करों के लिए नई ढालः पोर्टर ऐप के ज़रिए खतरनाक MD ड्रग्स रैकेट का पर्दाफ़ाश, हंसोल से गोटा भेजा गया ज़हर ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ड्रग डीलर अब जुर्म करने के लिए बहुत चालाक और मॉडर्न तरीके अपनाने लगे हैं। आम लोगों को घर बैठे सामान भेजने की सुविधा देने वाले ऑनलाइन लॉजिस्टिक्स और डिलीवरी सर्विस ऐप्स अब ड्रग माफियाओं के लिए ड्रग्स की तस्करी का अड्डा बन रहे हैं। पोर्टर ऐप का गलत इस्तेमाल करके चुपके से नारकोटिक्स सप्लाई करने का एक बहुत ही चौंकाने वाला तरीका सामने आया है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस फोर्स में काफी हलचल मची हुई है। 19 अक्टूबर को नाना चिलोडा सर्कल से हंसोल से गोटा भेजे जा रहे आम दिखने वाले ईयरबड्स के एक बॉक्स से जानलेवा 0.77 ग्राम मेफेड्रोन यानी स्पीड ड्रग्स ज़ब्त किया गया। इस पूरे खुलासे के पीछे एक व्यापारी की सतर्कता सबसे बड़ी वजह बन रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, भेजे जा रहे पार्सल के प्रोसेस और संदिग्ध मूवमेंट की वजह से असली व्यापारी को खुद शक हो गया था। अगर व्यापारी ने टाइम इंडिकेटर का इस्तेमाल करके इस मामले को तुरंत गंभीरता से नहीं लिया होता, तो यह ज़हरीला पदार्थ बिना किसी चेकिंग के सीधे अपनी मंज़िल पर पहुँच जाता। व्यापारी की समय पर सतर्कता की वजह से ही यह बड़ा रैकेट समय रहते पकड़ा गया और ड्रग माफिया के नापाक इरादों को नाकाम कर दिया गया। जैसे ही यह गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया, नरोडा पुलिस स्टेशन ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने इस मामले में तीन अज्ञात मोबाइल फोन होल्डर्स के खिलाफ केस दर्ज कर कानूनी जांच शुरू कर दी है। टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर पुलिस ने एक मुख्य आरोपी को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है, जबकि पुलिस टीमें इस काले धंधे से जुड़े दूसरे लोगों और मास्टरमाइंड्स को पकड़ने के लिए जुट गई हैं। इस घटना से सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि ऑनलाइन डिलीवरी ऐप्स पर भेजे जाने वाले पार्सल की सुरक्षा और चेकिंग का कोई पक्का सिस्टम है या नहीं? अगर ड्रग्स और गैर-कानूनी चीज़ों की तस्करी के लिए इस तरह से डिलीवरी ऐप्स का इस्तेमाल किया जाता है, तो यह शहर के युवाओं के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है। फिलहाल, नरोदा पुलिस इस नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए गहरी जांच कर रही है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे होने की पूरी संभावना है।

मेरठ में ब्लू ड्रम केस की काली यादें ताज़ा ही हुई थीं कि उन्नाव से आया 'बॉक्स केस'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए चौंकाने वाले 'ब्लू ड्रम केस' का सनसनी अभी शांत भी नहीं हुआ था कि यूपी के उन्नाव से एक और रोंगटे खड़े कर देने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। उन्नाव में हाईवे के किनारे लोहे के भारी बक्से (ट्रंक) में ठूंसी हुई एक युवक की क्षत-विक्षत और रहस्यमयी लाश मिलने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई है। क्रूरता की सारी हदें पार करने वाली इस घटना ने उत्तर प्रदेश से लेकर पूरे देश के लोगों को हिलाकर रख दिया है। मृतक युवक की रहस्यमयी मौत के बाद, इस काले कत्ल की गुत्थी सुलझाना पुलिस के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन, उन्नाव पुलिस की सक्रियता और मॉडर्न टेक्नोलॉजी के सटीक इस्तेमाल ने सिर्फ 12 घंटे के कम समय में इस मर्डर मिस्ट्री की ऐसी चौंकाने वाली बातें सामने लाईं कि पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। पुलिस ने CCTV फुटेज और हाईवे पर लगे NPR कैमरों को जोड़कर केस को इतनी मुश्किल से सुलझाया कि कातिलों के चेहरे सामने आ गए। इस खूनी खेल की प्लानिंग किसने की थी? पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाली जो बातें सामने आई हैं, वे दिल दहला देने वाली हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि मृतक युवक की अपनी पत्नी नेहा रावत ने अपने पड़ोसी और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर इस बेरहमी से हत्या को अंजाम दिया था। प्रेम संबंधों या किसी और दुश्मनी के बीच पत्नी ही पति की जान की दुश्मन बन गई थी। हत्या करने के बाद खतरनाक तरीका अपनाया गया युवक की उसके घर में हत्या करने के बाद पत्नी और उसके साथियों ने शव को लकड़ी या कपड़ों से बने लोहे के बड़े बक्से में भर दिया। लाश को इस तरह ठिकाने लगाने के लिए कि किसी को पता न चले, एक लोडर गाड़ी (छोटा हाथी या कार) किराए पर ली गई और इस लोडेड लोहे के बक्से को गाड़ी में डालकर उन्नाव हाईवे पर लावारिस हालत में फेंक दिया गया ताकि लगे कि कोई अनजान आदमी लाश फेंककर भाग गया है। लेकिन, कातिल कितने भी चालाक क्यों न हों, वे कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकते। पुलिस ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके लोडर गाड़ी और आरोपियों का पता लगाया और कुछ ही घंटों में मुख्य मास्टरमाइंड, मृतक की पत्नी नेहा रावत को गिरफ्तार कर लिया और तीनों आरोपियों को सलाखों के पीछे डाल दिया। इस भयानक घटना ने साबित कर दिया है कि आज सबसे बड़े दुश्मन घर की चार दीवारों के अंदर छिपे हैं। जुर्म के इस काले चेहरे को सामने लाता रहेगा, ऐसे गुनाह और दरिंदगी करने वाले अपराधियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग करता रहेगा



जसपुर साइफन से 4.22 लाख रुपये से ज़्यादा का माल ज़ब्त, कडी के रास्ते अहमदाबाद जा रहे थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पहले से मिली जानकारी के आधार पर, लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने देर रात गांधीनगर ज़िले के सांटेज़ थाना इलाके के जसपुर गांव के साइफन के पास से एक लग्ज़री फोर्ड एंडेवर कार से 1.22 लाख रुपये कीमत की 612 लीटर देसी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया और कुल 4.22 लाख रुपये से ज़्यादा का माल ज़ब्त कर कानूनी कार्रवाई की। गांधीनगर LCB PI दीवान सिंह वाला की टीम सांटेज़ थाना इलाके में एक प्राइवेट गाड़ी में रात की गश्त पर थी। उस समय, टीम को प्राइवेट तौर पर खास जानकारी मिली कि दो लोग कडी से एक सफ़ेद फोर्ड एंडेवर कार में भारी मात्रा में गैर-कानूनी देसी शराब लेकर जसपुर गांव के रास्ते अहमदाबाद जा रहे हैं। ह जानकारी मिलते ही पुलिस जसपुर गांव में नर्मदा नहर पर बने साइफन पर पहुंची और सड़क पर बैरिकेड लगाकर नाकाबंदी कर दी। इसी बीच, जानकारी वाली सफेद फोर्ड एंडेवर कार वहां पहुंची तो पुलिस ने टॉर्च की रोशनी और हाथ के इशारे से कार को रुकवाया। बाद में पुलिस ने ड्राइवर और उसके साथ बैठे व्यक्ति को नीचे उतारकर पूछताछ की। जिसमें कार ड्राइवर ने अपना नाम महेंद्रसिंह कनुजी खेर (निवासी रेलवे ईस्ट एरिया, बलियादेवनी खड़की, कलोल) और उसके बगल में बैठे व्यक्ति ने अपना नाम योगेशभाई अजयभाई लुहार (निवासी तेरसापारा चौकड़ी, रामापीरा मंदिर के पास, कलोल) बताया। इसके बाद पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें कुल 18 प्लास्टिक बैग मिले जिनमें कुल 612 लीटर देसी शराब थी। इसके बाद, पुलिस ने दोनों शराब तस्करों को 4.22 लाख रुपये से ज़्यादा की शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया और आगे की जांच कर रही है कि अहमदाबाद में यह शराब किसे पहुंचानी थी।



पुलिस भर्ती में 'कलर ब्लाइंडनेस' का बहाना बनाकर कैंडिडेट्स के साथ गलत बर्ताव नहीं किया जा सकता!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस डिपार्टमेंट में कांस्टेबल (पब्लिक सिक्योरिटी गार्ड) और सब-इंस्पेक्टर जैसे अहम पदों पर भर्ती होने का सपना देख रहे हजारों युवाओं के लिए हाई कोर्ट से एक बहुत उम्मीद जगाने वाला और अहम फैसला आया है। गुजरात हाई कोर्ट ने मेडिकल टेस्ट के नाम पर 'कलर ब्लाइंडनेस' के बहाने योग्य कैंडिडेट्स की अपॉइंटमेंट कैंसिल करने की सरकार की मनमानी पॉलिसी पर आंखें मूंद ली हैं। कानूनी स्थिति साफ करते हुए, हाई कोर्ट ने साफ शब्दों में फैसला सुनाया है कि कलर ब्लाइंडनेस का नियम पुलिस भर्ती में डिसक्वालिफिकेशन के तौर पर लागू नहीं होता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जस्टिस अनिरुद्ध पी. मायी की बेंच ने 2018 में हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के पिछले फैसलों और देश के सुप्रीम कोर्ट का हवाला देते हुए साफ स्टैंड लिया। कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य सरकार या रिक्रूटमेंट बोर्ड सिर्फ इस मेडिकल ग्राउंड पर चुने गए एप्लिकेंट्स को संबंधित पोस्ट पर अपॉइंटमेंट देने से मना नहीं कर सकते। मौजूदा रिक्रूटमेंट रूल्स में 'कलर विजन डेफिशियेंसी' को सर्विस से डिसक्वालिफाई करने का कोई साफ प्रोविजन नहीं है। जबकि रिक्रूटमेंट कानूनों और सर्विस रूल्स में ऐसा कोई क्लॉज नहीं है जो कलर ब्लाइंडनेस को डिसक्वालिफाई मानता हो, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर्स अपनी मर्जी से किसी भी कैंडिडेट को 'लोक रक्षक' या PSI की पोस्ट के लिए डिसक्वालिफाई नहीं कर सकते। हाई कोर्ट के इस अल्टीमेटम ने कई होनहार युवाओं के लिए इंसाफ के दरवाजे फिर से खोल दिए हैं जो पहले मेडिकल टेस्ट में नाइंसाफी का शिकार हुए थे और नौकरी से वंचित रह गए थे। हाई कोर्ट के इस बोल्ड फैसले के बाद अब पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड और एडमिनिस्ट्रेशन को अपना पुराना और नाइंसाफी वाला रवैया बदलना होगा।



जोधपुर में पंचायत चुनाव के पहले चरण की तैयारी पूरी, गुरुवार को 6 पंचायत समितियों में मतदान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जिले में पंचायत चुनाव के पहले चरण का मतदान सुबह 7 बजे से चल रहा है, जो शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। दोपहर 3 बजे तक जिले में 49.34 प्रतिशत मतदान हो चुका है। जयपुर में जिला परिषद के 22 वार्डों और 8 पंचायत समितियों के सभी 146 वार्डों में मतदान हो रहा है। शाम को वोटिंग खत्म होने के बाद सभी मत पेटियों को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। इन चुनावों के नतीजे 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इस पहले चरण में कुल 7 लाख 43 हजार 640 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जिनमें 3 लाख 84 हजार 195 पुरुष और 3 लाख 59 हजार 445 महिला मतदाता शामिल हैं। मैदान में उतरे उम्मीदवारों की बात करें तो जिला परिषद के 22 वार्डों के लिए 60 प्रत्याशी और पंचायत समिति के 146 वार्डों के लिए कुल 415 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इन 8 पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली 212 ग्राम पंचायतों के वार्ड पंच और सरपंच पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया 23 अक्टूबर यानी कल से शुरू होगी। 23 अक्टूबर को नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के बाद देर शाम तक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद 24 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा, और वोटिंग पूरी होने के तुरंत बाद काउंटिंग शुरू करके देर रात तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

वाणिज्यिक कर विभाग का प्रदेशभर में बड़ा क्रैकडाउन: 8 कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों पर सर्वे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। वाणिज्यिक कर विभाग ने राजस्थान प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 और 14 अक्टूबर को किराना, निर्माण, मार्बल, हार्डवेयर तथा लुब्रिकेंट कारोबार से जुड़े 8 प्रमुख कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों पर सर्वे की कार्रवाई की। इस व्यापक जांच अभियान के दौरान विभाग ने विभिन्न मामलों में कुल 1 करोड़ 43 लाख 67 हजार रुपए से अधिक की राशि जमा कराने और इनपुट टैक्स क्रेडिट रिवर्स कराने में सफलता हासिल की है। विभाग द्वारा की गई गहन जांच के दौरान कारोबार छिपाने, बिक्री के अनुपात में कम टैक्स जमा कराने, गलत तरीके से ITC का अनुचित लाभ उठाने, टैक्स विवरणियों में भारी अंतर और अनिवार्य ई-इनवॉइस जारी न करने जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इन मामलों की तह तक जाने के लिए विभाग ने संबंधित प्रतिष्ठानों के स्टॉक, खरीद-बिक्री के बिलों और संपूर्ण लेखा अभिलेखों की सूक्ष्म जांच शुरू कर दी है। जयपुर के पॉश इलाके सी-स्कीम स्थित मैसर्स एजीआरएस वेंचर्स एलएलपी के खिलाफ अचल संपत्ति निर्माण से संबंधित इनपुट टैक्स क्रेडिट के उपयोग की गहन जांच की गई। विभाग की सख्त कार्रवाई के बाद फर्म ने 99.76 लाख रुपए की ITC स्वेच्छा से रिवर्स कर दी। अलवर जिले के मालाखेड़ा स्थित मैसर्स नरेश जनरल स्टोर और उससे जुड़ी फर्मों के गोदामों में स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। करीब 11 लाख रुपए की संभावित कर देयता के इस मामले में करदाता ने 10.67 लाख रुपए स्वेच्छा से जमा कराए। वहीं, अलवर के ही मुंगस्का (दिल्ली रोड) स्थित मैसर्स भव्य लुब्रिकेंट्स के खिलाफ टर्नओवर छिपाने के संदेह में कार्रवाई की गई, जिसके बाद फर्म ने 14 लाख 3 हजार 576 रुपए स्वेच्छा से विभाग में जमा कराए। सीकर जिले के दांतारामगढ़ क्षेत्र स्थित मैसर्स पी.आर.के. कंस्ट्रक्शन कंपनी के मामले में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान करीब 19.90 लाख रुपए का भारी अंतर सामने आया। विभाग अब रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत कर भुगतान, निर्धारित सीमा से अधिक ITC के दावों और 5 करोड़ रुपए से अधिक वार्षिक कारोबार होने के बावजूद अनिवार्य ई-इनवॉइस जारी न करने जैसे गंभीर बिंदुओं की जांच कर रहा है। इसके अलावा रींगस स्थित मैसर्स शिव हार्डवेयर एंड जनरल स्टोर पर कारोबार और कर दरों से जुड़ी विसंगतियों के आधार पर सर्वे किया गया। इस मामले में करीब 10 लाख रुपए की संभावित कर अनियमितता का अनुमान लगाया गया है। विभाग ने मौके से संबंधित सभी अहम अभिलेख जब्त कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जब्त दस्तावेजों, भौतिक स्टॉक, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और ITC विवरणियों का आपस में मिलान करने के बाद ही वास्तविक कर देयता निर्धारित की जाएगी। विभाग ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि कर चोरी करने, कारोबार छिपाने, गलत ITC का लाभ लेने और ITC के नियमों व प्रावधानों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



एयरपोर्ट क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक्टिवा को मारी टक्कर, कई मीटर घसीटने के बाद लगी आग

महानगर मेट्रो ब्यूर

जोधपुर। शहर के एयरपोजोधपुर एयरपोर्ट क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक्टिवा को मारी टक्कर, कई मीटर घसीटने के बाद लगी आग; एक महिला गंभीर तेज रफ्तार ट्रैक्टर एक्टिवा को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया, हादसे के बाद मची अफरा-तफरी जोधपुर शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक्टिवा पर सवार दो महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक्टिवा सीधे ट्रैक्टर के निचले हिस्से में जाकर फंस गई। इसके बावजूद ड्राइवर ने ट्रैक्टर नहीं रोका और एक्टिवा को सड़क पर कई मीटर तक घसीटते हुए आगे ले गया। कुछ ही देर में घर्षण और अन्य कारणों से एक्टिवा में भीषण आग लग गई, जिसे देखकर मौके पर भारी अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी तुरंत मौके पर पहुंची। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई एक महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।ट थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक्टिवा पर सवार दो महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक्टिवा सीधे ट्रैक्टर के निचले हिस्से में जाकर फंस गई। इसके बावजूद ड्राइवर ने ट्रैक्टर नहीं रोका और एक्टिवा को सड़क पर कई मीटर तक घसीटते हुए आगे ले गया। कुछ ही देर में घर्षण और अन्य कारणों से एक्टिवा में भीषण आग लग गई, जिसे देखकर मौके पर भारी अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई एक महिला को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।



राजस्थान में पंचायती राज चुनाव का पहला चरण: 16 जिलों की जिला परिषदों और पंचायत समितियों के लिए मतदान जारी

सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग, शाम 6 बजे तक डाले जाएंगे वोट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू. राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के पहले चरण का मतदान आज सुबह 7 बजे से कड़ी सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल के बीच शुरू हो गया है, जो शाम 6 बजे तक अनवरत जारी रहेगा। इस पहले चरण के तहत प्रदेश के 16 जिलों की 16 जिला परिषदों और 104 पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न वार्डों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भारी उत्साह के साथ वोट डाले जा रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस पहले चरण के चुनाव में कुल 85 लाख 7 हजार 306 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें 43.86 लाख पुरुष मतदाता और 41.20 लाख महिला मतदाता शामिल हैं, जो अपनी स्थानीय सरकार चुनने के लिए बढ़-चढ़कर मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन विभाग द्वारा कुल 9,886 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, और सभी संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त पुलिस बल व सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

दो ईवीएम से हो रहा मतदान, चुनावी मैदान में हजारों प्रत्याशी

इस बार के पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए प्रत्येक मतदाता जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्य के लिए दो अलग-अलग पदों पर अपने मत का प्रयोग कर रहा है। इसके लिए हर मतदान केंद्र पर दो ईवीएम (श्वड्डरू) मशीनों की विशेष व्यवस्था की गई है, जिसके जरिए मतदाता पहली ईवीएम से जिला परिषद सदस्य और दूसरी ईवीएम से पंचायत समिति सदस्य का चुनाव कर रहे हैं। चुनावी मैदान में डटे प्रत्याशियों के सियासी भाग्य की बात करें तो पहले चरण में 16 जिला परिषदों के 293 वार्डों के लिए कुल 1,693 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर 104 पंचायत समितियों के 1,788 वार्डों के लिए कुल 5,283 उम्मीदवार आमने-सामने मुकाबले में हैं। इस प्रकार, पहले चरण के इस बड़े सियासी रण में कुल 6,926 उम्मीदवार अपनी राजनीतिक साख दांव पर लगाए हुए हैं, जिनकी हार-जीत का फैसला आज शाम मतदान के बाद मतपेटियों में बंद हो जाएगा। जिला परिषद और पंचायत समिति के सदस्यों के मतदान के बाद, ग्रामीण स्तर पर ग्राम पंचायतों के चुनाव का विस्तृत कार्यक्रम भी तय कर दिया गया है। इसके तहत प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वार्ड पंच और सरपंच पदों के लिए नामांकन दाखिल करने से लेकर मतदान और परिणाम घोषणा तक की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी। निर्वाचन विभाग द्वारा आज की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी मत पेटियों और ईवीएम को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला मुख्यालयों के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखवाने के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

रामसीन-भीनमाल स्टेट हाईवे पर हुआ दर्दनाक हादसा, नवरात्रि में ही बेटे को दिलाया था नया टेंपो

जालोर में भीषण सड़क हादसा: रोडवेज बस और टेंपो की टक्कर में मां, बेटा और बेटी की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिले के रामसीन-भीनमाल स्टेट हाईवे पर भरूड़ी गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां रोडवेज बस और टेंपो की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई, जिससे इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों (मां, बेटा और बेटी) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य छोटा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया है। मां ने नवरात्रि के पावन पर्व पर ही अपने बेटे को नया टेंपो खरीद कर दिया था। थानाधिकारी अरविंद कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे का शिकार हुआ परिवार रामसीन गांव में मंदिर के दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहा था। टेंपो में कुल 5 लोग सवार थे और घटना के वक्त टेंपो ललिता देवी का भाई पुरुषोत्तम चला रहा था। जैसे ही



हादसा हुआ, ड्राइवर पुरुषोत्तम टेंपो से कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई इस भीषण सड़क हादसे में मृतलकों की पहचान मुथला कांबा निवासी ललिता देवी (42 पत्नी रमेश कुमार, उनके बेटे लाश (19 और बेटी सुमन कुमारी (17) के रूप में हुई है। वहीं, उनका 8 साल का बेटा राजू गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आर्थिक तंगी से जूझ रहा पीड़ित परिवार, पुलिस ने बस और टेंपो किए जब्त हादसे का शिकार हुई ललिता देवी आंगनबाड़ी में काम करती थीं, जबकि उनका बेटा कैलाश किराए पर टैक्सी चलाता था। मृतका के पति रमेश मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इस मर्मस्पर्शी हादसे के बाद अब परिवार में सिर्फ पिता रमेश, छोटा बेटा राजू और एक बेटी ही बचे हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई, जिन्होंने तुरंत एंबुलेंस को कॉल कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त रोडवेज बस और टेंपो दोनों को जब्त कर लिया है तथा बस ड्राइवर को भी हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की आगामी जांच में जुटी है।

जयपुर में गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बाहर स्विफ्ट कार से उत्पात, दो युवकों को कुचलने का प्रयास

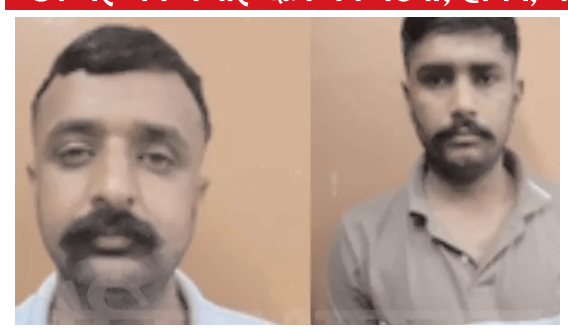
महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बाहर स्विफ्ट कार सवार युवकों द्वारा जमकर उत्पात मचाने और दो युवकों को कार से कुचलने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। कार सवारों ने तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाते हुए रास्ते में कई अन्य गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं, और वारदात के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बाहर एक चाय की दुकान पर किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। विवाद के बढ़ने पर स्विफ्ट कार सवार युवकों ने कथित तौर पर स्टंटबाजी करते हुए अपनी कार को अत्यधिक तेज रफ्तार में दौड़ाया और वहां खड़े वाहनों के साथ-साथ युवकों को भी कुचलने की कोशिश की। टटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बजाज नगर थानाधिकारी मुनिंदर सिंह ने बताया कि फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि सामने आया वीडियो कब का है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस कार के नंबर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर फरार चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है थानाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई औपचारिक मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। हालांकि, पुलिस वाहन की पहचान करके जल्द ही आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।



सूरसागर में दिनदहाड़े जानलेवा हमला करने और गाड़ी चढ़ाने के मामले में दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

31 मई की मणाई क्षेत्र की घटना; हॉकी, पाइप और सरिए से लैस होकर आए थे हमलावर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के सूरसागर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मणाई क्षेत्र में दिनदहाड़े जानलेवा हमला करने और पीड़ित के ऊपर गाड़ी चढ़ाने के गंभीर मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को दबोच लिया है। यह सनसनीखेज वारदात बीते 31 मई की है, जिसे लेकर इलाके में काफी दहशत फैल गई थी। इस पूरे मामले को लेकर जब्बरसिंह पुत्र सरदारसिंह (निवासी मणाई) ने पुलिस में आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया था कि 31 मई को जब वह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे, तभी परबतसिंह, भगवंतसिंह उर्फ भगवानसिंह उर्फ भगसा, लोकपालसिंह उर्फ बंटी और कुछ अन्य लोग ब्रेजा कार तथा कैंपर गाड़ियों में सवार होकर वहां पहुंचे थे।

जान से मारने की नीयत से चलाई गाड़ी, हॉकी और सरिए से मचाया आतंक

रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने पूरी प्लानिंग के साथ हॉकी, लोहे के पाइप और सरिए से लैस होकर प्रार्थी की दुकान के सामने जबरदस्त आतंक मचाया। आरोप है कि इन लोगों ने जान से मारने की नीयत से कैंपर गाड़ी सीधे पीड़ित के ऊपर चढ़ाने का प्रयास किया, जिससे उनके हाथों और पैरों पर गंभीर चोटें आईं। इस हिंसक झड़प और तोड़फोड़ के दौरान मौके पर एक अर्टिगा और एक कैंपर गाड़ी क्षतिग्रस्त हालत में पाई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरसागर थाना पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया और कार्रवाई करते हुए दो प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों की पहचान भगवंतसिंह उर्फ भगवानसिंह उर्फ भगसा (पुत्र भोमसिंह, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी इन्द्रोका, सूरसागर) और लोकपालसिंह उर्फ बंटी (पुत्र नरेन्द्रसिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी तेना, हाल इन्द्रोका, सूरसागर) के रूप में हुई है। पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश और आगे की पूछताछ में जुटी है।

पाली में होटल सिद्धार्थ में गरबा महोत्सव का शानदार समापन 'तारक मेहता' फेम सिम्पल कौल ने बढ़ाई रौनक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के जोधपुर रोड स्थित होटल सिद्धार्थ में दैनिक भास्कर की मीडिया पार्टनरशिप में आयोजित भव्य गरबा महोत्सव का बुधवार को बेहद उत्साह और उल्लास के साथ समापन हो गया। उत्सव के अंतिम दिन पूरा पांडाल शहरवासियों की भारी भीड़ से खचाखच भरा नजर आया। रंग-बिरंगी और आकर्षक रोशनी से सजे पांडाल में जब डीजे पर ऊर्जावान गरबा गीत गूंजे, तो लोगों ने जमकर डांडिया खनकाए और देर रात तक गरबा खेलकर इस आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं मशहूर टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम अभिनेत्री सिम्पल कौल। जैसे ही उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश किया, शहरवासियों ने जोरदार हूटिंग और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका भव्य स्वागत किया। अभिनेत्री ने भी मंच पर पहुंचकर उपस्थित लोगों के साथ गरबा खेला और सभी का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गरबा महोत्सव को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए विशेष कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। दिल्ली से विशेष तौर पर आईं लोकप्रिय एंकर नशा शर्मा ने पनी सुरीली आवाज और बेहद शानदार अंदाज में कार्यक्रम का संचालन कर पूरे पांडाल में समां बांध दिया। इसके साथ ही, देश की जानी-मानी डीजे खुशबू कपूर ने लोगों की पसंद के एक से बढ़कर एक बेहतरीन गरबा और बॉलीवुड गाने बजाकर पांडाल में मौजूद हर शख्स को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान बच्चे, युवा और महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सजे नजर आए और गरबा गीतों की मदहोश करने वाली धुनों पर पूरे उत्साह के साथ थिरकते रहे।



माउंट आबू: पोलो ग्राउंड में आयोजित विराट कवि सम्मेलन में उमड़े लोग, पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा और अन्य कवियों ने बांधा समां

दशहरा महोत्सव के बाद हुआ भव्य आयोजन, हास्य-व्यंग्य, वीर रस और गीतों से गूंजा पांडाल

महानगर मेट्रो ब्यूर

माउंट आबू। पर्यटन नगरी माउंट आबू के पोलो ग्राउंड में नगर पालिका मंडल के तत्वावधान में दशहरा महोत्सव के बाद पहली बार एक भव्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस शानदार कार्यक्रम में देश के कई ख्यातनाम और प्रतिष्ठित कवियों ने शिरकत की, जिन्होंने अपनी बेहतरीन हास्य, व्यंग्य, प्रेम और वीर रस से ओतप्रोत रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को देर रात तक अपने स्थान से हिलने नहीं दिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध हास्य कवि सुरेंद्र शर्मा रहे। उन्होंने अपनी चिर-परिचित और खास चार पंक्तियों वाली अनूठी शैली तथा बेहद सहज अंदाज में पति-पत्नी के रिश्तों व पारिवारिक जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को मंच पर रखा। उनकी इन शानदार हास्य रचनाओं और व्यंग्यों ने पांडाल में बैठे सभी श्रोताओं को लोटपोट कर दिया और खूब गुदगुदाया।

अंशु प्रिया की कविताओं ने किया भावुक, संदीप भोला और मुन्ना शर्मा ने लगाए ठहाके



कवयित्री अंशु प्रिया दुबे ने अपनी कविताओं के जरिए प्रेम और आत्मीय रिश्तों की बहुत ही सुंदर एवं गहरी प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने विशेष रूप से समाज में बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बेटियां परिवार की असली खुशहाली और हर कठिन समय में संबल का सबसे बड़ा आधार होती हैं। उनकी इस बेहद संवेदनशील प्रस्तुति ने वहां मौजूद कई श्रोताओं को भावुक कर दिया। इसके साथ ही, कवि संदीप भोला ने मौजूदा समसामयिक राजनीतिक व्यवस्था पर तीखे हास्य-व्यंग्य के जरिए जोरदार कटाक्ष किए। वहीं, मुन्ना शर्मा ने अपने खास देहाती अंदाज और पति-पत्नी के रोजमर्रा के घरेलू प्रसंगों के माध्यम से श्रोताओं को हंसने पर मजबूर कर दिया। दूसरी ओर, ओज और वीर रस के प्रसिद्ध कवि अशोक चारण ने अपनी कविताओं के जरिए राष्ट्रप्रेम और देश के वीरों की शौर्य गाथाएं सुनाकर पूरे माहौल को ओजपूर्ण बना दिया। उनकी ओजस्वी प्रस्तुति पर पूरा पोलो ग्राउंड 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों और तालियों से गूंज उठा।

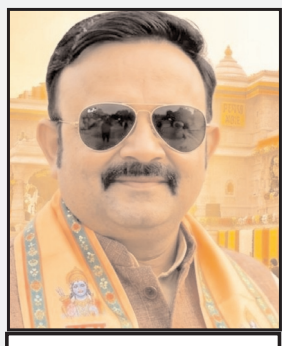
गीत-गजलों और राजस्थानी रंग ने बांधा समां, गजेंद्र प्रियांशु ने किया सफल संचालन

काव्य संध्या में विविधता और मिठास घोलते हुए कवयित्री डॉ. अनु सपन ने अपने मधुर गीतों और दिल को छू लेने वाली गजलों से समां बांध दिया। इसके अलावा, राजकुमार बादल ने राजस्थानी संस्कृति और माटी के रंग में रची अपनी कविताओं व रचनाओं से श्रोताओं का विशेष ध्यान अपनी ओर खींचा। पूरे कार्यक्रम का बेहद शानदार और जीवंत संचालन गजेंद्र प्रियांशु ने अपनी बेहतरीन शेरो-शायरी और हाजिरजवाबी के साथ किया। इस प्रतिष्ठित और गरिमामयी आयोजन के दौरान माउंट आबू के उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य, पालिका आ



सम्पादकीय

सेलेब्स की 'मोदी भक्ति' या मजबूरी का खेल?
करोड़पति फिल्म स्टार्स सत्ता के आगे क्यों झुक रहे हैं!



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

अगर हम गुजरात या देश की पॉलिटिक्स को देखें, तो पिछले कुछ सालों में एक बड़ी तस्वीर बदल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी प्रोपेगैंडा मशीनरी के इर्द-गिर्द बनी पॉलिटिकल इमेज ने देश के हर सेक्टर पर असर डाला है। आम जनता तो ठीक है, लेकिन जो अरबपति फिल्म स्टार्स कभी खुलकर किसी पॉलिटिशियन का साइड लेने को तैयार नहीं थे, वे आज 'मोदी भक्ति' करते दिख रहे हैं। क्या अमिताभ बच्चन से लेकर अक्षय कुमार, अजय देवगन, रणबीर सिंह, अनुपम खेर और परेश रावल जैसे दिग्गजों के चेहरों पर यह 'प्यार' सच में नेचुरल है या इसके पीछे कोई और अनदेखी वजह या प्रेशर काम कर रहा है?

अतीत का डरः जब स्टार्स पॉलिटिक्स से दूर रहते थे

एक समय था जब बड़े बॉलीवुड स्टार्स किसी भी पॉलिटिशियन या पार्टी के सपोर्ट में पब्लिक में आने से बचते थे। वजह साफ़ थी–अगर कोई स्टार किसी पार्टी का फेवर करता, तो अपोज़िशन पार्टी के सपोर्टर, जो उसके फ़ैन थे, नाराज़ हो जाते और इसका सीधा असर फ़िल्मों के बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन पर पड़ता। स्टार्स कभी भी अपने करोड़ों के फ़ैनबेस को खोने का रिस्क नहीं लेना चाहते थे। तो आज ऐसा क्या भूकंप आ गया कि ये आर्टिस्ट अपने फ़ैनबेस की फ़िक्र किए बिना खुलेआम एक लीडर की तारीफ़ करने लगे हैं?

क्या इन आर्टिस्ट्स को इतना यकीन है कि मोदी का फ़ैनबेस उनके अपने फ़ैनबेस से लाख गुना बड़ा है? या बात कुछ और है? अरबपति स्टार्स को खरीदा नहीं जा सकता, तो उन्हें क्यों झुकना पड़ता है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि जो खुद करोड़पति या अरबपति हैं, उन्हें पैसे से कोई नहीं खरीद सकता। तो फिर ये सेलेब्स ऐसे इवेंट्स में क्यों जाते हैं और सोशल मीडिया पर ऐसी तारीफ़ क्यों करते हैं जिससे आर्टिस्ट के तौर पर उनकी न्यूट्रल इमेज खराब हो सकती है? इसके पीछे मुख्य वजहें ये हैं:

1. प्रोफ़ेशनल इनसिक्योरिटी और एजेंसियों का डरः इंडियन फ़िल्म इंडस्ट्री में होने वाले फ़ाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन पब्लिक नॉलेज हैं। कोई नहीं कह सकता कि सेंट्रल एजेंसियों की तलवार कब किस पर गिर जाए। अगर सरकार के खिलाफ आवाज़ उठाई जाए, तो फिल्मों के विरोध, बॉयकॉट ट्रेंड और फाइनेंशियल जांच का डर हमेशा छिपा रहता है।

2. सरकारी प्रोजेक्ट और रियायतें: बड़े स्टार्स और प्रोड्यूसर्स के लिए फिल्मों की शूटिंग की परमिशन, राज्य सरकारों से मदद, टूरिज्म प्रमोशन और नेशनल सम्मान (पद्म अवॉर्ड वगैरह) पाने के लिए सरकार की गुड बुक्स में रहना ज़रूरी हो जाता है। विरोध करने से बिजनेस को भारी नुकसान हो सकता है।

3. पब्लिक रिलेशन और मार्केटिंग ट्रेंडः आज के ज़माने में 'नेशनलिस्ट' या 'प्रो-गवर्नमेंट' दिखना एक सेफ गेम बन गया है। प्रोपेगैंडा मशीनरी ने ऐसा माहौल बना दिया है कि जो मोदी के साथ हैं, वही सच्चे देशभक्त हैं, और कोई भी इस भ्रम से बाहर निकलने का रिस्क नहीं लेना चाहता।

जनता के सामने सवालः भक्ति या मजबूरी?

ये फोटो और इवेंट शायद खास तौर पर पर्सनैलिटी कल्ट बनाने के लिए प्लान किए गए हों, लेकिन असलियत यह है कि बॉलीवुड अब एक ऐसा स्टेज बन गया है जहां अधिकारी नाचते हैं। कलाकारों का यह दिखावा सच्चा प्यार है या डर और फायदे का इक्वेशन–यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन एक बात तो सच है, जनता अब समझ चुकी है कि इन करोड़पति सितारों में भी अब गद्दी पर आंख मारने की ताकत नहीं रही!

श्रीमद् भगवद् गीता श्रृंखलाः अध्याय-14

'मेरा स्वभाव ही ऐसा है!'- ऐसा कहकर हम अक्सर बच निकलते हैं, लेकिन यह 'स्वभाव' बनता किससे है?



प्रकृति के तीन गुणों को पहचानना ही स्व-परिवर्तन की कुंजी है।

अध्याय 13 में हमने समझा कि शरीर (क्षेत्र) और उसे जानने वाला आत्मा (क्षेत्रज्ञ) दोनों बिल्कुल अलग हैं। यदि आत्मा शुद्ध और निर्मल है, तो फिर एक ही प्रकृति से बने हम सबके स्वभाव इतने अलग क्यों होते हैं? क्यों कोई व्यक्ति शांति से सोचकर निर्णय लेता है, कोई लगातार सफलता की अंधी दौड़ में रहता है, और कोई अपनी क्षमता होने के बावजूद केवल आलस्य में समय बर्बाद करता है?

हमारे विचारों और व्यवहार का यह अदृश्य संचालक कौन है? इस महत्वपूर्ण प्रश्न का समाधान भगवान श्रीकृष्ण 14वें अध्याय 'गुणत्रय विभाग योग' में देते हैं।

प्रकृति की तीन रस्सियां (गुण) सत्व, रजस और तमस श्रीकृष्ण समझाते हैं कि पूरी प्रकृति तीन गुणों से बनी है। ये तीन गुण ऐसी रस्सियां (बंधन) हैं, जो मुक्त आत्मा को शरीर और संसार के साथ बांधे रखती हैं। प्रत्येक मनुष्य में ये तीनों गुण मौजूद होते हैं, केवल समय और परिस्थितियों के अनुसार इनकी मात्रा अलग-अलग होती है।

1. तमोगुण - अज्ञान और आलस्य का बंधनः यह गुण अज्ञान से जन्म लेता है। यह व्यक्ति को आलस्य, नींद, अंधविश्वास और प्रमाद में धकेलता है।

धार्मिक दृष्टि से यह कुंभकर्ण जैसी प्रवृत्ति है, जो केवल निद्रा और अज्ञान में ही मग्न रहता है। वर्तमान संदर्भ में, यह ऐसा व्यक्ति है जो सत्य जानने की जिज्ञासा के बिना केवल भय या देखा-देखी से धर्म का पालन करता है।

व्यावहारिक दृष्टि से कोई छात्र या खिलाड़ी जानता है कि मेहनत जरूरी है, फिर भी लगातार समय बर्बाद करता है और विफलता के लिए भाग्य को दोष देता है। तमस मनुष्य का आध्यात्मिक और व्यावहारिक विकास रोक देता है। विफलता से अधिक अपनी गलती से सीखने से इनकार करना ज्यादा नुकसानदायक है।

2. रजोगुण - इच्छा और प्रतिस्पर्धा की दौड़ः यह गुण लोभ, अहंकार और अत्यधिक सांसारिक इच्छाओं से जन्म लेता है। रजोगुणी व्यक्ति लगातार कुछ पाने की दौड़ में होता है।

रावण या हिरण्यकशिपु जैसे पात्र, जिन्होंने कठोर तपस्याएं तो कीं, लेकिन उनका उद्देश्य सत्ता और अहंकार को पोषित करना था। यह सकाम भक्ति है, जहां ईश्वर के पास भी शर्तों के साथ जाया जाता है।

एक खिलाड़ी मेडल जीतने के लिए मेहनत करे यह अच्छी बात है, लेकिन जब उसकी पूरी खुशी केवल मेडल पर ही निर्भर हो जाए, तब हार उसे अंदर से तोड़ देती है। रजस मनुष्य को कर्म के फल की आसक्ति में बांधता है।

सफलता पाना प्रगति है, लेकिन सफलता के बीच मन की शांति बनाए रखना ही सच्ची समृद्धि है।

3. सत्त्वगुण - ज्ञान और संतुलन का प्रकाशः यह गुण प्रकाश, शांति, विवेक और समझदारी देता है। मुसीबत आने पर दूसरों को दोष देने के बजाय अपनी गलती पहचानकर सुधारने का प्रयास करना सत्त्वगुण की निशानी है।

युधिष्ठिर या विभीषण जैसी प्रवृत्ति, जो धर्म और सत्य के मार्ग पर चले। यह निष्काम भक्त हैं। परंतु सत्त्वगुण भी मनुष्य को 'मैं सबसे बड़ा भक्त हूं', 'मैं पुण्यशाली हूं' या 'मैं ज्ञानी हूं' जैसे सूक्ष्म अहंकार से बांध सकता है। (यह लोहे की नहीं बल्कि सोने की बेड़ी है, पर है तो बेड़ी ही!)

गुणातीत कैसे बनें? (तीनों गुणों से पार जाने की यात्रा) केवल तमस से रजस में और रजस से सत्त्व गुण की ओर प्रगति करना ही पर्याप्त नहीं है। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि सच्चा ज्ञानी वह है जो इन तीनों गुणों से परे यानी 'गुणातीत' हो जाए। गुणातीत व्यक्ति कैसा होता है?

जैसे कीचड़ में खिला हुआ कमल पानी में रहने के बावजूद उससे भीगता नहीं है, या राजा जनक जो संसार में रहकर भी राजपाट चलाते थे फिर भी 'विदेही' थे। कोई आपकी प्रशंसा करे तब अहंकार से फूल न जाना और कोई आलोचना करे तब गुस्से में विवेक न खो बैठना - यह गुणातीत अवस्था है। वह जानता है कि जो कुछ हो रहा है वह केवल प्रकृति के गुणों का ही खेल है, मेरी आत्मा तो इन सबका केवल साक्षी है।

हर परिस्थिति आपके नियंत्रण में नहीं है, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया को समझदारी से ढालने का प्रयास आपके हाथ में है।

गुणातीत होने का मार्गः समर्पण और भक्ति

अध्याय के अंत में श्रीकृष्ण इन गुणों की माया से बाहर आने का निश्चित मार्ग बताते हैं।

भक्ति का अर्थ केवल मंदिर में बैठे रहना नहीं है; बल्कि अहंकार छोड़ना, अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा से निभाना ('मैं ही सब करता हूं' ऐसा अहंकार छोड़कर), दूसरों की सफलता से ईर्ष्या न करना और हर परिस्थिति में परमात्मा पर श्रद्धा रखना है। गीता का यह अध्याय हमें दूसरों को जज करने के बजाय अपना ही निरीक्षण करना सिखाता है। रोज़ आईने के सामने खड़े रहकर खुद से पूछें - आज मेरे निर्णयों पर किस गुण का प्रभाव था? जब बिना कारण गुस्सा आया तब क्या रजस गुण हावी था? आलस्य आया तब तमस था?

जीवन की सबसे बड़ी जीत मैदान में दूसरों को हराने में नहीं है, बल्कि अपने ही मन के रणमैदान में अपने अहंकार, लोभ और आलस्य को पहचानकर उस पर विजय प्राप्त करने में है! जल-कमलवत् (कमल के पत्ते की तरह) संतुलन विकसित करना, यही सच्चा योग है।

क्रमशः...

आगामी अध्याय 15 (पुरुषोत्तम योग) में हम जानेंगे 'संसार रूपी उल्टे अश्वत्थ वृक्ष का रहस्य क्या है? इसकी जड़ें ऊपर क्यों हैं? और क्षर, अक्षर तथा पुरुषोत्तम के तत्वों को समझकर जीवन के परम सत्य तक कैसे पहुंचा जा सकता है? '

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवार्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर।

नारोल-सरखेज एलिवेटेड कॉरिडोरः क्या 'कैप्सूल/फ्लाईओवर सिस्टम' अहमदाबाद के ट्रैफिक जाम और समय की बर्बादी को कम करेगा?

अहमदाबाद नारोल-सरखेज हाईवे अहमदाबाद शहर के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों को जोड़ने वाली सबसे ज़रूरी और सबसे बिज़ी सड़क है। यह रास्ता अब हर दिन हज़ारों भारी गाड़ियों, आने-जाने वालों और स्थानीय लोगों के लिए सबसे बड़ी ट्रैफिक मुसीबत बन गया है। इस ट्रैफिक समस्या से हमेशा के लिए राहत देने के लिए, प्रशासन ने 1200 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से 10.63 द्यद्व लंबा 6-लेन एलिवेटेड कॉरिडोर (कैप्सूल/ओवरब्रिज सिस्टम) बनाने का एक ड्रीम प्रोजेक्ट शुरू किया है।

लेकिन सबसे बड़ा और ज़रूरी सवाल यह उठता है: क्या करोड़ों की लागत से बना यह कैप्सूल/ब्रिज सिस्टम सच में ट्रैफिक और आने-जाने का समय कम करेगा, या यह जनता के टैक्स का पैसा इकट्ठा करने का एक और कागजी दावा साबित होगा? प्रोजेक्ट का दावाः ट्रैफिक और समय में भारी कमी आएगी? प्रशासन और नेशनल हाईवे अथॉरिटी के दावे के मुताबिक, इस एलिवेटेड कॉरिडोर के पूरा होने के बाद, नारोल, विशाला, जुहापुरा और सरखेज जैसे बहुत ज़्यादा जाम वाले जंक्शनों से गुज़रने वाले थ्रू-ट्रैफिक (सीधे जाने वाले वाहन) को पुल से छुटकारा मिल जाएगा।

1. सिग्नल-फ्री सफरः नीचे की लोकल सड़कों पर ट्रैफिक का लोड कम हो जाएगा, जिससे सिग्नल पर वाहनों की लंबी कतारें नहीं लगेंगी।

2. फ्यूल और समय की बचतः अभी नारोल से सरखेज पहुंचने में जो 45 मिनट से 1 घंटा लगता है, वह घटकर सिर्फ 15 से 20 मिनट रह जाने की उम्मीद है।

3. हेवी व्हीकल बाईपासः शहर के ट्रैफिक को बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात की ओर जाने वाले मालवाहक ट्रक सीधे इसके ऊपर से गुजरेंगे। ज़मीनी हकीकतः देरी, खराब काम और लोगों की परेशानी तस्वीर भले ही अच्छी हो, लेकिन असलियत यह है कि यह प्रोजेक्ट बनने के दौरान ही विवादों में घिर गया है। हाल ही में, इस कॉरिडोर के पिलर्स के मिसअलाइनमेंट और खराब क्वालिटी की वजह से इसे गिराना पड़ा। इसके अलावा, शास्त्री ब्रिज की मरम्मत और डायवर्जन की वजह से हज़ारों गाड़ी वाले हर दिन घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहते हैं। ठेकेदारों की ढीली पॉलिसी और काम में देरी लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बनती जा रही है। अगर बनने के काम में देरी हुई और ट्रैफिक का सही मैनेजमेंट नहीं हुआ, तो जब तक यह ब्रिज बनेगा, अहमदाबाद के लोगों की ज़िंदगी बर्बाद हो जाएगी।

'पाको गुजरात' की आवाज़ः सिर्फ़ ब्रिज बनाने से हल नहीं होगा!

सिर्फ़ फ्लाईओवर या कैप्सूल कॉरिडोर बनाने से ट्रैफिक कम नहीं होगा, बल्कि इसके साथ ही सही एंट्री-एग्जिट पॉइंट, नीचे सर्विस रोड को चौड़ा करना और भ्रष्टाचार-मुक्त, मज़बूत कंस्ट्रक्शन बहुत ज़रूरी है। काम समय पर और क्वालिटी के साथ पूरा होगा, तभी जनता का समय और फ्यूल बचेगा।

सेना की ताकत बढ़ाने के लिए रडार, संचार उपग्रह और टॉरपीडो की होगी खरीद

नई दिल्ली रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा और सामरिक क्षमता को मजबूत करने के लिए देश की विभिन्न कंपनियों के साथ करीब 4,876 करोड़ रुपए के अहम रक्षा अनुबंध किए हैं। इसके तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ लगभग 770 करोड़ रुपए की डील हुई है, जिसके जरिए इम्प्रूव्ड लो लेवल लाइट वेट रडार खरीदे जाएंगे। ये अत्याधुनिक रडार फाइटर जेट के साथ-साथ बेहद छोटे ड्रोन्स का भी सटीक पता लगाकर उनकी गतिविधियों को ट्रैक करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा, मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए करीब 4,106 करोड़ रुपए के दो अन्य बड़े करार भी किए हैं। इसके तहत न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ 2,563 करोड़ रुपए की लागत से GSAT-7C संचार उपग्रह का सौदा किया गया है, जिससे वायुसेना के विमानों के बीच सुरक्षित संचार व्यवस्था मजबूत होगी। साथ ही, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ 1,543 करोड़ रुपए का करार कर नौसेना के लिए स्वदेशी 'वरुणास्त्र' हेवी वेट टॉरपीडो खरीदे जाएंगे, जिससे दुश्मन की पनडुब्बियों को नेस्तनाबूद करने में नौसेना की मारक क्षमता में भारी इजाफा होगा।

सरकारी शिक्षा की कमियों को छिपाने के लिए BJP सरकार का 'ब्लैक नोटिफिकेशन': तानाशाही के दम पर माता-पिता और युवाओं की आवाज़ दबाने का काला खेल!

गुजरात में शिक्षा मॉडल के बड़े-बड़े दावों और सरकारी विज्ञापनों के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई अब सामने आने लगी है। राज्य में सरकारी स्कूलों की दयनीय हालत को सुधारने के बजाय, पिछले 30 सालों से सत्ता में काबिज BJP सरकार ने अपनी कमियों को जनता के सामने आने से रोकने के लिए एक सनसनीखेज और विवादित 'ब्लैक नोटिफिकेशन' जारी किया है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को अपने पंख फैलाने से रोकने के लिए सुधार करने के बजाय, सच्चाई उजागर करने वालों पर सख्त पाबंदियां लगाने की इस नीति ने पूरे राज्य में माता-पिता, शिक्षकों और युवाओं में गुस्से की एक बड़ी आग सुलगा दी है।

गुजरात में शिक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर करने वाले माता-पिता, शिक्षकों और युवाओं में गुस्से की एक बड़ी आग सुलगा दी है। गुजरात में शिक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर करने वाले माता-पिता, शिक्षकों और युवाओं में POCSO जैसे कानूनों की धमकी देने वाली सरकार के खिलाफ जनता में गुस्सा! गांधीनगर ... मॉडल के बड़े-बड़े दावों और सरकारी विज्ञापनों के पीछे छिपी कड़वी सच्चाई अब सामने आने लगी है। राज्य में सरकारी स्कूलों की दयनीय हालत को सुधारने के बजाय, पिछले 30 सालों से सत्ता में काबिज BJP सरकार ने अपनी कमियों को जनता के सामने आने से रोकने के लिए एक सनसनीखेज और विवादित 'ब्लैक नोटिफिकेशन' जारी किया है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को अपने पंख फैलाने से रोकने के लिए सुधार करने के बजाय, सच्चाई उजागर करने वालों पर सख्त पाबंदियां लगाने की इस नीति ने पूरे राज्य में माता-पिता, शिक्षकों और युवाओं में गुस्से की एक बड़ी आग सुलगा दी है।

गुजरात में शिक्षा व्यवस्था की कमियों को उजागर करने वाले माता-पिता सच्चाई यह है कि गुजरात के हज़ारों सरकारी स्कूलों में टूटे-फूटे कमरे हैं, पीने का साफ़ पानी नहीं है, टॉयलेट की हालत खराब है और टीचरों की कमी है। जब आस-पास के माता-पिता, जागरूक नागरिक या सोशल मीडिया पर एक्टिव युवा इस भयानक सच्चाई का वीडियो बनाकर या तस्वीरें शेयर करके सिस्टम को जगाने की कोशिश करते हैं, तो उनका साथ देने के बजाय सरकारी सिस्टम धमकियों पर उतर आता है।

तानाशाही की हदः POCSO जैसे गंभीर कानूनों का डर!

सबसे चौंकाने वाली और शर्मनाक बात यह सामने आई है कि जो माता-पिता और युवा स्कूलों की खराब क्वालिटी, खराब इंफ्रास्ट्रक्चर या सिस्टम की नाकामी को सामने लाते हैं, उन्हें POCSO (प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस) जैसे बहुत गंभीर कानूनों की धमकी देकर डराया जा रहा है।

स्कूल की समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना बच्चों की सुरक्षा के लिए एक आवाज़ है, लेकिन सिस्टम अपनी गलतियों को छिपाने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल करके इस आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रहा है। क्या डेमोक्रेसी में शिक्षा की खराब क्वालिटी पर सवाल उठाना गुनाह हो गया है? माता-पिता को अपने बच्चों के भविष्य के लिए आवाज़ उठाने पर जेल में डालने की धमकी देना पूरी तरह से तानाशाही है। 30 साल पुराना 'एजुकेशन मॉडल' या कागज़ों पर विकास? पिछले तीन दशकों से राज्य में राज कर रही BJP सरकार ने शिक्षा के लिए करोड़ों रुपये का बजट देने का दावा किया है। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि आज भी गांव और दूर-दराज के इलाकों में बच्चे बिना सही सुविधाओं के पढ़ने को मजबूर हैं। प्राइवेट स्कूल की फीस के बोझ से दबे माता-पिता जब सरकारी स्कूलों का रुख करते हैं, तो उन्हें वहां सही सुविधाएं नहीं मिलतीं। और जब यह हकीकत सामने आती है, तो सरकार नोटिफिकेशन जारी करके अपने पापों को छिपाने की कोशिश करती है। अब माता-पिता, युवाओं और जनता को एकजुट होने का समय है। यह स्थिति किसी एक पार्टी या एक स्कूल तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध गुजरात के लाखों बच्चों के भविष्य से है। अगर आज इन काले नोटिफिकेशन और सरकारी धमकियों के खिलाफ चुप्पी साधी गई, तो आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। माता-पिता, जागरूक युवाओं और गुजरात की पूरी जनता को एकजुट होकर इन तानाशाही नीतियों का जोरदार विरोध करना होगा। 'पाको गुजरात' जनता की इस आवाज़ को आवाज़ देता रहेगा और शिक्षा के क्षेत्र में अपनाई जा रही गलत नीतियों को उजागर करता रहेगा!

आज का राशिफल

(शुक्रवार)23 अक्टूबर 2026



100 करोड़ से ज़्यादा के ज़मीन घोटाले के मुद्दे पर जगदीश ठाकोर निशाने पर हैं!

गरीब किसानों के हक के लिए लड़ने वाले नेताओं को दबाने का खेल? कांग्रेस नेताओं की लगातार धमकी: 'न डरा पाओगे, न बहका पाओगे - इंसाफ़ की लड़ाई नहीं रुकेगी!

गुजरात की राजनीति में एक बार फिर गरीब किसानों के हक, ज़मीन के मुद्दे और अधिकारियों के दबाव की राजनीति के बीच एक बड़ा संघर्ष शुरू हो गया है। क्या सिस्टम करोड़पतियों और लैंड माफिया के साथ है या गरीब किसानों के साथ? यह सवाल एक बार फिर ज़ोरदार हो गया है।100 करोड़ से ज़्यादा की कीमती ज़मीन के मुद्दे पर आवाज़ उठाने वाले और लोगों की आवाज़ को आवाज़ देने वाले बड़े कांग्रेस नेताओं पर हो रही कार्रवाई से पूरे राज्य की राजनीति गरमा गई है। पहले इस ज़मीन के मुद्दे पर सवाल उठाने पर गुस्सैल रूक्जिग्नेश मेवाणी के खिलाफ़ लीगल केस दर्ज किया गया था, और अब इसी कड़ी में, शिकायत में कांग्रेस के सीनियर नेता जगदीश ठाकोर का नाम भी आया है, जिससे विरोध का तूफ़ान खड़ा हो गया है। सत्ताधारी पार्टी पर FIR और पुलिस सिस्टम का गलत इस्तेमाल करके विपक्षी नेताओं की आवाज़ दबाने के गंभीर आरोप लगाते हुए, कांग्रेस ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है।

?100 करोड़ की ज़मीन का रहस्य और अधिकारियों की चुप्पी

जब विपक्षी नेताओं ने ज़मीन के मुद्दे पर सबूतों के साथ सवाल पूछे, जिसकी कीमत बाज़ार भाव के हिसाब से ?100 करोड़ से ज़्यादा आंकी जा रही है, और गरीब किसानों को उनका जायज़ हक देने की मांग की, तो अधिकारियों के पास कोई सीधा जवाब नहीं था। सवालों के लॉजिकल जवाब देने और ज़मीन की सही बातें जनता के सामने लाने के बजाय, आवाज़ उठाने वाले नेताओं पर केस बनाने की इस पॉलिसी के खिलाफ़ जनता में बहुत गुस्सा है।

क्या यह पूरा खेल ज़मीन घोटाले में शामिल बड़े लोगों को बचाने के लिए रचा जा रहा है? क्या किसानों के लिए इंसाफ की लड़ाई अब जुर्म बन गई है? इन सवालों पर इस समय गुजरात के हर कोने में चर्चा हो रही है।

'हम डरेंगे नहीं, झुकेंगे नहीं' – विपक्षी नेताओं की दहाड़ शिकायत में जगदीश ठाकोर का नाम घसीटे जाने के बाद, कांग्रेस खेमे से बहुत कड़ा रिएक्शन आया है। नेताओं ने अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है, 'आप जगदीश ठाकोर या जिग्नेश मेवाणी को न तो डरा पाएंगे, न धमका पाएंगे और न ही झुका पाएंगे, जो गरीब किसानों के हक और इंसाफ के लिए आवाज उठा रहे हैं! '

चाहे सत्ता के बल पर दबाव बनाने और पुलिस कार्रवाई से डराने की कितनी भी कोशिशें की जाएं, किसानों के हक की आवाज लोकतांत्रिक तरीके से उठना कभी बंद नहीं होगी। यह लड़ाई सिर्फ किसी एक नेता की नहीं है, बल्कि यह उन गरीब किसानों के जिंदा रहने की लड़ाई है जो दबे-कुचले और अन्याय के शिकार हैं।

सच लोगों के सामने आना चाहिएः 'पक्को गुजरात' की आवाज

जमीन के इतने बड़े और गंभीर मुद्दे पर सच का आखिरकार लोगों के सामने आना बहुत जरूरी है। अगर सरकार या सिस्टम सही है, तो उन्हें जांच के नाम पर विपक्षी नेताओं को टारगेट करने के बजाय ट्रांसपेरेंट जांच करनी चाहिए। सिर्फ केस करने या शिकायतों में नाम जोड़ने से सच को दबाया नहीं जा सकता।

'महानगर मेट्रो ' गुजरात के गरीब किसानों की ज़मीन पर कब्ज़ा करने वाले और उन्हें बचाने वाले भ्रष्ट लोगों के खिलाफ आवाज़ उठाता रहेगा। साफ संकेत हैं कि आने वाले दिनों में किसानों के हक और इंसाफ की यह लड़ाई और तेज़ होगी!

मध्य प्रदेश के पन्ना में दुर्गा विसर्जन की खुशियां मातम में बदलीं, बांध में डूबे पांच दोस्त, दो की मौत से बुझ गए घरों के चिराग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के अंतर्गत आने वाले देवेंद्र नगर क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक और हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहाँ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान एक बड़े हादसे ने त्योहार की सारी खुशियों को मातम में बदल दिया। विसर्जन के वक्त बांध के गहरे पानी में पांच दोस्त डूब गए। इस भीषण हादसे में दो युवकों की अकाल मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवकों को स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना के बाद से दोनों मृतक युवकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवकों की पहचान अठारह वर्षीय आयुष अग्रवाल (पुत्र शेष अग्रवाल) और पच्चीस वर्षीय कृष्णा सोनी (पुत्र नारायण दास सोनी) के रूप में हुई है।

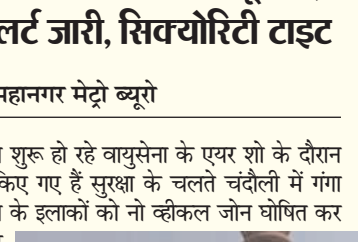


वहीं, जिन तीन युवकों को सुरक्षित बचा लिया गया, उनके नाम साहिल तिवारी, हरिओम द्विवेदी और करण सोनी हैं। पानी से बाहर निकालने के बाद तीनों को प्राथमिक उपचार दिया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए पन्ना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक प्रत्यक्षदर्शी राम किशोर रैकवार के अनुसार, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान अचानक पैर फिसलने और गहरे पानी में चले जाने के कारण यह भयानक हादसा हुआ। जब ये पांचों दोस्त पानी में डूबने लगे, तो वहां मौजूद लोगों और स्थानीय मछुआरों ने उन्हें बचाने के लिए तुरंत पानी में छलांग लगा दी और उन्हें बाहर निकालने का अथक प्रयास किया। बताया जा रहा है कि आयुष अग्रवाल और कृष्णा सोनी प्रतिमा के ठीक नीचे दब गए थे। इसी वजह से उन्हें पानी से बाहर निकालने में अधिक समय लग गया। काफी प्रयासों के बावजूद उन दोनों की जान नहीं बचाई जा सकी। कुछ ही पल पहले तक जिस जगह पर उत्सव और विसर्जन का उल्लास था, वहां अचानक चीख-पुकार और गहरे दुखों का माहौल बन गया। इस गंभीर दुर्घटना की सूचना मिलते ही पन्ना की पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू और तहसीलदार सुमित तिवारी समेत पूरा प्रशासनिक अमला तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया। अधिकारियों ने वहाँ पहुंचकर हालात का जायजा लिया और बचाव कार्यों की समीक्षा की। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने जानकारी देते हुए बताया कि विसर्जन के दौरान पैर फिसलने और पानी की गहराई में चले जाने के कारण यह दुर्घटना घटी। मौके पर मौजूद स्थानीय नागरिकों और मछुआरों ने युवकों को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन दुर्भाग्यवश दो युवकों की जिंदगी नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद से सार्वजनिक आयोजनों और विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने तथा गोताखोरों की तैनाती न किए जाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना के समय यदि पेशेवर गोताखोर मौजूद होते, तो शायद दोनों युवकों की जान बचाई जा सकती थी। बहरहाल, उत्सव के माहौल में पांच दोस्तों का बांध में डूबना और उनमें से दो की मौत ने पूरे पन्ना जिले को झकझोर कर रख दिया है। तीन दोस्त तो सुरक्षित बच गए, परंतु आयुष अग्रवाल और कृष्णा सोनी की मौत से उनके परिवारों की दुनिया उजड़ गई है और पूरा देवेंद्र नगर इस समय गहरे शोक में डूबा हुआ है।

खेत जोतते समय ट्रैक्टर में लगी आग, देखते ही देखते बना आग का गोला,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में खेत की जुताई कर रहे एक किसान के ट्रैक्टर में अचानक आग लग गई आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही सेकेंड में ट्रैक्टर आग के गोले में बदल गया खेत के बीचोंबीच ट्रैक्टर को जलता देख ड्राइवर ने तुरंत उससे कूदकर अपनी जान बचाई आसपास मौजूद ग्रामीणों ने आग बुझाने की बहुत कोशिश की लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था इस घटना का करीब चालीस सेकेंड का वीडियो सामने आया है जिसमें खेत के बीच ट्रैक्टर को आग की लपटों से घिरा हुआ देखा जा सकता है आग इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर से ऊंची लपटें उठ रही थीं घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया यह घटना ललितपुर जिले के बार ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सेमरा भागनगर गांव की है गांव के रहने वाले कृष्णपाल अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर में आग लग गई अनुमान लगाया जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट के कारण ट्रैक्टर में आग लगी थी स्थिति बिगड़ती देख कृष्णपाल ने बिना देर किए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी और अपनी जान बचा ली ट्रैक्टर में आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन लपटें इतनी तेज थीं कि ट्रैक्टर को बचाया नहीं जा सका जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक ट्रैक्टर पूरी तरह जल चुका था इस घटना में ट्रैक्टर मालिक को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है वीडियो में खेत के बीच ट्रैक्टर जलता हुआ साफ दिखाई दे रहा है आग की लपटें इतनी तेज हैं कि ट्रैक्टर एक बड़े आग के गोले जैसा नजर आ रहा है इस घटना के बाद खेतों में कृषि कार्य के दौरान इस्तेमाल होने वाली मशीनों की सुरक्षा को लेकर भी कई सवाल खड़े होने लगे हैं



एयर शो के समय जर्जर भवनों से दूर रहें, वाराणसी में अलर्ट जारी, सिक्योरिटी टाइट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। में गुरुवार से शुरू हो रहे वायुसेना के एयर शो के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं सुरक्षा के चलते चंदौली में गंगा किनारे घाटों के आसपास के इलाकों को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है सड़कों पर बैरिकेडिंग कर दी गई है और पुलिस के जवानों के साथ-साथ आरएएफ के जवानों की भी तैनाती की गई है वाराणसी में एयर शो के दौरान जर्जर छतों और बालकनियों पर लोगों के एकत्र होने पर रोक लगाई गई है इसे लेकर सुरक्षा एडवाइजरी भी जारी की गई है गंगा तटवर्ती क्षेत्रों में जर्जर और कमजोर भवनों पर अतिरिक्त भार और वायुयान के कंपन से हादसे की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने सुरक्षा चेतावनी जारी की है इसके तहत शहर के चार जोनों में चिन्हित 424 जर्जर भवनों की छतों और छज्जों की क्षमता की जांच किए बिना लोगों को वहां आमंत्रित न करने की हिदायत भवन स्वामियों और किराएदारों को दी गई है लापरवाही करने पर नगर निगम अधिनियम, 1959 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी साथ ही, केवल प्रशासन की ओर से स्वीकृत सुरक्षित स्थानों का ही इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं गंगा तटवर्ती क्षेत्रों में कई पुराने भवन ऐसे हैं, जिनकी संरचना कमजोर है और दीवारों में दरारें हैं इनकी छतें और छज्जे भी जर्जर हैं एयर शो के दौरान वायुयानों के प्रदर्शन से होने वाले कंपन, ध्वनि और लोगों की भारी आवाजाही के कारण इन हिस्सों पर अतिरिक्त भार बढ़ने से हादसे की आशंका है इसे देखते हुए नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के निर्देश पर कोतवाली जोन के जोनल अधिकारी मृत्युंजय नारायण मिश्रा समेत अन्य जोनल अधिकारियों ने आधिकारिक सुरक्षा चेतावनी जारी की है किसी भी खतरे की स्थिति में संबंधित नगर निगम अधिकारी को तुरंत सूचना देना अनिवार्य होगा असुरक्षित हिस्सों को खाली रखने के साथ ही वहां बैरिकेडिंग करने और चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए हैं।



UP पुलिस के ऑफिशियल WhatsApp ग्रुप में अफसर ने शेयर किया अश्लील वीडियो



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में आधिकारिक पुलिस व्हाट्सएप समूह में अश्लील वीडियो साझा करने के मामले में बढ़ापुर थाने के थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। विभागीय जांच के बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बुधवार को यह कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक, करीब पांच दिन पहले बढ़ापुर थाने के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह में यह वीडियो साझा किया गया था। वीडियो कुछ देर बाद हटा दिया गया, लेकिन कुछ पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर उसे सहेज लिया था। इसके अलावा वीडियो के चित्र भी सहेजे गए थे, जिसके बाद यह मामला विभाग के भीतर चर्चा में बना रहा। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने जांच के आदेश दिए। इसके लिए एक दल गठित किया गया, जिसे यह पता लगाने की जिम्मेदारी दी गई कि आधिकारिक व्हाट्सएप समूह में वीडियो कब और कैसे साझा किया गया। इस सप्ताह की शुरुआत में जांच दल बढ़ापुर थाने पहुंचा। दल ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। जांच पूरी होने के बाद दल ने अपनी रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को सौंप दी। जांच रिपोर्ट के आधार पर बुधवार को बढ़ापुर थाने के थाना प्रभारी के पद पर तैनात निरीक्षक को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने आज तक से कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच के लिए दल गठित किया गया था। जांच पूरी होने के बाद कार्रवाई की गई और थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, उपलब्ध जानकारी में वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों और उसमें सुनाई देने वाली आवाज वाले व्यक्ति की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। व्हाट्सएप समूह में अश्लील वीडियो साझा होने के बाद मामले में तेजी से जांच की गई और विभागीय कार्रवाई की गई।

रामलीला मंच पर हंगामे के मामले में शारदेन मोहन सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

करनैलगंज में पूर्व विधायक लल्ला भैया के बेटे शारदेन मोहन पर एक घंटे में दो मुकदमे दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के अंतर्गत आने वाले करनैलगंज क्षेत्र में पूर्व विधायक स्वर्गीय कुंवर अजय प्रताप सिंह उर्फ 'लल्ला भैया' के पुत्र शारदेन मोहन सिंह से जुड़े दो अलग-अलग आपराधिक मामलों ने पूरे जिले के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में बड़ी हलचल पैदा कर दी है। पुलिस के आधिकारिक अभिलेखों के अनुसार, एक ही दिन में महज एक घंटे के भीतर उनके खिलाफ दो गंभीर मुकदमे दर्ज किए गए हैं।पहला मामला सरयू रेलवे क्रॉसिंग के पास विरोधी दल से जुड़े लोगों के साथ मारपीट, जानलेवा हमले और हथियारों से लैस होकर हवाई फायरिंग करने का है। वहीं, दूसरा मामला पावन पर्व दशहरे के अवसर पर आयोजित रामलीला के दौरान मंच पर जबरन चढ़ने, भारी हंगामा करने, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का है। इन दोनों मामलों के सामने आने के बाद



से स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। पहले मामले में हरदोई जिले के कटका खुर्द निवासी दीपू सिंह ने करनैलगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, यह घटना 16 अक्टूबर की रात लगभग नौ बजकर पंद्रह मिनट की है। वादी दीपू सिंह अपने साथियों अभय यादव और जीशान के साथ किसी दुर्गा पूजा कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। जब वे सरयू रेलवे क्रॉसिंग के पास पहुंचे, तो फाटक बंद होने के कारण उनकी गाड़ी वहां रुक गई। आरोप है कि उसी समय वहां लगभग अठारह से बीस वाहनों का एक बड़ा काफिला पहुंचा। शिकायत में कहा गया है कि उस काफिले में शामिल एक लग्जरी वाहन से शारदेन मोहन सिंह और उनके अन्य साथी बाहर निकले। आरोप है कि लगभग पैंतीस से चालीस लोगों की भीड़ ने दीपू सिंह को जबरन उनकी गाड़ी से बाहर खींच लिया और उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। हद तो तब हो गई जब पीड़ित के गले पर पैर रखकर उसकी जान लेने का प्रयास किया गया। जब कुछ लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्हें भी अवैध हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके अलावा, शिकायतकर्ता ने वहां हवाई फायरिंग किए जाने का गंभीर आरोप भी लगाया है। दूसरा मामला इसके ठीक बाद का है, जो बीस अक्टूबर को दशहरा मेले के दौरान की घटना से जुड़ा है। इस मामले में कस्बा चौकी प्रभारी सुमित कुमार सिंह की तरफ से मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि शारदेन मोहन के करीब चालीस से पचास समर्थक जबरन रामलीला के मुख्य मंच रही है।

भोपाल में 16 शिक्षकों को दुर्गा विसर्जन में ड्यूटी पर लगाने से मचा बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जिला शिक्षा अधिकारी के एक आदेश के बाद सरकारी शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाए जाने का विवाद एक बार फिर तूल पकड़ गया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, सोलह



सरकारी शिक्षकों की ड्यूटी प्रसिद्ध खटलापुरा घाट पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान भीड़ प्रबंधन और कानून-व्यवस्था संभालने के लिए लगाई गई है। इस फैसले के सामने आते ही शिक्षक संघों ने इसका कड़ा विरोध शुरू कर दिया है और इसे शिक्षण कार्यों में भारी बाधा बताया है, जबकि दूसरी ओर जिला प्रशासन ने इसे एक सामान्य प्रक्रिया करार दिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह विवादित आदेश उन्नीस अक्टूबर को जारी किया गया था। इस आदेश के तहत बीस अक्टूबर से तेईस अक्टूबर तक प्रतिदिन चार शिक्षकों को शाम चार बजे से लेकर आधी रात तक नदी घाट पर मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। ड्यूटी पर तैनात होने वाले इन कर्मियों में कई विद्यालयों के प्राचार्य, उप-प्राचार्य तथा माध्यमिक व उच्च माध्यमिक कक्षाओं के शिक्षक शामिल हैं। इन्हें घाट पर उमड़ने वाले भारी जनसैलाब को नियंत्रित करने और व्यवस्था सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभिन्न शिक्षक संगठनों ने इस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनका स्पष्ट कहना है कि जिला प्रशासन शिक्षकों को एक 'आसानी से उपलब्ध होने वाले श्रम बल' के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। संगठनों का तर्क है कि इस तरह के कार्यों में शिक्षकों को झोंकने से विद्यालयों में पढ़ाई का बहुमूल्य समय नष्ट होता है और समाज में शिक्षा के महत्व को लेकर एक गलत संदेश जाता है। गुरुजी शिक्षक संघ, मध्य प्रदेश के राज्य अध्यक्ष राकेश पटेल ने इस पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन ने पूर्व में यह आश्वासन दिया था कि शिक्षकों की ड्यूटी केवल जनगणना या मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में ही लगाई जाएगी। सार्वजनिक अवकाशों और पर्वों के समय घाटों पर शिक्षकों की ड्यूटी लगाना पूरी तरह से अनुचित है।

मध्य प्रदेश के उज्जैन में अपराधी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर लाठियों और पत्थरों से जानलेवा हमला

उपनिरीक्षक की वर्दी फाड़ी, पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के उन्हेल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नागझिरी गांव से एक बेहद चौंकाने वाली और गंभीर घटना सामने आई है। यहां एक पुराने मारपीट के मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश करने गई पुलिस टीम पर आरोपी के परिजनों और समर्थकों ने अचानक लाठियों और पत्थरों से हमला बोल दिया। बुधवार दोपहर को हुई इस अप्रत्याशित हिंसक झड़प में उपनिरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमलावरों ने उपनिरीक्षक के साथ हाथापाई करते हुए उनकी सरकारी वर्दी भी फाड़ दी। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस प्रशासन ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया है। पुलिस से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नागझिरी गांव की रहने वाली कंचनबाई बंजारा ने लगभग आठ दिन पहले अपने ही पड़ोसी सरदार सिंह बंजारा के खिलाफ मारपीट, अभद्रता और गाली-गलौज करने की गंभीर शिकायत उन्हेल थाने में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सरदार सिंह (पिता गब्बर बंजारा) को मामले



के निराकरण और कानूनी पूछताछ के लिए कई बार थाने में उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। परंतु आरोपी पिछले आठ दिनों से लगातार पुलिस के आदेशों की अनदेखी कर रहा था और थाने नहीं पहुंच रहा था। आरोपी की लगातार अनुपस्थिति को देखते हुए बुधवार दोपहर लगभग बारह बजे उन्हेल थाने के उपनिरीक्षक धारा सिंह चावड़ा अपनी टीम के साथ शासकीय वाहन में सवार होकर नागझिरी गांव पहुंचे। इस पुलिस टीम में आरक्षक अखिलेश यादव, पंकज खरते, विक्रम राघव और महिला आरक्षक नेहा भालसे शामिल थीं। जब पुलिस टीम आरोपी की खोजबीन करते हुए उसके खेत पर बने मकान के पास पहुंची और आरोपी के संबंध में पूछताछ करने लगी, तो वहां उपस्थित परिजनों और समर्थकों ने पुलिस का विरोध करना शुरू कर दिया और देखते ही देखते वे उग्र हो गए। उग्र हुए परिजनों और ग्रामीणों ने कानून को ताक पर रखते हुए पुलिस टीम पर लाठियों और पत्थरों से हमला कर दिया। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस अचानक हुए हमले में उपनिरीक्षक धारा सिंह चावड़ा समेत चार पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। हाथापाई और मारपीट के दौरान उपनिरीक्षक की शासकीय वर्दी भी फाड़ दी गई। किसी तरह पुलिसकर्मियों ने खुद को सुरक्षित किया और घटना की सूचना तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान ने बताया कि पुलिस टीम पर हमला करने वाले सात नामजद आरोपियों के खिलाफ आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। फरार चल रहे मुख्य आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत दो महिलाओं और एक पुरुष को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना के तुरंत बाद गांव में शांति-व्यवस्था बनाए रखने और ग्रामीणों में सुरक्षा का अहसास कराने के लिए भारी पुलिस बल ने नागझिरी गांव में पैदल मार्च (फ्लैग मार्च) भी निकाला। पुलिस फिलहाल इस पूरे मामले की गहनता और निष्पक्षता के साथ जांच कर रही है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो युवकों की मौत, आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

महानगर मेट्रो ब्यूर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के अंतर्गत आने वाले मझौली थाना क्षेत्र से एक बेहद दुखद और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्रतिमा ले जा रहा वाहन अचानक उच्च दाब (हाईटेंशन) बिजली लाइन की चपेट में आ गया। इस भीषण हादसे में करंट लगने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि



आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तुरंत उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस अप्रत्याशित दुर्घटना के बाद से स्थानीय निवासियों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, मझौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिविल लाइन पाठ में विराजित दुर्गा प्रतिमा को विसर्जन के लिए नीले तालाब ले जाया जा रहा था। विसर्जन स्थल से कुछ ही दूरी पहले, रास्ते में नीचे लटक रहे बिजली के तारों को बचाने के लिए समिति के सदस्यों ने एक विशेष व्यवस्था (डंडे या टी-नुमा उपकरण) के माध्यम से तारों को ऊपर उठाने का प्रयास किया। इसी गहमागहमी के दौरान वह विद्युत तार ऊपर गुजर रही मुख्य उच्च दाब (हाईटेंशन) लाइन से जा टकराया। तार के संपर्क में आते ही पूरे वाहन और उसमें मौजूद लोगों में जोरदार करंट दौड़ गया। इस भयानक हादसे में विकास राजपूत (आयु तेईस वर्ष) और प्रिंस चौहान (आयु उन्नीस वर्ष) की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस आकस्मिक दुर्घटना के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली पर सवार अन्य लोग भी करंट की चपेट में आ गए, जिससे आधा दर्जन से अधिक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के तुरंत बाद विसर्जन जुलूस में भगदड़ मच गई और चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुँचा और बिना देर किए सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं, दोनों मृत युवकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अस्पताल में उपचाराधीन कुछ घायलों की हालत को देखते हुए चिंता जताई जा रही है। इस हृदय विदारक घटना के बाद से पूरे मझौली क्षेत्र में मातम का माहौल छा गया है। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। उनका मुख्य आरोप था कि विद्युत विभाग की उदासीनता और देखरेख के अभाव के कारण अधिकांश बिजली के तार बहुत नीचे की ओर लटके हुए हैं, जिसकी वजह से ऐसे गंभीर हादसे लगातार घटित हो रहे हैं। ग्रामीणों की मांग थी कि बिजली विभाग के जिन कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस लापरवाही में अपनी भूमिका निभाई है, उनके खिलाफ तुरंत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। मौके पर पहुँचे पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को संभालते हुए उचित जाँच कर विधि सम्मत सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है ताकि शांति और व्यवस्था बनी रहे।

पांचवीं मंजिल की छत पर टहल रही सायरा खान को लगा झटका, अस्पताल में पता चला किसी ने मारी है गोली

भोपाल की पांचवीं मंजिल की छत पर टहल रही सायरा खान को लगा रहस्यमयी गोली का झटका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के टीला जमालपुरा इलाके से एक बेहद हैरान कर देने वाला और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां कच्ची मस्जिद रोड स्थित 'हैदर टावर' की पांचवीं मंजिल की छत पर टहल रही सायरा खान नामक महिला के पैर में गोली लगने की बात सामने आई है। शुरुआत में महिला को केवल पैर में कुछ चुभने या हल्की चोट लगने का अहसास हुआ था, लेकिन जब वह अस्पताल पहुंची और वहां डॉक्टरों ने जांच की, तब जाकर इस बात की पुष्टि हुई कि उनके पैर में गोली फंसी हुई है। इस घटना के बाद से स्थानीय पुलिस भी उलझन में पड़ गई है और मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सायरा खान हैदर टावर की पांचवीं मंजिल पर स्थित छत पर रोजाना की तरह टहल रही थीं। इसी दौरान अचानक उनके पैर में कुछ तेज चुभने का अहसास हुआ। उस वक्त महिला या उनके परिजनों को दूर-दूर तक इस बात का



कोई अंदाजा नहीं था कि यह कोई मामूली खरोंच या चोट नहीं, बल्कि किसी बंदूक से चली गोली का मामला है। बाद में जब दर्द बढ़ने पर उन्हें इलाज के लिए एक स्थानीय नर्सिंग होम ले जाया गया, तब एक्स-रे और मेडिकल जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उनके पैर के अंदर गोली धँसी हुई है। इस पूरी घटना में पुलिस के सामने सबसे बड़ा और पेचीदा सवाल यही है कि आखिर पांचवीं मंजिल की ऊंचाई पर टहल रही महिला के पैर तक गोली कहां से और कैसे पहुँची? क्या किसी ने उन्हें जानबूझकर या किसी रंजिश के तहत निशाना बनाया था? या फिर यह कोई आवारा गोली (यानी किसी अन्य स्थान पर हर्ष फायरिंग या लापरवाही से चलाई गई गोली) थी, जो हवा में सफर करती हुई छत पर टहल रही महिला को जा लगी? फिलहाल इन तमाम सवालों के जवाब पुलिस की गहन जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेंगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल प्रभाव से महिला के बयान दर्ज किए और उनके आधार पर अज्ञात के खिलाफ प्रथम दृष्ट्या प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। इसके तुरंत बाद, पुलिस और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की एक विशेष टीम ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। दल ने छत और आसपास के इलाकों से जरूरी वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित किए हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए संबंधित फ्लैट और घटनास्थल को सुरक्षित करने के लिए सील कर दिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार के साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ न हो सके। फॉरेंसिक जांच इस पूरे रहस्य को सुलझाने में सबसे अहम साबित हो सकती है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
23 अक्टूबर 2026

जामिया में इलेक्शन की मांग पर अड़े छात्र, प्रशासन ने बनाई 5 सदस्यीय कमेटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली स्थित जामिया मिलिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच विश्वविद्यालय प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। प्रशासन ने छात्र संघ का संविधान तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति को बीस दिसंबर तक संविधान का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार करके सौंपना होगा। हालांकि, अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल कर रहे छात्र प्रतिनिधियों ने प्रशासन के इस फैसले को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। छात्रों का स्पष्ट कहना है कि जब तक चुनाव की अधिसूचना और तिथियों की समय सारिणी जारी नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार, यह निर्णय इक्कीस अक्टूबर को कुलपति (वाइस चांसलर) प्रोफेसर मजहर आसिफ की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में लिया गया। गठित समिति वर्ष दो हजार छह में छात्र संघ भंग होने के कारणों, जामिया अधिनियम 1988 की धारा तेईस, चुनाव से जुड़े अदालती आदेशों, लिंगदोह समिति की सिफारिशों और विश्वविद्यालय के वर्तमान नियमों का गहन अध्ययन करेगी। उल्लेखनीय है कि जामिया में अंतिम बार वर्ष दो हजार छह में छात्र संघ को भंग किया गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, अठारह अक्टूबर को बनाई गई सात सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति ने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ औपचारिक बातचीत शुरू की थी। बीस अक्टूबर को सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता (डीन) कार्यालय में छात्र प्रतिनिधियों के साथ लगभग दो घंटे तक मैराथन बैठक हुई। उसी शाम छात्र कल्याण अधिष्ठाता के कार्यालय में चर्चा के प्रमुख बिंदुओं को अंतिम रूप देने के लिए एक और बैठक बुलाई गई। हालांकि, कई दौर की लंबी बातचीत के बावजूद छात्र प्रतिनिधियों ने बैठक के विवरण (मिनट्स) पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।



दिल्ली के जहांगीरपुरी में मामूली विवाद के बाद ई-रिक्शा ड्राइवर की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके से एक बेहद सनसनीखेज और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ मामूली सी बात पर हुए विवाद के बाद कुछ युवकों ने एक ई-रिक्शा चालक रंजीत की चाकू गोदकर हत्या कर दी। सीने में चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हुए चालक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हमले में उनका एक दोस्त भी घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक रंजीत अपने परिवार के साथ दिल्ली के जहांगीरपुरी स्थित ईई ब्लॉक में रहते थे और अपना तथा अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए ई-रिक्शा चलाते थे। बुधवार की सुबह वह अपने एक दोस्त के साथ इलाके में स्थित अस्पताल के पीछे वाली सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर उनकी वहां मौजूद दो अन्य युवकों से मामूली कहासुनी हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर एक युवक ने रंजीत के सीने में चाकू घोंप दिया। इस अचानक हुए जानलेवा हमले में बीच-बचाव करने आए रंजीत का दोस्त भी घायल हो गया। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार होने की फिराक में थे और डर के मारे रंजीत का दोस्त भी घटनास्थल से भाग गया। हालांकि, वहां से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने तुरंत मानवता दिखाते हुए गंभीर रूप से लहूलुहान हालत में रंजीत को नजदीकी बाबू जगजीवन राम अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल (एलएनजेपी) के लिए रेफर कर दिया गया। दुर्भाग्यवश, दोपहर के समय इलाज के दौरान उनकी सांसें थम गईं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में अभी तक हत्या के पीछे की कोई स्पष्ट वजह सामने नहीं आ पाई है। घटना के समय मौके पर मौजूद रहे रंजीत के दोस्त से भी पूछताछ करके पूरी घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर इतनी मामूली सी कहासुनी पर आरोपियों ने इतना खौफनाक कदम क्यों उठाया। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है और इलाके में तनावपूर्ण सन्नाटा पसरा हुआ है।



PM आवास के पास 100 साल पुरानी मस्जिद को खाली करने का नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के समीप स्थित रेस कोर्स की ऐतिहासिक मस्जिद को प्रशासन द्वारा छह दिन के भीतर परिसर खाली करने का नोटिस जारी किया गया है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अनुसार, इस कार्रवाई के तहत मस्जिद और उसके आसपास की कई अन्य संपत्तियों की पानी और बिजली की आपूर्ति भी पूरी तरह से काट दी गई है। प्रधानमंत्री आवास के अत्यंत समीप स्थित एक सौ साल से भी अधिक पुरानी ऐतिहासिक रेस कोर्स मस्जिद और उसके आसपास के रिहायशी इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान के तहत यह बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई अमल में लाई गई है। नगरपालिका परिषद द्वारा यह कदम बेदखली का नोटिस थमाने के साथ उठाया गया है। परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई भूमि एवं विकास कार्यालय के आदेशों और माननीय न्यायालय के निर्देशों के पालन में की जा रही है। मस्जिद प्रबंधन को लगभग उन्नीस अक्टूबर के आसपास छह दिनों के भीतर परिसर पूरी तरह खाली करने का कड़ा नोटिस दिया गया था। परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि अदालत के आदेश के अनुपालन में इस क्षेत्र में ध्वस्तीकरण (तोड़फोड़) अभियान चलाया जा रहा है। भूमि एवं विकास कार्यालय के निर्देशों के बाद ही मस्जिद समेत कई अन्य संपत्तियों के बिजली और पानी के कनेक्शन काटे गए हैं। जारी किए गए नोटिस में इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह पूरी भूमि केंद्र सरकार के भूमि एवं विकास विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है और इस पर किया गया निर्माण अनधिकृत अतिक्रमण के अंतर्गत आता है। हालांकि, स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व निर्मित यह ऐतिहासिक मस्जिद नगरपालिका परिषद की विरासत सूची में 'श्रेणी-दो' के स्मारक के रूप में दर्ज है, लेकिन सरकारी अभिलेखों में इस भूमि को पूरी तरह से सरकारी संपत्ति माना गया है। इस क्षेत्र में चल रहे इस व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान के कारण आसपास निवास करने वाले लगभग सात सौ परिवारों के प्रभावित और विस्थापित होने की पूरी संभावना है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सभी स्थानीय निवासियों को निर्धारित समय के भीतर जगह खाली करने के निर्देश दे दिए गए हैं और उन्हें कुछ ही दूरी पर अन्य वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं।



महाराष्ट्र के पालघर में बिजली के सामान की आड़ में छिपा रखा था उनचास लाख रुपये से अधिक का प्रतिबंधित पान मसाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक बेहद शातिर तरीके से चल रहे अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। यहाँ पालघर पुलिस ने महाराष्ट्र और गुजरात की सीमा के पास एक टेंपो की आड़ में ले जाए जा रहे लगभग उनचास लाख चौबीस हजार रुपये मूल्य का प्रतिबंधित पान मसाला और तंबाकू का जखीरा बरामद किया है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस अवैध खेप को पकड़ने से बचाने के लिए तस्करों ने इसे पूरी तरह से बिजली के सामान के पीछे बड़ी चतुराई से छिपा रखा था। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए वाहन को जब्त कर लिया है और टेंपो चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कठोर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों द्वारा बुधवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, पालघर पुलिस को एक गोपनीय सूचना मिली थी कि अवैध रूप से प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की एक बड़ी खेप को सीमावर्ती इलाके से होकर ले जाया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाया और सोमवार को महाराष्ट्र-गुजरात की सीमा के समीप नाकाबंदी कर संदिग्ध टेंपो को रुकवाया। शुरुआत में वाहन को देखकर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि उसमें कुछ अवैध हो सकता है, क्योंकि टेंपो के अगले हिस्से में भारी मात्रा में बिजली का सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सजे हुए थे। लेकिन पुलिसकर्मियों को मुखबिर की पुख्ता सूचना पर पूरा भरोसा था, इसलिए उन्होंने वाहन की बेहद बारीकी और गहराई से तलाशी लेने का निर्णय किया। पालघर के पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख ने इस सफल कार्रवाई के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जब पुलिस ने टेंपो के अगले हिस्से में लदे बिजली के सामान को हटाकर उसके पीछे के हिस्से की तलाशी ली, तो अधिकारियों की आँखें खुली की खुली रह गईं। बिजली के उपकरणों की आड़ में पीछे की तरफ केसरयुक्त प्रतिबंधित पान मसाला और विभिन्न प्रकार के खतरनाक तंबाकू उत्पाद बोरियों और कट्टों में भरकर छिपाए गए थे। ध्यातव्य है कि महाराष्ट्र राज्य में इन सभी तंबाकू और पान मसाला उत्पादों के परिवहन, भंडारण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा हुआ है। पुलिस द्वारा की गई विधिवत माप-तौल और गिनती के बाद बरामद किए गए कुल प्रतिबंधित माल की अनुमानित कीमत उनचास लाख चौबीस हजार आठ सौ रुपये आंकी गई है। पुलिस ने अवैध सामग्री के साथ-साथ उस टेंपो को भी अपने कब्जे में ले लिया है, जिसका उपयोग इस तस्करी के लिए किया जा रहा था। मौके से गिरफ्तार किए गए टेंपो चालक की पहचान तीस वर्षीय रिंकू नरेश यादव के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम (फूड सेफ्टी एक्ट) की सुसंगत और गंभीर धाराओं के अंतर्गत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। पुलिस अब इस बात की गहनता से छानबीन कर रही है कि यह प्रतिबंधित माल कहाँ से लोड किया गया था और इसे महाराष्ट्र के किस शहर में पहुँचाया जाना था। इस अवैध सिंडिकेट के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, पुलिस उनके नेटवर्क को खंगालने में जुटी हुई है ताकि इस तस्करी के मुख्य सरगनाओं तक भी पहुँचा जा सके।



दशहरा ग्राउंड में बड़ा हादसा; मिक्सर झूले से गिरकर युवती की मौत, परिजनों का आरोप- 'ओवरलोडिंग' ने ली गुड़िया की जान

मामूली कहासुनी के बाद दो युवकों ने चाकू से हमला कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विकासपुरी। राजधानी दिल्ली के विकासपुरी स्थित दशहरा मैदान में लगे मेले के दौरान एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ एक बड़े झूले का मुख्य दरवाजा अचानक टूट जाने के कारण पच्चीस से तीस फीट की ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई सत्ताईस वर्षीय युवती गुड़िया की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस हादसे में घायल एक अन्य युवक रवि की हालत भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है, जिन्हें सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण याददाश्त से जुड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने झूला संचालक और मेला आयोजकों पर सुरक्षा मानकों में भारी लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार की शाम को घटना से दुखी और आक्रोशित परिजनों ने दशहरा मैदान पहुँचकर मेला आयोजकों और प्रशासन के खिलाफ जमकर विरोध जताया। मौके की नजाकत को देखते हुए पुलिस बल ने तुरंत पहुंचकर स्थिति को संभाला और परिजनों को समझा-बुझाकर थाने ले गई। सुरक्षा के लिहाज से दशहरा मैदान के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। गुड़िया की अकाल मौत के बाद उनके परिजनों ने झूला संचालक के साथ-साथ मेले की पूरी प्रबंध समिति पर भी कठोर कानूनी कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की है। परिजनों का यह भी आरोप है कि पुलिस दोषियों के खिलाफ ढिलाई बरत रही है और सख्त कदम नहीं उठा रही है। हादसे के समय झूले के भीतर ही मौजूद मृतक गुड़िया की बहन ने आपबीती बताते हुए दावा किया कि उस बड़े झूले में क्षमता से कहीं अधिक यानी एक सौ पच्चीस से भी ज्यादा लोगों को जबरन भर दिया गया था। अत्यधिक भीड़ होने के कारण गुड़िया और रवि को झूले के मुख्य दरवाजे के बिल्कुल पास खड़े होने की जगह मिली थी। झूला जब बहुत तेज गति से घूम रहा था, तभी अचानक दबाव के कारण दरवाजे का ताला टूट गया और गुड़िया तथा रवि झटके के साथ बाहर नीचे आ गिरे। दोनों को लहूलुहान और अत्यंत गंभीर हालत में पहले जनकपुरी स्थित एक स्थानीय निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ से उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें तुरंत राम मनोहर लोहिया अस्पताल (आरएमएल) के लिए स्थानांतरित कर दिया गया। परिजनों का स्पष्ट आरोप है कि झूला निर्धारित गति से बहुत तेज चलाया जा रहा था और सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। पीड़ित परिवार ने मेला समिति और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि जब मेले के संचालन की अनुमति केवल रात ग्यारह बजे तक ही दी गई थी, तो नियमों को दरकिनार करके उसके बाद भी देर रात तक झूला कैसे चलता रहा? वहीं दूसरी ओर, मेला समिति के अध्यक्ष सुनील जिंदल ने अपने बचाव में दावा किया है कि प्रशासनिक अनुमति मिलने के बाद ही पुलिस के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मेले का आयोजन किया जा रहा था।



मालेगांव में दुर्गा विसर्जन के दौरान बवाल, जुलूस पर पथराव के बाद तड़के 4 बजे हुआ विसर्जन

महाराष्ट्र के मालेगांव में दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान भड़काऊ पथराव से मचा बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाशिम। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के अंतर्गत आने वाले मालेगांव शहर से एक बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण घटना सामने आई है। यहाँ पावन पर्व दुर्गा विसर्जन के पावन अवसर पर निकाले जा रहे एक भव्य जुलूस के दौरान अचानक पथराव की घटना घटित हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जब जुलूस एक विशेष चौराहे से गुजर रहा था, तब एक घर पर कथित तौर पर रंग या गुलाल गिरने को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और उपद्रवियों ने जुलूस पर पथराव शुरू कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस से प्राप्त आधिकारिक विवरण के अनुसार, यह पूरी घटना बुधवार की रात लगभग दस बजे मालेगांव के व्यस्त टीपू सुल्तान चौक के समीप हुई। विसर्जन का यह जुलूस तयशुदा मार्ग से होते हुए टीपू सुल्तान चौक की ओर बढ़ रहा था। उस समय तक शांतिपूर्ण तरीके से तीन अलग-अलग मंडलों की प्रतिमाएं वहाँ से गुजर चुकी थीं। जब चौथा मंडल यानी 'जनता नवदुर्गा उत्सव' का जुलूस उस चौराहे से गुजर रहा था और श्रद्धालु उत्सव मना रहे थे, तभी जश्न के दौरान उड़ाया गया गुलाल या रंग पास ही स्थित दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति के मकान पर जा गिरा। इसी छोटी सी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही पलों में हिंसक झड़प में बदल गई। उपद्रवियों द्वारा किए गए अचानक पथराव के कारण वहाँ खड़े तीन से चार दोपहिया वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की कोई आधिकारिक सूचना नहीं है। पथराव की इस घटना के तुरंत बाद जुलूस में शामिल आयोजकों और श्रद्धालुओं में रोष फैल गया। उन्होंने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी होने तक प्रतिमाओं का विसर्जन करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। अपनी इसी मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग मालेगांव पुलिस थाने के बाहर एकत्रित हो गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि जुलूस पर पथराव करने वाले उपद्रवियों की पहचान करके उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और गंभीर स्थिति को भांपते हुए पुलिस प्रशासन ने तुरंत हरकत में आते हुए अतिरिक्त पुलिस बल और दंगा नियंत्रण इकाइयों को मौके पर तैनात कर दिया। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस अधीक्षक निकेश खाटमोड़े ने मीडिया को जानकारी दी कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।



गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर भड़के महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर भी कसा तंज

लॉरेंस बिश्नोई पर भड़के राज ठाकरे, RSS पर भी कसा तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने हाल ही में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर एक बेहद कड़ा और तीखा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकालकर उनकी जमकर पिटाई करनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा व्यवस्था और गृह मंत्रालय पर भी गंभीर सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने आगामी चुनावों में आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बजाय पारंपरिक मतपत्र (बैलेट पेपर) का उपयोग करके चुनाव कराने की पुरजोर मांग की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, देश की स्वतंत्र संस्थाओं और मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी खुलकर अपने विचार रखे। गिर्फ्तार और जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के बारे में बात करते हुए राज ठाकरे ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'उसे जेल से बाहर निकालकर पीटना चाहिए।' उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और गृह मंत्री को घेरते हुए सवाल किया कि यदि सरकार को ऐसे असामाजिक तत्वों का कोई डर नहीं है, तो क्या वह इन्हें पाल-पोस रही है? राज ठाकरे ने देश और राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकार की तरफ से अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने के तमाम दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था में भारी कमियां साफ दिखाई देती हैं। मुंबई और महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था के संदर्भ में उन्होंने कहा कि उन्हें यहाँ की पुलिस की कार्यक्षमता पर पूरा भरोसा है। उनके अनुसार, पुलिस किसी भी इलाके में अपराध को पूरी तरह से शून्य तक ला सकती है, बशर्ते पुलिस के कामकाज में से राजनीतिक हस्तक्षेप पूरी तरह से बंद कर दिया जाए। संजय राउत के सत्ता परिवर्तन वाले बयान का जिक्र करते हुए राज ठाकरे ने बताया कि उनकी इस सिलसिले में बातचीत हुई है। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि आगामी दो से पांच महीनों के भीतर देश की राजनीति में कुछ बहुत बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि यदि देश की सरकार लगातार गलतियां करती रही, तो आने वाले कुछ वर्षों में आम जनता का गुस्सा फूट पड़ेगा और लोग सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने एक बड़ी आशंका जताते हुए यहाँ तक कहा कि भविष्य में ऐसी परिस्थिति भी बन सकती है जब देश में कुछ समय के लिए प्रधानमंत्री का पद ही रिक्त जैसी स्थिति में नजर आए। परीक्षा प्रणाली को लेकर हुए हालिया आंदोलनों का जिक्र करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि छात्र केवल परीक्षा और प्रवेश के मुद्दों को लेकर ही सड़कों पर नहीं उतरे थे। उनके मुताबिक, यह विरोध प्रदर्शन आम लोगों के मन में वर्षों से दबे और जमे हुए आक्रोश का स्पष्ट इजहार था। उन्होंने देश में सूखे और कृषि संकट का जिक्र करते हुए आशंका जताई कि भविष्य में खाद्यान्न की भयंकर कमी हो सकती है, जिससे सरकार के सामने गंभीर चुनौतियाँ खड़ी हो जाएंगी।



लातूर प्रशासन ने 256 कुओं को लिया कंट्रोल में, 173 गांवों में पानी का संकट दूर करने का प्लान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले से सूखे और पानी की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर सामने आई है। लातूर जिला प्रशासन ने ग्रामीण इलाकों में भीषण जल संकट से निपटने के लिए एक बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। प्रशासन ने पानी की कमी से प्रभावित एक सौ तिहत्तर गांवों और बस्तियों में कुल दो सौ छप्पन निजी कुओं और बोरवेल (नलकूपों) का आधिकारिक रूप से अधिग्रहण कर लिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को गर्मियों या जल संकट के दिनों में पीने के पानी की आपूर्ति में किसी भी प्रकार की रुकावट का सामना न करना पड़े। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पानी की भयंकर किल्लत और उसकी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने कुल दस तहसीलों के अंतर्गत आने वाले निजी जल स्रोतों को अपने नियंत्रण में लिया है। इन अधिग्रहित किए गए स्रोतों में सबसे अधिक संख्या औसा तहसील की है, जहाँ इक्यावन कुओं को अपने कब्जे में लिया गया है। इसके साथ ही, अहमदपुर तहसील में इकतालीस और निलंगा तहसील में पैंतालीस कुओं का अधिग्रहण किया गया है, जबकि शेष अन्य तहसीलों से भी जल स्रोतों को इसमें शामिल किया गया है। प्रशासन द्वारा उठाए गए इस कदम का प्रमुख मकसद ग्रामीण बस्तियों और दूर-दराज के गांवों में आवश्यकता पड़ने पर इन निजी जल स्रोतों का उपयोग करके नागरिकों को सुगम तरीके से पेयजल उपलब्ध कराना है। इन अधिग्रहित किए गए कुओं और नलकूपों का उपयोग पूरी तरह से चिन्हित किए गए क्षेत्रों में रहने वाले आम जनता तक पानी की नियमित आपूर्ति पहुँचाने के लिए किया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि यह विशेष पहल ग्रामीण लातूर में पीने के पानी की कमी को समय रहते रोकने और जल प्राप्ति के लिए भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे गांवों के निवासियों को त्वरित राहत पहुँचाने के प्रयासों का एक अहम हिस्सा है। प्रशासन की इस सक्रियता से स्थानीय ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलने की पूरी उम्मीद है।



पटाखों और तेज आवाज पर आदेश लागू करने में देरी, अफसरों को चेतावनी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई में त्योहारों के सीजन के दौरान छोड़े जाने वाले तेज आवाज वाले पटाखों और कानफोड़ू संगीत प्रणालियों (म्यूजिक सिस्टम) की वजह से फैलने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने अत्यंत कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने अपने पूर्व के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद नगर निगम और पुलिस प्रशासन द्वारा इस पर अमल करने में बरती जा रही सुस्ती और ढिलाई पर गहरी नाराजगी जताई है। अदालत ने दो टूक शब्दों में कहा है कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद प्रशासनिक मशीनरी की कार्यशैली इतनी धीमी है कि अदालत के बुनियादी आदेशों का भी जमीन पर पालन नहीं हो पा रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट की पीठ ने सुनवाई के दौरान इस बात पर हैरानी जताई कि इस साल बाईस सितंबर और पंद्रह अक्टूबर को विस्तृत आदेश जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने आम जनता को जागरूक करने के लिए शुरुआती और जरूरी कदम भी नहीं उठाए। न्यायमूर्ति जीएस कुलकर्णी और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की खंडपीठ ने प्रशासन के लचर रवैये पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि सरकारी अधिकारियों को न्यायालय के आदेशों का पालन करने के प्रति पूरी गंभीरता दिखानी चाहिए। अदालत के अनुसार, बृहन्मुंबई महानगरपालिका और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अभी तक ऐसे कोई भी व्यापक जागरूकता नोटिस जारी नहीं किए हैं, जिनसे आम नागरिकों को पटाखों पर लगाए गए प्रतिबंधों और उनके दुष्परिणामों की जानकारी मिल सके। इन नोटिसों के माध्यम से लोगों को यह बताना अनिवार्य था कि पटाखों के जहरीले धुएं, घातक रसायनों और अत्यधिक तेज आवाज से पर्यावरण के साथ-साथ आम जनता की सेहत पर कितना बुरा असर पड़ता है। हाईकोर्ट ने केवल नगर निगम ही नहीं, बल्कि पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली की भी कड़ी आलोचना की। अदालत ने कहा कि आज भी व्यस्त सार्वजनिक सड़कों और चौराहों पर धड़ल्ले से पटाखे छोड़े जा रहे हैं तथा धार्मिक या सामाजिक जुलूसों में लाउडस्पीकर और संगीत प्रणालियों का उपयोग बिना किसी आवश्यक अनुमति के धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसके अलावा, ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए निर्धारित डेसिबल (ध्वनि मापक इकाई) की तय सीमा का पालन कराने से जुड़े आवश्यक आश्वासन भी संबंधित आयोजकों से नहीं लिए जा रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालत के आदेशों का बार-बार खुला उल्लंघन होता हुआ दिखाई दे रहा है, इसलिए अब पुलिस और अन्य संबंधित विभागों की यह मुख्य जिम्मेदारी है।

जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलाव पर मंत्रालय मांगेगा कारोबारियों से राय

फॉर्म 1 अप्रैल, 2027 से प्रभावी; ऑडिट प्रक्रिया भी होगी सरल

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलावों पर 1 नवंबर से कारोबारियों से राय मांगेगा। इसका उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, विसंगतियों को कम करना और अनुपालन बोझ को आसान बनाना है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक अ धिकारी ने बताया कि जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी मिली थी। इन बदलावों का लक्ष्य जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में दी गई जानकारी का जीएसटीआर-3बी से बेहतर मिलान कर नोटिस जारी करने की जरूरत घटाना है। संशोधित फॉर्म एमवाईजीओवी मंच पर 1 से 30 नवंबर तक सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन्हें 1 अप्रैल, 2027 से लागू करने की योजना है। विभाग जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित करेगा, ताकि करदाताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। फिलहाल, बहु-राज्यीय कारोबारों को अक्सर कई ऑडिट का सामना करना पड़ता है, जिसे कम करने पर भी विचार किया जा रहा है।

वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का मंत्र शक्ति, समृद्धि और विवेक- आरबीआई

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने वित्तीय संस्थानों की वृद्धि का आकलन करने के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। उन्होंने जोर दिया कि संस्थानों का विकास केवल उनके आकार से नहीं, बल्कि मजबूत नियंत्रण व्यवस्था, कामकाज में निष्पक्षता और बही-खातों की गुणवत्ता के आधार पर किया जाना चाहिए। स्वामीनाथन ने बताया कि वित्तीय संस्थानों की मजबूती ही उनकी वृद्धि की नींव होती है। उन्होंने नवरात्रि के उदाहरण से समझाया कि पहले शक्ति (दुर्गा), फिर समृद्धि (लक्ष्मी) और अंततः उसे बनाए रखने के लिए बुद्धिमत्ता एवं विवेक (सरस्वती) की आवश्यकता होती है। इसी क्रम में, दिवाली पर शुभ लाभ लिखने की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें केवल लाभ (कमाई) ही नहीं, बल्कि उसकी शुभ (गुणवत्ता और वैधता) भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सही निर्णय और बेहतर संचालन व्यवस्था ही वृद्धि को टिकाऊ बनाते हैं।

फ्यूजन सीएक्स का शेयर एनएसई पर 5.5 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

कंपनी का बाजार पूंजीकरण 4,300 करोड़ रुपये के पार



नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ग्राहक अनुभव समाधान देने वाली कंपनी फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 289 रुपये से अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह दिखा। फ्यूजन सीएक्स का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 5.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 305 रुपये पर खुला। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर यह 1.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 292 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। सूचीबद्ध होने के बाद, कंपनी का बाजार पूंजीकरण एनएसई पर 4,310 करोड़ रुपये और बीएसई पर 4,340 करोड़ रुपये से अधिक रहा। फ्यूजन सीएक्स के 702 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली लगाने के अंतिम दिन 4.45 गुना अभिदान मिला था। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 275 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी, जबकि 61 करोड़ रुपये अनुषंगी कंपनियों में निवेश किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए होगा। कंपनी दूरसंचार, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करती है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 460, निफ्टी 123 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार पर दबाव आया। बाजार में चौतरफा कमजोरी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक कमजोर संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा।इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 460.30 अंक टूटकर 73,249.39 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 123.70 अंक नीचे आकर 22,687.65 पर बंद हुआ1

आज सबसे ज्यादा नुकसान छोटे शेयरों वाले सेक्टर पर पड़ा। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। गत दिवस जहां बाजार पूंजीकर 4,62,37,678.67 करोड़ था। जो आज घटकर ₹4,58,35,517.82 करोड़ रह गया। जिससे निवेशकों को एक ही दिन के अंदर ₹4,02,160.85 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

आज एफएमसीजी से लेकर आईटी और ऑटो सेक्टर में भी गिरावट रही। केवल पीएसयू बैंक और फार्मा सेक्टर के शेयर ही टिक पाये। चौतरफा बिकवाली के इस दौरा में कुछ ही शेयरों में तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स पर कुल 30



शेयर लिस्टेड हैं, जिनमें से आज 19 शेयर गिरे पर केवल 11 शेयरों में बढ़त रही। सबसे अधिक तेजी आज बजाज फाइनेंस में देखने को मिली। , जो 939.95 रुपये पर बंद हुआ. इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट भी बढ़त के साथ 10,975.00 रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 1,394.80 रुपये पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरु हुआ। सुबह बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ खुले और दिन भर बिकवाली का दबाव जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 73,100 और निफ्टी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तरों से नीचे फिसल गए।

सोने में 1800 और चांदी में 5500 से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली ।

देश के सर्राफा बाजारों और कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) दोनों पर गुरुवार को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे खरीदारी का बेहतरीन अवसर बन गया है। कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोना 1829 रुपए टूटकर 1,44,250 रुपए पर आ गया।

वहीं, चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट देखने को मिली, जो 5504 रुपए फिसलकर 2,03,664 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,300 की गिरावट के साथ 1,49,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (करों सहित) पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 1,50,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह लगातार दो सत्रों तक स्थिरता के बाद चांदी में भी बड़ी टूट दर्ज की गई। चांदी 1,600 सस्ती होकर 2,13,400 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जबकि सोमवार को इसका भाव 2,15,000 रुपए प्रति किलोग्राम था। कीमती धातुओं की कीमतों में इस बड़ी गिरावट का मुख्य कारण मजबूत होता भारतीय रुपया, वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बताई जा रही हैं। यह स्थिति निवेशकों को सतर्कता के साथ खरीदारी का मौका दे रही है।

आरबीआई- रीपो रेट में कटौती नहीं, महंगाई बढ़ने पर बढ़ सकती हैं दरें

समिति सदस्यों ने महंगाई पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट कर दिया है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती की कोई संभावना नहीं है। इसके बजाय, यदि महंगाई का दबाव बढ़ता है, तो ब्याज दरें और भी बढ़ाई जा सकती हैं। हाल ही में जारी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अक्टूबर 2026 की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी सामने आई है, जिसमें समिति के सदस्यों ने बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। एमपीसी सदस्यों ने विशेष रूप से चिंता व्यक्त की है कि महंगाई अब केवल खाने-पीने की चीजों और ईंधन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसका प्रभाव अन्य वस्तुओं और सेवाओं तक भी फैल रहा है। आरबीआई का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) के बीच खुदरा महंगाई बढ़कर 6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक की ऊपरी सहनशीलता सीमा है। देश में खुदरा महंगाई जुलाई के 4.5 फीसदी से बढ़कर अगस्त में 4.8 फीसदी हो गई थी, और कोर महंगाई भी 4.2 फीसदी तक पहुंच गई है। समिति ने इस बात पर भी गौर किया कि थोक स्तर पर उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली चीजों की कीमतें लगभग 9 फीसदी बढ़ रही हैं, जिससे कंपनियां लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। अक्टूबर की बैठक में, एमपीसी के सभी छह सदस्यों ने रीपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी करने के पक्ष में मतदान किया था। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति का रुख बदलने का उद्देश्य यह साफ संदेश देना है कि निकट भविष्य में रीपो रेट में कटौती नहीं होगी।

म्युचुअल फंड एनएफओ में सितंबर में बड़ी गिरावट

सितंबर में 67 फीसदी कम जुटाया, एसआईपी ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड की नई स्कीमों (एनएफओ) में निवेश सितंबर महीने में नाटकीय रूप से गिरा है। अगस्त के मुकाबले लगभग 67 फीसदी की भारी कमी के साथ, नई स्कीमों ने केवल 2,372 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 7,110 करोड़ रुपये था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने रिकॉर्ड ऊंचाई छू ली है और इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल शुद्ध प्रवाह भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों की बदलती प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 22 नई ओपन-एंडेड स्कीमों ने 2,372 करोड़ रुपए जुटाए, जो अगस्त में 26 स्कीमों द्वारा जुटाए गए 7,110 करोड़ रुपए से काफी कम है। यह स्थिति तब हैरान करती है जब सितंबर में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में शुद्ध प्रवाह लगभग 31 फीसदी बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए रहा और एसआईपी के माध्यम से रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए का निवेश आया। श्रेणीवार देखें तो, इक्विटी, हाइब्रिड और डेट तीनों ही एनएफओ कैटेगरी के कलेक्शन में भारी गिरावट दर्ज की



गई। इक्विटी एनएफओ का कलेक्शन 3,051 करोड़ रुपए से घटकर 998 करोड़ रुपए रह गया, जबकि हाइब्रिड और डेट एनएफओ में भी समान रुझान दिखा।

हालांकि, इंडेक्स फंड्स में एनएफओ की संख्या और कलेक्शन दोनों में बढ़ोतरी देखी गई। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेशक अब पुराने और स्थापित फंड्स को तरजीह दे रहे हैं, जिनका पिछला प्रदर्शन उन्हें बेहतर मूल्यांकन का आधार देता है। निवेशकों को एनएफओ में निवेश से पहले उसकी रणनीति, जोखिम और लागत को समझने की सलाह दी जाती है।

ई-मुद्रा के शेयर 20 फीसदी धड़ाम, 52 सप्ताह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

डिजिटल प्रमाणपत्र जारी करने वाली कंपनी ईमुद्रा के शेयर गुरुवार को लगभग 20 प्रतिशत टूटकर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर आ गए। सरकार द्वारा कंपनी में हुई एक गंभीर सुरक्षा घटना की जांच के लिए विशेष दल गठित करने की घोषणा के बाद कंपनी के शेयर में यह भारी गिरावट दर्ज की गई। एनएसई पर कंपनी का शेयर 346 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईमुद्रा में निजी सुरक्षा कुंजियों (प्राइवेट की) के प्रभावित होने की घटना की गहन जांच के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। यह मामला तब सामने आया जब भारतीय डिजिटल प्रमाणन प्राधिकरण ईमुद्रा ने खुलासा किया कि उसके डिजिटल प्रमाणपत्रों से जुड़ी कुछ निजी कुंजियों की सुरक्षा में सेंध लगी है। इसके बाद, साइबर सुरक्षा एजेंसी भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने भी इस संबंध में एक परामर्श



जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह घटना मुख्य रूप से ईमुद्रा के वैश्विक डिजिटल प्रमाणपत्र कारोबार से संबंधित है और भारतीय वेबसाइटों तथा ऐप्स पर इसका असर बहुत सीमित रहा है। मंत्रालय ने कुछ सोशल मीडिया खातों पर इस घटना के बारे में अनावश्यक डर फैलाने का आरोप भी लगाया।

वाहनों को कबाड़ में बदलने फोर्स मोटर्स ने रोस्मर्टा से साझेदारी की

मुंबई ।



पुणे स्थित फोर्स मोटर्स ने पुराने वाहनों को कबाड़ में बदलने के लिए रोस्मर्टा ऑटो रीसाइक्लिंग के साथ साझेदारी की है। गुरुवार को बयान में यह जानकारी दी गई। रोस्मर्टा ने कहा कि इस साझेदारी से फोर्स मोटर्स के ग्राहकों को उसकी सुविधा का लाभ मिलेगा और समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों को हटाने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया उपलब्ध होगी।

इस साझेदारी के तहत पात्र वाहनों के लिए जरूरी दस्तावेजी कार्रवाई और कबाड़ बनाने की प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। बयान के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संचालित अधिकृत पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा (आरवीएसएफ) रोस्मर्टा प्रदूषण नियंत्रण, वाहन खोलने और सामग्री पुनः प्राप्त करने की प्रक्रियाओं के जरिये समय सीमा पूरी कर चुके वाहनों के पुनर्चक्रण के लिए पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप समाधान उपलब्ध कराती है।

पोस्ट ऑ फिस एफडी स्कीम-3 साल के लिए 5 लाख जमा करने पर मिलेंगे 6.18 लाख

छोटी बचत की सरकारी योजना में अलग-अलग अवधि पर 7.50 फीसदी तक ब्याज

नई दिल्ली । शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर, सुरक्षित और तय रिटर्न की तलाश करने वालों के लिए पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी) एक आकर्षक विकल्प है। भारत सरकार द्वारा समर्थित यह योजना बैंक एफडी की तरह ही काम करती है, जहाँ आपका निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको निश्चित ब्याज मिलता है। यह सरकारी स्कीम भारत की छोटी बचत योजनाओं का हिस्सा है, जिसमें जमा आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है। आप इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू कर सकते हैं और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। इसमें जमा पूंजी पर बाजार के जोखिमों का कोई असर नहीं होता, क्योंकि ब्याज दर पहले से तय होती है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में अलग-अलग अवधियों के लिए ब्याज दरें अलग होती हैं। वर्तमान में एक साल के लिए 6.90 फीसदी, दो साल के लिए 7.00 फीसदी, तीन साल के लिए 7.10 फीसदी और 5 साल की अवधि पर सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है। निवेश से पहले संबंधित पोस्ट ऑफिस में ताजा दरों की पुष्टि अवश्य करें। उदाहरण के लिए, अगर आप तीन साल के लिए 5 लाख रुपए निवेश करते हैं, तो 7.10 फीसदी की दर से आपको मैच्योरिटी पर कुल 6,18,304 रुपए मिलेंगे, जिसमें 1,18,304 रुपए केवल ब्याज शामिल होगा। टैक्स छूट की बात करें, तो केवल 5 साल की पीओटीडी पर ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ मिलता है। 3 साल की एफडी पर यह छूट लागू नहीं होती है। टैक्स नियम आपकी चुनी हुई कर व्यवस्था पर भी निर्भर करते हैं।

भारत-ब्रिटेन समझौते से भारतीय खाद्य निर्यात को मिलेगी नई उड़ान

प्रसंस्कृत खाद्य, झींगा व इंस्टेंट कॉफी पर शुल्क खत्म



नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में लागू हुए व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों, झींगा और इंस्टेंट कॉफी के लिए ब्रिटिश बाजार के द्वार खुल गए हैं। उद्योग निकाय टीपीसीआई के अनुसार, इन उत्पादों पर से शुल्क हटने से भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा अवसर मिलेगा। टीपीसीआई के एक अ धिकारी ने बताया कि ब्रिटेन सालाना 50.68 अरब डॉलर के प्रसंस्कृत खाद्य आयात का बड़ा बाजार है, जिसमें भारत की हिस्सेदारी महज 0.6 फीसदी है। नए समझौते के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर 70 फीसदी तक, झींगा पर 4.2 से 8.5 फीसदी तक और इंस्टेंट कॉफी पर लगने वाले शुल्क समाप्त हो गए हैं। इससे भारतीय उत्पादों को तत्काल प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए, टीपीसीआई ने ब्रिटेन-भारत व्यापार परिषद (यूकेआईबीसी) के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के दौरे, बाजार संबंधी जानकारी साझा करने और दोनों देशों के लघु व मझोले उद्यमों (एसएमई) के लिए वृद्धि के अवसर सृजित करने पर केंद्रित है। हाल ही में लंदन में एक व्यापार संवर्धन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय निर्यातकों और ब्रिटिश आयातकों ने हिस्सा लिया।

महंगी विदेश यात्रा से बढ़ा घरेलू पर्यटन

राज्य पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे

नई दिल्ली ।

त्योहारों के इस मौसम में महंगी विदेश यात्रा और देश में घूमने की बढ़ती दिलचस्पी के कारण घरेलू पर्यटन में उछाल आया है। कई राज्य इस मौके को भुनाने के लिए विशेष पैकेज, प्रचार अभियान और नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे हैं।

केरल बेहतर अनुभव देने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज पेश कर रहा है, उत्तर प्रदेश ने 'विजिट माई स्टेट' अभियान शुरू किया है, और राजस्थान सरकार एडवेंचर टूरिज्म, डेजर्ट सफारी तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। भारत में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है; वर्ष 2025 में इसके 4.28 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 अरब से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। 2011 से 2024 के बीच घरेलू यात्राओं में सालाना औसतन 9.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। विदेश यात्राओं की लागत में 20-30 फीसदी की बढ़ोतरी, वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विमानन कंपनियों द्वारा उड़ानों में कटौती जैसे कारणों से हवाई यात्रा महंगी हो गई है, जिससे लोगों का ध्यान देश के भीतर यात्रा विकल्पों की ओर अधिक हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देखो अपना देश की अपील भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा अब पर्यटक पारंपरिक स्थलों के बजाय नए और अलग तरह के अनुभवों की तलाश कर रहे हैं, जैसे धार्मिक व आध्यात्मिक यात्राएं, वन्यजीव सैर, रोमांचक पर्यटन, वेलनेस सेंटर और ग्रामीण जीवन के अनुभव।

उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव और यात्रा सुविधाओं में सुधार ने भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिया है। केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद योजना जैसी पहल भी राज्यों के इन प्रयासों को मजबूत कर रही हैं, जिससे कम चर्चित पर्यटन स्थल भी लोगों की पहुंच में आ रहे हैं।

बीएल एग्रो तंजानिया में 7,000 करोड़ निवेश करेगी

खाद्य तेल, डेयरी और कृषि समेत कई क्षेत्रों में अगले 10 साल में होगा निवेश

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य तेल और कृषि क्षेत्र की प्रमुख कंपनी बीएल एग्रो ने वैश्विक बाजार में प्रवेश करते हुए तंजानिया में बड़े निवेश की घोषणा की है। कंपनी अगले दस सालों में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो खाद्य तेल, डेयरी, कृषि और विनिर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होगा। यह विस्तार 2030 तक 30,000 करोड़ रुपये का समूह बनने की कंपनी की महत्वाकांक्षा का हिस्सा है। बीएल एग्रो ने तंजानिया को उसकी विशाल भूमि, अनुकूल जलवायु, कई बंदरगाहों और सरकारी समर्थन (रियायती दरों पर 99 साल के लिए भूमि पट्टा) के कारण चुना। पहले चरण में कंपनी 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से 1,100 टन प्रतिदिन क्षमता वाला सूरजमुखी तेल परिसर स्थापित करेगी, जो अप्रैल 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। बीएल एग्रो भारतीय गाय प्रजनन कार्यक्रमों के माध्यम से डेयरी क्षेत्र में दूध उत्पादन बढ़ाएगी और कृषि में फसल पैदावार में सुधार लाएगी, साथ ही स्थानीय कृषि उपकरण भी विकसित करेगी। तंजानिया की उच्चायुक्त ने इस पहल का स्वागत करते हुए रोजगार सृजन और



प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में इसके लाभों पर जोर दिया।



हम बचपन से ही दूध पीने लगते हैं लेकिन बड़े होने पर दूध का सेवन कम होता जाता है। कुछ लोग सोचते हैं कि इसके सेवन से उनके आहार में ज्यादा वसा हो जायेगा। कुछ लोग इसलिए दूध नहीं पीते क्योंकि वह सोचते हैं कि वह अब बड़े हो गये हैं इसलिए उन्हें अब इसकी जरूरत नहीं रही। दूध हमारे आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



हर उम्र में जरूरी है दूध

दूध प्रोटीन,खनिज और विटामिन का पौष्टिक एवं सस्ता स्त्रोत है। बावजूद इसके, दूध को दरकिनार करके सोडा,जूस और स्पोर्ट्स ड्रिंक्स जैसे अधिक मीठे पेय पदार्थों का सेवन किया जाता है। इससे मोटापा,मधुमेह,हृदय रोग और कैंसर जैसी आहार संबंधी बीमारियां होने का खतरा होता है। अधिक मीठे पेय पदार्थो के स्थान पर पोषक तत्वों से युक्त दूध को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। यहां हम आपको बता रहे हैं कि

हर उम्र में दूध क्यों जरूरी है?

बचपन

बचपन में शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक बच्चों को ज्यादा शक्कर युक्त पेय पदार्थ नहीं बल्कि दूध देना चाहिए। दूध में मौजूद प्रोटीन संतुलित अमीनो एसिड से बनता है जो जैविक रूप से उपलब्ध है। यह आसानी से पच जाता है और शरीर में इसका इस्तेमाल होता है। दूध के कैल्शियम से बच्चे की विकासशील हड्डियों,दांतों और मस्तिष्क के ऊतकों को बढ़ने में मदद मिलती है और यह कोशिकीय स्तर पर उन रासायनिक प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है जो मांसपेशियों एवं तंत्रिका तंत्र की कार्यक्षमता को संचालित करती है। अतिरिक्त पोषण तत्वों से युक्त दूध से विटामिन डी मिलता है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण विटामिन है जो हड्डियों की मजबूती के लिए शरीर को कैल्शियम,फास्फोरस को पचाने में मदद करता है,लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है,पाचन और तंत्रिका प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है और प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देता है। 11 साल की उम्र तक के बच्चों को रोजाना कम से कम दो बार दूध और डेयरी उत्पाद देने चाहिए।

किशोरावस्था

मजबूत हड्डियों के लिए जरूरी किशोरों को भी शुगर युक्त पेय पदार्थो के बजाय दूध देना चाहिए क्योंकि किशोर असाधारण शारीरिक परिवर्तन से गुजरते हैं। उन्हें हार्मोस संबंधी,मांसपेशियों एवं रक्त संचार के अधिकतम विकास के लिए ऊर्जा युक्त पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थो की आवश्यकता होती है। किशोरावस्था ही वह ऐसा समय होता है जब हड्डियां मजबूत होती हैं। ऐसे में दूध बहुत फायदेमंद हो सकता है ताकि जीवन में कभी भी आपकी हड्डियों में कमजोरी नहीं आए तथा ओस्टियोपोरोसिस की समस्या न हो। दूध के आर्श्चयजनक फायदों के मद्देनजर किशोरों को रोजाना तीन या अधिक बार कम वसा वाले दूध उत्पादों का सेवन करना चाहिए।

वयस्क अवस्था

इस अवस्था में भी शरीर को कैल्शियम की जरूरत होती है। विटामिन डी और फास्फोरस के बगैर सभी उम्र के वयस्कों के लिये हड्डियों के कमजोर होने का खतरा होता है,इसलिए दूध की आवश्यकता बनी रहती है। ब्रोकोली और पालक के रूप में अन्य कैल्शियम युक्त गैर डेयरी आहार का सेवन करना अच्छा विकल्प हो सकता है। लेकिन इनमें से कुछ में ऐसे यौगिक मौजूद होते हैं जिससे कैल्शियम के अवशोषण में बाधा पड़ सकती है। पालक में ऑक्सोलेट अधिक होते हैं जो कैल्शियम अवशोषण में बाधा डालते हैं जबकि ब्रोकोली आदि अन्य सब्जियों में मौजूद कैल्शियम दूध की तरह आसानी से नहीं पचता है।

कोहनी का इलाज महंगी पड़ेगी देरी



कोहनी के फ्रैक्चर को और खराब होने से बचाने के लिए तुरंत डॉक्टरी उपचार और सर्जरी आवश्यक है। युवा कामकाजी 25 वर्षीय प्रिया कुकरेजा ने इस उम्र में इस अप्रत्याशित स्वास्थ्य समस्या के बारे में कभी नहीं सोचा था, जब तक वह दुर्घटनावश बर्फ पर फिसल नहीं गईं और उनकी कोहनी टूट नहीं गयी। समय बर्बाद किए बगैर उसके माता-पिता तत्काल डॉक्टरी सहायता प्राप्त करने के लिए उसे अस्पताल ले गए। इससे उसकी कोहनी बच गयी। जब प्रिया की जांच की गई तो एक्स-रे में हड्डी के कई टुकड़ों के साथ जटिल फ्रैक्चर पाया गया। उनकी दाहिनी कोहनी में दर्द व सूजन था। इस कारण उसे हिलाना-डुलाना मुश्किल था। तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। उनकी कोहनी का एक जटिल ऑपरेशन किया गया और हड्डी के टुकड़ों को विशेष प्लेट और स्क्रू से फिक्स किया गया।

क्या है उपचार

कोहनी ऊपरी अंग के सबसे महत्वपूर्ण भागों में से एक है। इसके फ्रैक्चर का सही ढंग से इलाज नहीं कराने पर यह काफी परेशानी पैदा कर सकती है।

कैसे होती है यह समस्या

यह कोहनी के बल गिरने या कोहनी में चोट लगने से हो सकती है। यह समस्या मोच और हड्डी या जोड़ के उखड़ जाने से भी हो सकती है। इससे रोगी को और अधिक पीड़ा होने और उसकी स्थिति और खराब होने की आशंका होती है। इसलिए ऐसी किसी भी तरह की चोट के इलाज के लिए ऑथरेपेडिक विशेषज्ञ से परामर्श लेना बेहतर है।

कैसे होता है इलाज

एक्स -रे, सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन हड्डियों की पूरी तस्वीर और नुकसान की स्थिति को दिखा सकते हैं। यदि हड्डियों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा हो तो जल्द मूवमेंट पर बल दिया जाता है।

विशेषज्ञ के पास ही जाएं

हड्डियों को सही स्थिति में एकजुट करने के लिए किसी विशेषज्ञ के द्वारा सर्जरी कराना जरूरी है। जोड़ों की हड्डियों को सही तरह से फिट किया जाना जरूरी है। कोहनी के फ्रैक्चर कई तरह के होते हैं, इसलिए सर्जरी कराने से पहले विशेषज्ञ द्वारा सही पहचान किया जाना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चों के मामले में बढ़ रही हड्डियों की बदलती संरचना और फ्रैक्चर की नाजुक हालत के कारण उनकी कोहनी की जांच के अधिक मुश्किल होने के कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऑस्टियोपोरोसिस से ग्रस्त महिलाएं, बच्चे और बूढ़े लोगों की हड्डियां कमजोर होती हैं और उनके भंगुर होने की आशंका अधिक होती है। इसलिए ऐसे लोगों को तो समय रहते इस बात पर और अधिक ध्यान देना चाहिए।

नहीं झडेंगे बाल न ही होंगे सफेद



शहरी जीवनशैली के कारण लोगों में तनाव इतना अधिक रहता है कि उसका असर बालों तक पर देखने को मिलता है। किसी के बाल झड़ने लगते हैं तो किसी के सफेद होने लगते हैं। लेकिन योग कि कुछ क्रियाएं ऐसी समस्याओं से आपके बालों की रक्षा कर सकती हैं।

बालों का झड़ना तथा उनका असमय सफेद होना आज एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है। कम उम्र में ही, यहां तक कि बच्चों में भी यह समस्या देखने को मिल रही है। आज की तनावमय, यांत्रिक तथा अप्राकृतिक खान-पान वाली जीवनशैली ही इस समस्या के लिए उत्तरदायी है। यौगिक क्रियाओं के नियमित अभ्यास से इस समस्या का स्थायी समाधान सम्भव है।

आसन

आसनों के अभ्यास से बालों की गम्भीर से गम्भीर समस्या का निदान संभव हो जाता है। यह इस समस्या के मूल कारण-रक्त संचालन दोष, पाचन दोष तथा ग्रंथियों के श्राव के रुकावट को दूर करता है। इसके लिए महत्वपूर्ण आसन हैं-सर्वांगासन, हलासन, शीर्षासन, ताड़ासन, पादहस्तासन, भुजंगासन, धनुरासन आदि। आठ वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों को सूर्य नमस्कार का प्रतिदिन अभ्यास कराना चाहिए।

त्रिकोण शिरासन की अभ्यास विधि

दोनों पैरों को आपस में जोड़ कर खड़े हो जाएं। दो गहरी श्वास-प्रश्वास लें। इसके बाद दोनों पैरों को अगल-बगल तीन से चार फिट तक फैलाएं। अब अपने दोनों हाथों को पीठ के पीछे नमस्कार की मुद्रा में रखें। फिर धीरे-धीरे आगे की ओर इतना झुकें कि सिर का ऊपरी भाग जमीन पर आ जाए। इस स्थिति में श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए आरामदायक अवधि तक रुकें। फिर पूर्व स्थिति में आएं। उच्च रक्तचाप, हृदय रोग से पीडित लोग इसका अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करें।

विशेष

सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से इस समस्या का पूर्ण समाधान हो जाता है। अभ्यास योग्य मार्गदर्शन में करना चाहिए। इसके अभ्यास के बाद भुजंगासन, धनुरासन या मत्स्यासन अवश्य करें।

प्राणायाम

बालों की समस्या के समाधान में प्राणायाम बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके लिए महत्वपूर्ण प्राणायाम हैं नाड़ी शोधन तथा उज्जायी।

उज्जायी प्राणायाम की अभ्यास विधि

किसी भी आसन में बैठ जाएं। रीढ़, गले व सिर को सीधा करें। विशेष स्थितियों में कुर्सी पर बैठ जाएं। श्वास नली को थोड़ा संकुचित कर एक गहरी तथा धीमी श्वास नासिका द्वारा अन्दर लें तथा इसी नासिका द्वारा ही बाहर निकालें। इसी प्रकार इस क्रिया को 12 श्वास-प्रश्वास के साथ करें। धीरे-धीरे आवृत्तियों की संख्या बढ़ाते जाएं।

कैसा हो आहार- विटामिन-ए की अधिकता वाला भोजन अधिक लाभदायी होता है।

भोजन में बदलाव कर सकता है तनाव मुक्त

मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरूआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं।



सौरभ बार-बार कबर्ड का दरवाजा खोल रहा था मगर उसे याद नहीं आ रहा था कि उसे क्या काम था। कभी वह अपनी कार की चाबी रख कर भूल जाता, तो कभी कोई दूसरा सामान। जिसे याद करने में उसे काफी वक्त लगता। हम में से काफी लोगों के साथ अक्सर ऐसा कभी न कभी होता है। हालांकि यह ज्यादा चिंता की बात नहीं है। हाल ही में एक रिसर्च में यह बात सामने आई हैं कि मेमेरी लॉस के लक्षण की शुरूआत 20 साल की उम्र से ही हो जाती है। तनाव के साथ-साथ इस समस्या के कई कारण होते हैं। रिसर्च में यह बात भी सामने आई हैं कि कुछ चीजों को अपने रोजमर्रा के खाने में शामिल करने से इस समस्या से मदद मिल सकती है। सही पोषक तत्व दिमागी स्वास्थ्य को सही रखने में बेहतर मदद करते हैं। ऐसा भोजन जिसमें विटामिन ई, विटामिन बी-वन, बी-टू और विटामिन सी की भरपूर मात्रा मौजूद हो तो मस्तिष्क स्वस्थ रहता है।

विटामिन ई में मौजूद एंटी आक्सीडेंट मस्तिष्क में मौजूद न्यूरॉन्स या नर्व कोशिकाओं को सुरक्षा देता है। अलजाइमर जैसी बीमारियों में मस्तिष्क के कुछ भागों में न्यूरॉन्स खत्म होने लगते हैं। अगर यह लगातार खत्म होते जाते हैं, तो याददाश्त में विकृति आनी शुरू हो जाती है। आजकल की लाइफस्टाइल को देखते हुए हमें हेल्दी खाना खाने की ज्यादा जरूरत है। कुछ ऐसा खाना जिसमें विटामिन ई की मात्रा भी हो। जो मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में मदद करता है। ऐसा नहीं कि आप इसे खाने के साथ ही लें इसे कभी भी लिया जा सकता है। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि यह पका हुआ होना चाहिए। सूरजमुखी और तिल के बीज विटामिन ई के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। एक आउंस सूरजमुखी के भुने बीज आपकी हर रोज की 30 प्रतिशत कमी पूरी कर देते हैं। इसे सलाद के ऊपर छिड़क कर खाने से मस्तिष्क को पोषण मिलता है। तिल के बीज में भी विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है। इसे आप सब्जी व दाल में खाने से पहले मिला सकते हैं। दही में मिलाकर भी खाने से फायदा होता है। सीताफल के बीज भी बेहद फायदेमंद होते हैं क्योंकि यह जिंक से भरपूर होते हैं।

आम में विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीआक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है। इसके सेवन से दिल, मस्तिष्क और शरीर के दूसरे हिस्सों की मांसपेशियों में नर्व उत्तम को ताकत मिलती है। एवोकाडो फल में भी एंटीआक्सीडेंट, विटामिन ई और सी की उच्च मात्रा पाई जाती है। यह अलजाइमर जैसी बीमारी को बढ़ने से रोकने में कारगर होती है। मछली में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला प्रोटीन रेड मीट से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक होता है। दूसरे कई प्रोटीन स्रोतों में हाई सेचुरेटेड फैट होता है। मगर इस बात का भी ध्यान रखें कि मछली की सारी प्रजाति आपके लिए लाभदायक नहीं होती। सॉलमन, मैकेरेल और टूना मछली में दिल को स्वस्थ रखने वाला ओमेगा-3 फैटी एसिड मौजूद होता है। साथ ही इसमें मौजूद डीएचए मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सामान्य रखने के लिए जरूरी तत्व होता है। मूंगफली और पीनट बटर में हेल्दी फैट के साथ-साथ प्रचुर मात्रा में विटामिन ई होता है। इसमें मौजूद फैट और विटामिन ई दिल और दिमाग दोनों को स्वस्थ रखता है और ठीक से काम करने में मदद करता है। दूसरे नट्स में बादाम, अखरोट और हैजेलनट भी ब्रेक को सही रखने में मदद करते हैं। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि साबुत अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां और नट्स दिमाग और दिल दोनों के लिए लाभदायक हैं।

पालक और ब्रोकोली भी एंटीआक्सीडेंट से भरपूर हैं। जब आप इन्हें पका कर खाते हैं तो इसका फायदा दुगुना हो जाता है। एक कप कच्चा पालक जहां हर रोज की विटामिन ई की जरूरत का 15 प्रतिशत पूरा करता हैं, वहीं आधा कप पका पालक 25 प्रतिशत। आप इन्हें हल्का फाई कर या स्टीम कर खा सकते हैं। हरी सब्जियां दिमाग को दुरूस्त रखने में मदद करती हैं। रिसर्च में पता चलता है कि स्ट्राबेरी, ब्लूबेरी और यहां तक अकाईबेरीज याददाश्त को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। ब्लूबेरीज दिमाग के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है। हालांकि इसमें फाइबर उच्च मात्रा में होता है और ग्लाईसेमिक इंडेक्स कम होता है इसलिए यह डायबिटिज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित है। यह फल शक्तिशाली एंटीस्ट्रेस फूड है। मगर सूखे और मीठे ब्लूबेरीज को ना खाएं।

रणजी ट्रॉफी : हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई की बड़ी जीत, पंजाब भी जीता



नई दिल्ली। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच में हिमाचल प्रदेश को पारी और 97 रन से हराकर बोनस अंक के साथ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मुकाबले में कई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए, लेकिन मुंबई और पंजाब ने जीत दर्ज की। पहली पारी आठ विकेट पर 528 रन पर घोषित करने के बाद मुंबई ने पहली पारी में हिमाचल को 140 रन पर ढेर करके फॉलोऑन के लिए मजबूर किया और फिर दूसरी पारी में भी टीम को 291 रन पर ढेर करके आसान जीत दर्ज की। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी ने 44 रन देकर पांच विकेट चटकाए, जबकि तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को दो-दो विकेट मिले। तेज गेंदबाज सिलवेस्टर डिसूजा ने एक विकेट हासिल किया।

हिमाचल की ओर से कप्तान पुखराज मान ने 50 जबकि वैभव काल्टा ने 63 रन का योगदान दिया। हिमाचल की टीम अंतिम दिन तीन विकेट पर 144 रन से आगे खेलने उतरी जिसके बाद मान और काल्टा ने अर्धशतक पूरे किए। पहले मैच में चंडीगढ़ को पारी और 155 रन से हराने वाली मुंबई की टीम दो मैच में 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है।

जयपुर में मेजबान राजस्थान को रेलवे ने ड्रॉ पर रोका। राजस्थान ने हालांकि पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किए। राजस्थान ने पहली पारी में 497 रन बनाए थे और फिर रेलवे को 338 रन पर समेटकर 159 रन की बढ़त के आधार पर मेहमान टीम को फॉलोआन दिया। रेलवे ने जब दूसरी पारी में दो विकेट पर 174 रन बनाए थे जब मैच ड्रॉ घोषित किया गया। दूसरी पारी में रेलवे के लिए मोहम्मद सैफ ने नाबाद 103 जबकि ईशान गोयल ने नाबाद 57 रन बनाए। इससे पहले ग्रुप के अन्य मुकाबलों में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और 66 रन जबकि हरियाणा ने चंडीगढ़ को पारी और 24 रन से हराया।

पंजाब की जीत में चमके हरजस, एमनजोत

स्पिनर हरजस सिंह और एमनजोत सिंह के तीन तीन विकेट की मदद से पंजाब ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी के मैच में बुधवार को छत्तीसगढ को सात विकेट से हराया। पहली पारी में 456 रन बनाने के बाद पंजाब ने छत्तीसगढ को 206 रन पर आउट करके फॉलोआन खेलने पर मजबूर किया। छत्तीसगढ ने दूसरी पारी में 335 रन बनाए जिससे पंजाब को जीत के लिए 86 रन का लक्ष्य मिला। छत्तीसगढ के लिए आयुष पांडे ने 252 गेंद में 111 रन बनाए, जबकि अमनदीप खरे भी अर्धशतक जमाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। दोनो ने चौथे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। पंजाब के लिए हरजस ने 92 रन देकर और एमनजोत ने 43 रन देकर तीन तीन विकेट लिए। पंजाब ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। दूसरी पारी में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी नहीं की। पहली पारी में उन्होंने एक रन बनाया था।

केरल ने ओडिशा को पारी और 36 रन से हराया

अनुभवी ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर फॉलोऑन खेल रहे ओडिशा को 143 रन पर समेट दिया जिससे केरल ने बुधवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में पारी और 36 रन से जीत दर्ज की। इस जीत से केरल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बंगाल लगातार दूसरी जीत के साथ शीर्ष पर है और उसके खाते में 12 अंक हैं। फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में बुधवार को चार विकेट पर 102 रन से आगे खेलने उतरी ओडिशा की टीम ने अपने बाकी छह विकेट महज 41 रन के भीतर गंवा दिए।

संक्षिप्त समाचार

बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ

म्यूनिख । बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच खेला गया चैंपियंस लीग मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। इस मैच के 10वें मिनट में विंगर बुकायो साका को मैदान से बाहर जाना पड़ा। आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा कि साका की जांघ की चोट बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है। काई हावर्ट्ज ने एक खतरनाक स्थिति में साका की तरफ गेंद बढ़ाई, लेकिन बायर्न के डिफेंस ने उन्हें घेर लिया। यह साका का इस मैच में आखिरी योगदान साबित हुआ, क्योंकि 9 मिनट बाद ही उन्हें चोट (बिना किसी टक्कर के) के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह एबेरे एजे मैदान पर आए।



आर्टेटा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह उनकी जांघ की चोट है। यह मैच की शुरुआत में ही हो गई थी। उनके खेल में जिस स्तर की तीव्रता की जरूरत होती है, वह वाकई कमाल की है।इसमें बेहतरीन क्वालिटी, ताकत और पूरे ध्यान की जरूरत होती है, जो कि उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हालांकि, दुर्भाग्य से, ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है। ' जब उनसे पूछा गया कि क्या साका की चोट से अन्य अटैकिंग खिलाड़ियों को मौके मिलेंगे, तो आर्टेटा ने कहा, 'मैं अपने सभी फॉरवर्ड खिलाड़ियों से बहुत प्रभावित हूं। मुझे लगता है कि एजे ने बहुत अच्छा खेल दिखाया, न सिर्फ गोल किया, बल्कि उनके बाकी एक्शन, कुल प्रदर्शन और बिना गेंद के भी उनका खेल शानदार रहा। जब बाकी खिलाड़ी मैदान पर आए, तो उन्होंने टीम में ऊर्जा भरी और मैच से कुछ हासिल करने के लिए जरूरी चीजें प्रदान कीं। इसी कारण मैं एक बार फिर बहुत खुश हूं। '

निंगबो ओपनः जैस्मीन पाओलिनी को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

निंगबो । अमेरिका की युवा खिलाड़ी इवा जोविक ने निंगबो ओपन में शानदार डेब्यू किया है। गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर हुए राउंड-16 के मैच में उन्होंने दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल चुकीं जैस्मीन पाओलिनी को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जोविक को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। पहले सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 18 वर्षीय जोविक की सर्विस पहले सेट में एक बार ब्रेक हुई थी और वह 1-3 से पीछे चल रही थीं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने वापसी की और पांचवें तथा नौवें गेम में पाओलिनी की सर्विस ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी इटली की खिलाड़ी पाओलिनी को अपनी सर्विस के साथ संघर्ष करना पड़ा, और जोविक ने चार बार उनकी सर्विस ब्रेक की। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी खिलाड़ी जोविक की भी दो बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली।इस जीत के साथ जोविक और पाओलिनी के बीच हेड टू हेड मुकाबलों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। यह पाओलिनी के खिलाफ जोविक की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी पाओलिनी को हराया था।

भारत ने टी20 में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया



नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करते हुए नया इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने 226 रन के लक्ष्य को 19।4 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया और मुकाबला 4 विकेट से अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

मैच के आखिरी ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने दबाव के बीच बेहतरीन प्रदर्शन किया। नमन धीर ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। भारत की इस जीत की सबसे खास बात यह रही कि टीम ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया।

न्यूजीलैंड ने बनाए 225 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाए। कीवी बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे और भारतीय गेंदबाजों के सामने बड़ा लक्ष्य रखा।न्यूजीलैंड ने इस स्कोर के साथ भारत के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 226 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य था।

संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर ने संभाली पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने के लिए मजबूत बल्लेबाजी की जरूरत थी। संजू सैमसन ने 67 रन की शानदार पारी खेलकर रन चेज को मजबूती दी। वहीं, कप्तान श्रेयस अय्यर ने 42 रन बनाकर टीम की जीत की राह आसान की।भारतीय बल्लेबाजों ने जरूरी रन गति बनाए रखी और मुकाबले को आखिरी ओवरों तक पहुंचाया। दबाव के बावजूद टीम ने लक्ष्य हासिल करने का सिलसिला जारी रखा।

नमन धीर के छक्के से भारत ने दर्ज की जीत

मैच का निर्णायक पल तब आया, जब नमन धीर ने छक्का लगाकर भारत की जीत सुनिश्चित की। उनकी इस फिनिशिंग ने भारतीय खेमे में जश्न का माहौल बना दिया।भारत ने 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी। बड़े लक्ष्य का सफल पीछा करने के साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज में भी बढ़त हासिल कर ली।

भारत ने तोड़ा अपना पुराना रिकॉर्ड

इस मुकाबले से पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत का सबसे बड़ा सफल रन चेज 208 रन का था। टीम ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह लक्ष्य हासिल किया था।न्यूजीलैंड के खिलाफ 226 रन का लक्ष्य पूरा करके भारत ने अपने पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस जीत ने भारतीय टीम की बल्लेबाजी क्षमता और बड़े लक्ष्य का पीछा करने की ताकत को भी दर्शाया। पांच मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला जीतने के बाद अब भारतीय टीम की नजर अगले मैच में भी जीत दर्ज कर अपनी बढ़त मजबूत करने पर होगी।

नमन ने 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नमन धीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में सफल रन चेज के दौरान भारत के लिए सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। नमन ने इरफान पठान का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इरफान ने 2009 में कोलंबो (आरपीएस) में श्रीलंका के खिलाफ सफल रन चेज के दौरान सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए थे।

न्यूजीलैंड का खराब रिकॉर्ड जारी

न्यूजीलैंड को अपने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ पिछले आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से सात में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान उसे सिर्फ एक मुकाबले में हार नहीं मिली। नेपियर में 2022 में खेला गया वह मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के आधार पर टाई रहा था।

3 बल्लेबाजों ने पहली गेंद पर जड़ा छक्का

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल, बेवन जैकब्स और भारत के अभिषेक शर्मा ने इस मुकाबले में अपनी-अपनी पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया। पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही मैच में तीन बल्लेबाजों द्वारा पहली गेंद पर छक्का लगाने का यह संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा का रिकॉर्ड है। इससे पहले भी चार मौकों पर ऐसा हो चुका है। हालांकि, उन चार पुराने मुकाबलों में से सिर्फ एक मैच दो पूर्ण सदस्य देशों के बीच खेला गया था। 2018 में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में लियाम डॉसन, क्रिस जॉर्डन और कॉलिन मुनरो ने अपनी पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया था।

पैरा एशियन गेम्स में भारत का रहा गोल्डन डे

4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज भी जीते

नागोया। भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसके साथ ही भारत के कुल मेडल की संख्या 86 हो गई। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमर कुमार की जोड़ी ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में भी सोना अपने नाम किया।एथलेटिक्स में शैलेश कुमार ने पुरुषों की हाई जंप में 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीता। दिलीप गावित ने पुरुषों की 400 मीटर T47 और अंजनाबेन बुम्बाडिया ने महिलाओं की 400 मीटर T47 स्पर्धा में सोना अपने नाम किया। सुवर्णा राज ने भी गोल्ड मेडल जीता।



एथलेटिक्स : दिलीप ने लगातार दूसरी बार गोल्ड जीता

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की 400 मीटर T47 स्पर्धा में दिलीप महादू गावित ने 48.27 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। भाविककुमार भरवाड़ ने 49.31 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। दिलीप ने 2022 के पैरा एशियन गेम्स में भी गोल्ड जीता था।

भारत ने हाई जंप में क्लीन स्वीप किया

पैरा एथलेटिक्स की पुरुषों की हाई जंप T42/T63 स्पर्धा में भारत ने तीनों मेडल जीतकर पोडियम पर कब्जा जमाया। शैलेश कुमार ने 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गोल्ड मेडल जीता और नया गेम्स रिकॉर्ड बनाया। वरुण सिंह भाटी ने 1.84 मीटर की छलांग के साथ सिल्वर और राहुल ने 1.81 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। भारत ने 2022 के बाद लगातार दूसरी बार इस स्पर्धा के तीनों मेडल जीते।

8 बार की व चैंपियन को 30 मिनट में हराया !

18 साल की अनाहत ने किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए मिस्र की दिग्गज नूर एल शेरबिनी को शिकस्त दी। 18 वर्षीय अनाहत ने सिलिकॉन वैली ओपन के दूसरे दौर में दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी और आठ बार की विश्व चैंपियन एल शेरबिनी को सीधे गेम में 11-8, 11-8, 11-7 से हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने यह मुकाबला महज 30 मिनट में अपने नाम किया।

अमेरिका के रेडवुड सिटी में खेले जा रहे 1,43,500 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड टूर्नामेंट में एल शेरबिनी शीर्ष वरीय खिलाड़ी थीं। उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन अनाहत ने शुरुआत से ही उन्हें दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। उन्होंने पहले दो गेम 11-8 के समान अंतर से जीते, जबकि तीसरे गेम में 11-7 से जीत दर्ज की। यह अनाहत के करियर की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। वह हाल ही में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर लौटी हैं। इस प्रदर्शन से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश में अपनी बढ़ती ताकत का एक और उदाहरण पेश किया।

मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है

जीत के बाद अनाहत ने माना कि उन्हें अपनी आदर्श खिलाड़ी के खिलाफ इस तरह के नतीजे की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैंने उनके हर मैच को देखकर सीखा है। मैं उनकी प्रशंसक रही हूं और अपने करियर में वह सब हासिल करना चाहती हूं, जो उन्होंने किया है।' अनाहत ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कोच ने मुकाबले से पहले उन्हें भरोसा दिलाया था कि अगर वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेलती हैं, तो जीत का मौका बन सकता है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा था कि शुरुआत में मुझे उनके खेल को समझने और मुकाबले में खुद को ढालने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन मेरी रणनीति अच्छी तरह काम कर गई और मैं उसी पर कायम रही। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि मैं जीत गई हूं।'



आठ बार की विश्व चैंपियन हैं एल शेरबिनी

एल शेरबिनी स्क्वैश की सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह अपने करियर में आठ बार विश्व चैंपियन बन चुकी हैं और चार बार ब्रिटिश ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। वह 265 सप्ताह तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर भी रह चुकी हैं। ऐसे खिलाड़ी को सीधे गेम में हराना अनाहत के लिए बड़ी उपलब्धि है। अनाहत का अगला मुकाबला मिस्र की दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी सलमा हानी से होगा। अनाहत ने 2023 में पेशेवर स्क्वैश में कदम रखा था। पूर्व विश्व नंबर एक ग्रेगरी गॉल्टियर के साथ सौरव घोषाल और स्टीफन गैलिफी के मार्गदर्शन में वह खेल रही हैं। इस साल उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप का खिताब भी जीता था। अब उनकी नजर सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होगी।



अनुपम खेर ने शेयर किया इमोशनल नोट, कहा- मां से मिले दो महीने हो गए, पूछ रही हैं, 'तू कब आएगा?'

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों घर और परिवार से दूर अपने काम में व्यस्त चल रहे हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी मां दुलारी को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि मां से मिले हुए लगभग दो महीने हो गए हैं। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां की दो तस्वीरें शेयर कीं और बताया कि वह रोज भाई राजू खेर के फोन पर फेसटाइम के जरिए उनसे बात करते हैं। अनुपम खेर ने फोटो के साथ पोस्ट में लिखा, 'मां से मिले लगभग दो महीने हो गए हैं। हालांकि, रोजाना राजू के फोन पर फेसटाइम पर बात हो जाती है, क्योंकि मां स्मार्टफोन नहीं चलाती हैं। आज बात करते-करते बोलीं, तू कब आएगा? कितने दिन हो गए तुझसे मिले हुए। तू मेरी शक्ल भूल तो नहीं गया?' अभिनेता ने बताया कि मां की बात सुनकर वह भावुक हो गए। उन्होंने लिखा, 'मां की यह बात सुनकर हंसी भी आई और आंखें भी भर आईं। कितनी मासूम है मां। मैं वीडियो कॉल पर उनसे बात कर रहा था और मुझे समझ में आ रहा था कि वो क्या कहना चाहती हैं। असल, में वह जब तक मुझे गले न लगा लें, पास बैठाकर जी भर के बातें न कर लें, तब तक मां के लिए कहां मिलना होता है।' अनुपम खेर ने आगे लिखा, 'फोन पर तो बस चेहरा दिख जाता है, लेकिन बच्चे के घर आने का इंतजार तो वहीं का वहीं रहता है।' अभिनेता ने बताया कि मां फिर बोलीं, 'अच्छा चल, अपना खयाल रख। कोई बात नहींज कोई बात नहीं।' उन्होंने कहा कि मां की इस कोई बात नहीं में कितना कुछ होता है। अभिनेता ने अपनी मां के लिए लिखा, 'कैसे बताऊं आपको मां, आपका चेहरा मेरे दिल में बसा हुआ है। आंखें बंद करता हूं, तो आपके हजारों चेहरे नजर आते हैं। कभी हंसते हुए, कभी डांटते हुए, कभी फिक्र करते हुए और हर बार उतना ही प्यार करते हुए। आपका चेहरा कैसे भूल सकता हूं, मां? मेरी तो पूरी दुनिया ही आपके आंचल में है।'

मीका सिंह ने जताई चिंता

अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना के बाद गायक मीका सिंह ने मुंबई में सार्वजनिक सुरक्षा पर चिंता जताई है। सिंह ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कदम उठाने का आग्रह किया।



सोशल मीडिया पर मीका ने इस घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि मुंबई को पारंपरिक रूप से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक माना जाता है, जहां लोग, विशेषकर महिलाएं, देर रात यात्रा करने और चलने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। उन्होंने लिखा, मुंबई को हमेशा से भारत के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक के रूप में जाना जाता है, जहां लोग-खासकर महिलाएं- देर रात तक चलने, काम करने और यात्रा करने में आत्मविश्वास महसूस करती हैं। लेकिन टाइगर श्रॉफ से जुड़ी घटना के बाद, यह हमारी सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंता पैदा करता है। गायक ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी शहर में घूमते समय डर महसूस नहीं होना चाहिए और अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।



बचपन में सीता का किरदार निभाया करती थीं हर्षिता गौर

सीरीज मिर्जापुर की अभिनेत्री हर्षिता गौर ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए दशहरे के त्योहार से जुड़ी खूबसूरत यादें साझा की हैं। सीरीज में डिम्पी पंडित और सड्डा हक में संयुक्ता के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली हर्षिता गौर ने बताया कि दिल्ली में दशहरा एक खास रौनक लेकर आता था, और वह बचपन में स्कूल व सोसायटी के कार्यक्रमों में सीता का किरदार निभाया करती थीं। यह त्योहार उनके परिवार और शहर के उत्साह का प्रतीक था, और रावण दहन के बड़े-बड़े पुतले उनकी यादों का एक अविस्मरणीय हिस्सा रहे हैं। हर्षिता गौर ने कहा, दिल्ली में दशहरे की अपनी अलग रौनक होती है, खासकर जब आप इसे बचपन की यादों के साथ देखते हैं। उन्होंने रावण के विशाल पुतलों को लेकर बचपन में होने वाले उत्साह और त्योहार के दौरान पूरे शहर में नजर आने वाले जश्न का जिक्र किया। अभिनेत्री ने अपनी उन यादों को भी साझा किया जब वह दशहरे पर स्कूल या अपनी सोसायटी के मैदान में होने वाले नाटकों में सीता का किरदार निभाती थीं। उन्होंने कहा कि वे यादें आज भी उनके साथ हैं, और परिवार के साथ बाहर जाकर जश्न का हिस्सा बनना तथा सबके साथ मिलकर त्योहार मनाना, इन सब चीजों ने दशहरे को उनके लिए खास बनाया। अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि जिंदगी में आगे बढ़ने के बाद भी बचपन के ये पल हमेशा याद रहते हैं। उन्होंने महसूस किया कि कई बार साधारण-सी दिखने वाली यादें ही समय के साथ सबसे खास बन जाती हैं। हर्षिता ने कहा, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो इन्हीं छोटे-छोटे पलों को सबसे ज्यादा संजोकर रखती हूँ। बचपन की ये यादें उसके बीत जाने के लंबे समय बाद भी आपके साथ रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, हर्षिता गौर हाल ही में मिर्जापुर- द मूवी में नजर आई थीं। यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म मिर्जापुर की दुनिया पर आधारित है, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, जितेंद्र कुमार और रवि किशन जैसे जाने-माने कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म वेब सीरीज के पहले सीजन की कहानी के दौरान की घटनाओं को दर्शाती है। इसके अलावा, हर्षिता ओटीटी पर क्राइम ड्रामा सीरीज वेटिंग है में भी नजर आई थीं, जिसका निर्देशन समीर विद्वांस ने किया था। इस सीरीज में दिव्येंदु, भुवन अरोड़ा, कुमुद मिश्रा और सुनीता राजवर जैसे कलाकार भी शामिल थे।

नई नवेली ने दो दिनों में कमाए 10.3 करोड़

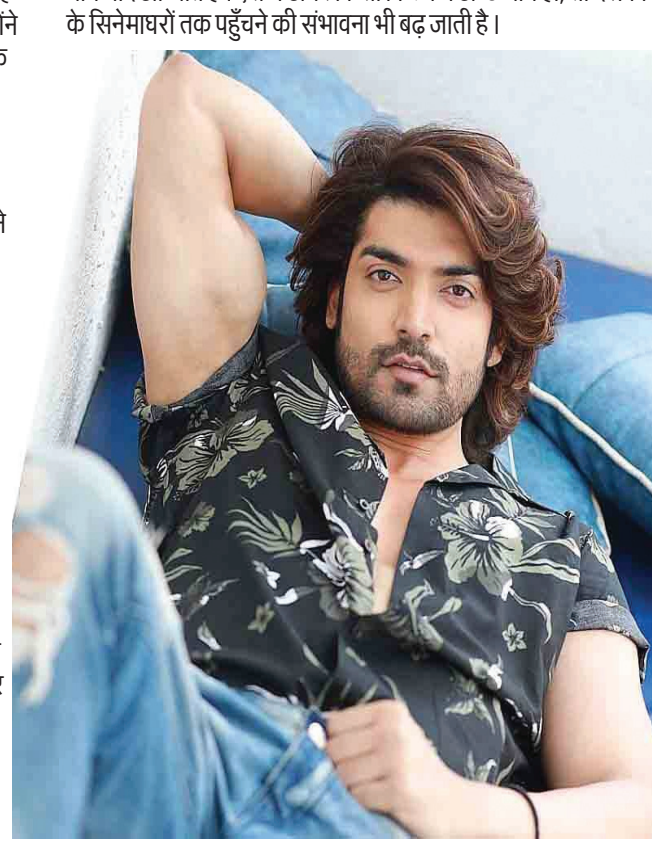


यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'नई नवेली' बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। फैंटेसी और फैमिली एंटरटेनमेंट से भरपूर इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन कमाई में बढ़त दर्ज की है। फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 4.6 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था, जबकि दूसरे दिन 5.7 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन दो दिनों में 10.3 करोड़ रुपये हो गया है। मेकर्स को उम्मीद है कि त्योहारों के सीजन में फिल्म को परिवारों का अच्छा साथ मिलेगा। 'नई नवेली' की दूसरे दिन की कमाई में आई बढ़त से मेकर्स को आने वाले दिनों के लिए उम्मीदें हैं। फिल्म की कहानी, फैंटेसी से भरी दुनिया और यामी गौतम के नए अवतार को दर्शकों के सामने इसकी खासियत के तौर पर पेश किया जा रहा है। फिल्म में महाकाव्य की कहानी को पारिवारिक भावनाओं और एक्शन के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। मेकर्स के मुताबिक, फिल्म में अनोखे किरदार, अप्रत्याशित ट्विस्ट और अच्छाई-बुराई के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है। यही वजह है कि इसे फैमिली एंटरटेनर के तौर पर दर्शकों तक पहुंचाया जा रहा है।

रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता: गुरमीत चौधरी

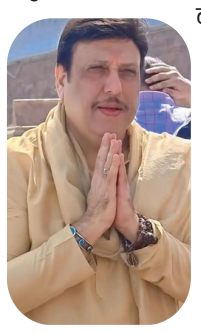
अपनी आगामी रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म तुम मेरे हो को लेकर बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी उत्साहित हैं। गुरमीत की यह फिल्म एक प्रेम कहानी पर आधारित है जिसमें आठ गाने मौजूद हैं। गुरमीत का मानना है कि बॉलीवुड में रोमांस और संगीत का जादू कभी खत्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि फिल्मों में कहानियाँ और उनका प्रस्तुतिकरण भले ही समय के साथ बदलता रहे, लेकिन प्यार की कहानियाँ और दिल को छू लेने वाले गीत हमेशा दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाए रखते हैं। गुरमीत चौधरी ने बातचीत में बताया कि तुम मेरे हो को काफी प्यार के साथ बनाया गया है। इसमें रोमांस, म्यूजिक और एक खूबसूरत लव स्टोरी देखने को मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि फिल्म में कुल आठ गाने हैं, जिन्हें बेहतरीन म्यूजिक कंपोजर्स और सिंगर्स ने तैयार किया है, और तीन गाने तो पहले ही हिट हो चुके हैं।

गुरमीत के अनुसार, प्यार की कहानियों की अपनी एक अलग जगह होती है; एक अच्छी लव स्टोरी हमेशा लोगों के दिलों से जुड़ती है और इसका असर लंबे समय तक बना रहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तुम मेरे हो सिर्फ रोमांस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि इसमें म्यूजिक भी कहानी का एक अहम हिस्सा है। बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की लोकप्रियता पर बात करते हुए गुरमीत ने कहा कि पिछले कुछ सालों में कई इंटेंस कहानियों वाली फिल्में आई हैं और दर्शकों ने उन्हें पसंद भी किया है। हालाँकि, अच्छी कहानियों और यादगार गानों वाली रोमांटिक फिल्मों का अपना अलग क्रेज आज भी बना हुआ है। उन्होंने आशिकी, आशिकी 2 और सैयारा जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में म्यूजिक और रोमांस का मेल दर्शकों को हमेशा आकर्षित करता रहा है। गुरमीत ने समझाया कि अच्छी धुनें और प्यार से जुड़ी कहानियाँ लोगों के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं, और यही वजह है कि रोमांटिक फिल्मों के गाने लंबे समय तक लोगों की जुबान पर रहते हैं और फिल्म की पहचान बन जाते हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संगीत की अहम जगह को भी उजागर किया। गुरमीत ने कहा कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में भी संगीत किसी न किसी रूप में शामिल रहता है। घर में सुबह उठने से लेकर डांट खाने तक, हर मौके पर गाने याद आ जाते हैं। ऐसे में अगर किसी फिल्म में अच्छे गाने हों, तो दर्शकों के सिनेमाघरों तक पहुँचने की संभावना भी बढ़ जाती है।

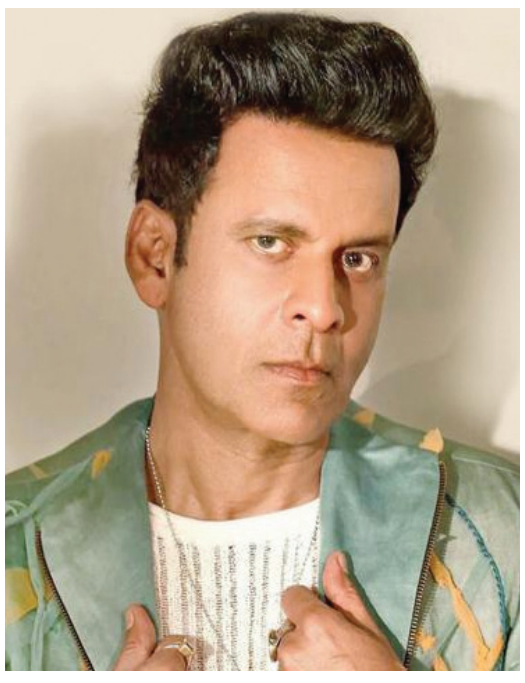


विजयादशमी पर पुरी पहुंचे बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा, श्रीमंदिर में भगवान जगन्नाथ के किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने विजयादशमी के मौके पर ओडिशा के पुरी में मौजूद श्रीमंदिर के दर्शन किए। उन्होंने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना करने के साथ सभी के लिए, खासकर बच्चों के लिए, ईश्वरीय आशीर्वाद मांगा। इस दौरान गोविंदा ने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रभु ने मुझ पर यह कृपा की कि मैं यहां आकर प्रार्थना और पूजा कर पाया। मैं धन्यवाद देता हूं इस भूमि का, यहां से जुड़े हुए हर वर्ग का और यहां के जो-जो कलाकार हैं, जहां-जहां है उनको। उन्होंने कहा, 'यहां जो राज्य कृपा है, वह सदैव रहे। जय मां। भूल-चूक क्षमा करना। मैं प्रार्थना करता हूं कि जो कृपा हम पर रही, वही मेरे बच्चों पर भी रहे।' इस दौरान उन्होंने 'महामृत्युंजय मंत्र' का भी जाप किया और सभी के मंगल की कामना की। बता दें कि गोविंदा हिंदी सिनेमा के एक लोकप्रिय अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और राजनेता हैं। अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और पर्दे पर की जाने वाली कॉमेडी की बदौलत, उन्हें बॉलीवुड का 'कॉमेडी किंग' भी माना जाता है।



1990 के दशक में, उन्होंने कॉमेडी और व्यंग्य की अपनी अनूठी शैली से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और अपनी फिल्मों में कई तरह के अलग-अलग किरदार निभाए। अभिनेता ने 1980 के दशक में एक एक्शन हीरो के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन 1990 के दशक में उन्होंने खुद को एक कॉमेडी हीरो के रूप में फिर से स्थापित किया। गोविंदा मुख्य रूप से 'कुली नंबर 1', 'हीरो नंबर 1', 'आंटी नंबर 1' और 'अनाड़ी नंबर 1' जैसी सुपरहिट मनोरंजक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। एक्टर ने अपने तीन दशक लंबे करियर में 150 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। आज भी लोग फिल्मों में उनकी कॉमेडी और डांस मूव्स के दिवाने हैं।



पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल है, लेकिन कुछ लोग पावर का गलत इस्तेमाल करते हैं: मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'गजब रात' में अजय दीक्षित नाम के एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता ने बताया कि वह सिर्फ वर्दी का किरदार नहीं निभा रहे हैं, बल्कि वर्दी के पीछे जो इंसान है, उसकी कहानी निभा रहे हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'मैं किसी भी वर्दी का किरदार नहीं निभा रहा हूं, बल्कि वर्दी के पीछे एक इंसान का किरदार निभा रहा हूं। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी कहानियां, परेशानियां और सफर होता है, तो हम बस उसे ही दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।' मनोज ने बताया कि उनके लिए वर्दी से ज्यादा उस इंसान और उसकी जिंदगी को दिखाना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'हम किरदार पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उसके पेशे पर नहीं। जब उसके पीछे की कहानी बनती है, तो वो सब कुछ खुद ही बता देती है। इसीलिए आपको मेरा कोई भी किरदार एक जैसा नहीं लगेगा।' अभिनेता का मानना है कि पुलिस की नौकरी बहुत मुश्किल और चुनौतीभरी होती है और उनके कई दोस्त खुद पुलिस में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पुलिस वाले अपनी पावर का गलत इस्तेमाल भी करते हैं। मनोज बाजपेयी ने कहा, 'हर पेशे में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं, तो मेरे लिए ये देखना बेहद जरूरी है कि मैं जिससे बात कर रहा हूं, जिसका काम देख रहा हूं या जिसकी तारीफ और बुराई हो रही है, तो वाकई उसके लिए ठीक है या नहीं। मैं जानता हूं कि पुलिस की ड्यूटी बहुत ही मुश्किल होती है। मेरे बहुत सारे अच्छे दोस्त पुलिस में हैं, लेकिन कई बार हम ऐसी खबरें भी पढ़ते हैं, जहां कुछ लोग अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'वैसे ही हमारी इंडस्ट्री में भी बहुत सारे अच्छे एक्टर्स हैं, लेकिन एक-दो लोगों की वजह से पूरी इंडस्ट्री की बदनामी हो जाती है। हमेशा ऐसा होता है कि आप किसी को हमारे पेशे में एकदम भगवान बना देते हैं और फिर बाद में किसी दूसरे के गलत करने पर उस पर भी सवाल उठाने लगते हैं। हमें हर इंसान को अलग-अलग नजर से देखना चाहिए और मैं यही करता हूं।'

रितेश शाह द्वारा निर्देशित फिल्म एक वन-नाइट थ्रिलर है, यानी पूरी कहानी एक ही रात के घटनाक्रम पर आधारित है। इसमें मनोज बाजपेयी के अलावा, नुसरत भरूचा, दिव्या दत्ता, साकिब सलीम और अक्षय ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं।

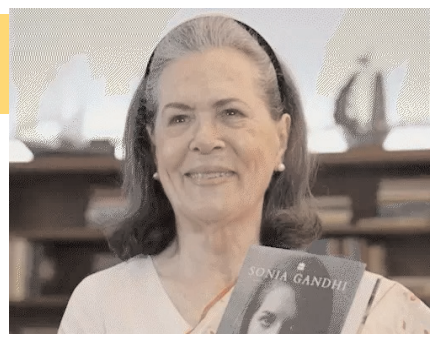
mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो

पहली पोस्ट में शेयर की आने वाली किताब Belonging, इटली के बचपन से लेकर राजनीतिक सफर तक का होगा जिक्र

सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम पर किया डेब्यू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया की दुनिया में कदम रखते हुए अपना आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट बना लिया है। अपने इस नए अकाउंट पर उन्होंने अपनी पहली पोस्ट के रूप में अपनी आगामी आत्मकथात्मक किताब Belonging A Journey of Love का एक वीडियो शेयर किया है। यह बहुप्रतीक्षित किताब आगामी 10 नवंबर को लॉन्च होने जा रही है। सोनिया गांधी ने गुरुवार सुबह करीब 9 बजे अपनी पहली सोशल मीडिया पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा कि नमस्कार, मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके बहुत खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए बेहद उत्सुक हूं। सामने आए इस वीडियो में सोनिया गांधी अपने परिवार के बेहद करीबियों और अपनी बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस खास मौके पर प्रियंका गांधी ने अपनी मां को मिठाई खिलाकर इस नई शुरुआत की बधाई दी। इस आत्मकथा में सोनिया गांधी के जीवन के कई अनछुए पहलुओं का जिक्र किया गया है। किताब की शुरुआत युद्ध के बाद के इटली के वेनेटो क्षेत्र में उनके बचपन के दिनों से होती है। इसके बाद इसमें उनके कैम्ब्रिज जाने और साल 1965 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पोते राजीव गांधी से पहली मुलाकात की कहानी विस्तार से बताई गई है। इसमें भारत में आकर जीवन के साथ तालमेल बैठाने के उनके शुरुआती अनुभव भी शामिल हैं, जिसमें हिंदी सीखना, पारंपरिक साड़ी पहनना और भारतीय खानपान व संस्कृति को अपनाना जैसी बातें मुख्य रूप से शामिल हैं। इसके अलावा पुस्तक में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से उनकी पहली मुलाकात का भी सुंदर वर्णन मिलता है। किताब में गांधी परिवार के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देने वाली बड़ी त्रासदियों और दुखों का भी गंभीर जिक्र किया गया है। इनमें विमान हादसे में संजय गांधी की असामयिक मौत, साल 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और साल 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या जैसी झकझोर देने वाली घटनाएं शामिल हैं। राजीव गांधी की हत्या के बाद लंबे समय तक सोनिया गांधी पूरी तरह सियासत से दूर रही थीं। उस समय देश की सत्ता संभालते हुए पीवी नरसिम्हा राव देश के प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन वर्ष 1996 तक आते-आते कांग्रेस पार्टी कमजोर होने लगी और पार्टी में कई आंतरिक गुट बनने लगे। कांग्रेस पार्टी



को दोबारा एकजुट करने के उद्देश्य से सोनिया गांधी ने साल 1997 में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की और करिश्माई रूप से इसके महज 62 दिनों के भीतर ही यानी 1998 में वे कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन ली गईं। जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इतिहास में किसी भी अध्यक्ष का सबसे लंबा और निरंतर कार्यकाल माना जाता है।

जियो आईपीओ पहले दिन ही 3 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब 13,428 से शुरू होगा निवेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के लिए एक बड़ी और काम की खबर सामने आ रही है। हाल ही में खुले एक बड़े आईपीओ को निवेशकों की तरफ से जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। कंपनी के आईपीओ को लेकर बाजार में गजब का उत्साह देखा जा रहा है, जिसके चलते यह पहले दिन ही तय कोटे से कई गुना ज्यादा भर चुका है। ग्रे मार्केट में भी इस शेयर की सुगबुगाहट काफी तेज है, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग पर अच्छे मुनाफे की उम्मीद बंध रही है। आईपीओ के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह इश्यू खुलने के पहले दिन यानी 21 अक्टूबर को ही 3.02 गुना भर चुका था। निवेशकों की भारी मांग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कंपनी द्वारा ऑफर किए गए 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले पहले दिन ही 59.68 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिल चुकी थीं। इसके बाद दूसरे दिन की शुरुआत होते ही संस्थागत निवेशकों की तरफ से और भारी बिडिंग देखने को मिली, जिससे कुल सब्सक्रिप्शन का आंकड़ा तेजी से 3.50 गुना के पार निकल गया। इस आईपीओ में निवेश करने के लिए कंपनी ने शेयर का प्राइस बैंड 1,065 से 1,119 तय किया है। एक आम खुदरा निवेशक को इस आईपीओ में कम से कम एक लॉट के लिए आवेदन करना होगा, जिसके तहत न्यूनतम निवेश 13,428 तय किया गया है। इसके अलावा, रिटेल निवेशक अधिकतम 14 लॉट यानी कुल 168 शेयरों के लिए अप्लाई कर सकते हैं, जिस पर अधिकतम 1.87 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। कंपनी के शेयरों को लेकर ग्रे मार्केट में भी काफी हलचल बनी हुई है। मौजूदा रुझानों के अनुसार, इस कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में करीब 23 प्रतिशत यानी 258 प्रति शेयर के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। ग्रे मार्केट प्रीमियम के इन आंकड़ों को अगर अपर प्राइस बैंड ?1,119 के साथ जोड़ा जाए, तो जानकारों का मानना है कि शेयर की लिस्टिंग लगभग 1,377 के आसपास हो सकती है।

मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में बड़ा खुलासा आरोपियों ने वारदात से पहले की थी फायरिंग की प्रैक्टिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए फायरिंग मामले में पुलिस जांच के दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने से पहले आरोपियों ने मुंबई के पास एक गुप्त स्थान पर फायरिंग की अभ्यास प्रैक्टिस की थी। इसके अलावा, अंधेरी के एक होटल के कमरे में भी आरोपियों से गलती से फायर यानी मिसफायर हो गया था, जिसके दौरान गोली सीधे होटल के बेड पर जा लगी थी। पुलिस की शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि अभिनेता पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए खतरनाक हथियार विशेष रूप से पंजाब के अमृतसर से मंगाए गए थे। इन हथियारों को ट्रेन के जरिए सुरक्षित तरीके से मुंबई पहुंचाया गया और फिर स्थानीय शूटरों के हाथों में सौंपा गया था। इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें हरियाणा से 7 आरोपी, उत्तर प्रदेश से दो महिलाएं और बिहार का एक युवक शामिल है। इस बीच, गिरफ्तार की गई दोनों महिलाओं के परिजनों ने पुलिस के दावों के उलट बयान देते हुए दावा किया है कि वे किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल नहीं थीं, बल्कि केवल घूमने और देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करने के लिए मुंबई आई थीं। हालांकि, पुलिस सभी एंगल से मामले की गहराई से छानबीन कर रही है। इस मामले में हाल ही में दिल्ली से दबोचे गए चारों आरोपियों को मुंबई की एक अदालत ने आगामी 26 अक्टूबर तक के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

राहुल का नाम लिए बिना कहा- प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा; जनता के बीच जाएं

शाह बोले-कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में आयोजित यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की कुल 33 परियोजनाओं की शुरुआत की और विपक्ष की कार्यशैली पर कड़े सवाल उठाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि केवल प्रदर्शन और धरने करने से कुछ हासिल नहीं होता है, और यदि चुनाव जीतना है तो नेताओं को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना होगा तथा जन कल्याणकारी योजनाओं पर पूरी ईमानदारी से काम करना होगा। गृह मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक चालबाजी और भीड़ जुटाकर जनता के स्पष्ट जनादेश को चुनौती नहीं दी जा सकती। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण आने वाले 30 वर्षों तक सत्ता में वापसी नहीं कर पाएगी। चुनावों में हार के बाद अक्सर लगाए जाने वाले वोट चोरी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि भाजपा की जीत के बाद विपक्ष हमेशा इस प्रकार के झूठे मुद्दे उठाकर अपनी हार का बहाना तलाशता रहता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब विपक्ष चुनाव हारता है तो वह तुरंत चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करने लगता है, लेकिन जब अदालत के फैसले उनके पक्ष में आते हैं तो वे उन्हीं व्यवस्थाओं को सही ठहराते हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वहां भी तो वही इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें और वही चुनाव आयोग थे, जहां विपक्षी दलों को जीत मिली थी। उन्होंने विपक्षी नेतृत्व पर व्यक्तिगत तंज कसते हुए कहा कि जब वह यह कहते हैं कि भाजपा आगामी 30 वर्षों तक सत्ता में बनी रहेगी, तो विरोधी दल फिर से वोट चोरी का राग अलापने लगते हैं। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा कि वह यहीं पैदा हुए हैं, यहीं रहते हैं और यहीं अपनी अंतिम सांस लेंगे, और उन्हें हर छह महीने पर विदेश जाने की कोई आवश्यकता नहीं पड़ती है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह जानते हैं कि इस समय विपक्ष के कुछ बड़े नेता देश से बाहर कहीं बैठे हैं और उनकी बात नहीं सुन रहे हैं, लेकिन जब वे कभी दिल्ली लौटें तो इस संदेश को ध्यान से सुनें कि अगले तीस वर्षों तक उनकी सरकार बनने की कोई संभावना नहीं है।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का मुनाफा 148% बढ़ाः दूसरी तिमाही में 1,323 करोड़ का फायदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

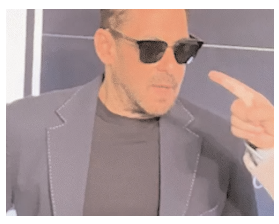
दिल्ली। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही के अपने नतीजे जारी कर दिए हैं। इस दौरान कंपनी का शुद्ध मुनाफा 148 प्रतिशत बढ़कर 1,323 करोड़ पर पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान तिमाही में 534 करोड़ रहा था। कंपनी को इस तिमाही में मिली 1,581 करोड़ की टैक्स छूट ने इस मुनाफे को बढ़ाने में सबसे अहम भूमिका निभाई है। कंपनी की कामकाज से होने वाली कुल कमाई यानी ऑपरेशनल रेवेन्यू में भी शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दूसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 52.8 प्रतिशत बढ़कर 10,075.5 करोड़ हो गया है, जो बीते साल की इसी अवधि में 6,596 करोड़ था। इससे पहले चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा था, जब मुनाफा 124 प्रतिशत बढ़कर ?1,149 करोड़ और रेवेन्यू 42 प्रतिशत बढ़कर 9,711 करोड़ पहुंच गया था। रेवेन्यू में बड़ी बढ़ोतरी के साथ कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट यानी EBITD 35.5 प्रतिशत बढ़कर 3,101.5 करोड़ हो गया है, जो पिछले साल इसी तिमाही में 2,289 करोड़ था। हालांकि, बिक्री और कुल कमाई बढ़ने के बावजूद कंपनी के खर्चों में इजाफा हुआ है। इसी वजह से EBITD मार्जिन 34.7 प्रतिशत से घटकर 30.7 प्रतिशत रह गया है, यानी इसमें 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका सीधा मतलब यह है कि लागत बढ़ने के कारण कंपनी की प्रति सौ रुपये की कमाई पर बचत थोड़ी कम हुई है।



अबू धाबी में होगा आयोजन, सलमान खान की चेतावनी और होस्ट्स के नामों का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

दिल्ली। भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो 'इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी' के 27वें संस्करण की प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हाल ही में मुंबई में किया गया। इस शानदार कार्यक्रम में बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे शामिल हुए, जिनमें सलमान खान, शाहिद कपूर, वरुण धवन, करीना कपूर और रश्मिका मंदाना जैसे बड़े नाम शामिल रहे। इस दौरान अभिनेता सलमान खान ने एक बार फिर वहां मौजूद पैपराजी को चेतावनी देते हुए कहा, 'याद है ना मैंने बोला था बैक शॉट नहीं लेना। आईफा 2027 का मुख्य आयोजन अगले साल 22 और 23 जनवरी को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित प्रतिष्ठित एतिहाद एरिना में किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस मेगा इवेंट के होस्ट्स और परफॉर्मर्स के नामों का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। कॉन्फ्रेंस में बॉलीवुड सितारों का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। अभिनेता शाहिद कपूर ऑल-व्हाइट आउटफिट में नजर आए। आयोजकों ने घोषणा की कि शाहिद कपूर 23 जनवरी को अबू धाबी में होने वाली मुख्य अवॉर्ड नाइट में अपनी शानदार डांस परफॉर्मेंस से मंच पर आग लगा देंगे। वहीं, अभिनेता वरुण धवन व्हाइट वेस्ट, मैचिंग ट्राउजर और ब्राउन जैकेट पहनकर बेहद स्टाइलिश अंदाज में पहुंचे। इसके अलावा करीना कपूर और रश्मिका मंदाना भी अपने ग्रेसफुल लुक से आकर्षण का केंद्र बनीं। चार स्टार्स मिलकर करेंगे मेन इवेंट होस्ट, पंकज त्रिपाठी और अली फजल संभालेंगे डिजिटल अवॉर्ड्स की कमा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के होस्ट्स को लेकर बड़ा खुलासा किया गया। 23 जनवरी 2027 को आयोजित होने वाले मुख्य आईफा अवॉर्ड्स को इस बार चार जाने-माने चेहरे मिलकर होस्ट करेंगे। मुख्य सेरेमनी से ठीक एक दिन पहले यानी 22 जनवरी को 'आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स' का आयोजन किया जाएगा, जिसकी मेजबानी अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अली फजल की जोड़ी पहली बार एक साथ करती हुई नजर आएगी।



काबुल से बॉम्बे की तंग गलियों तक का सफर, कब्रिस्तान में डायलॉग बोलने वाले हुनर ने दिलाई पहचान

कबिरे में भीख मांगने से लेकर हिंदी सिनेमा के दिग्गज संवाद लेखक बनने की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पर्दे पर अपनी अदाकारी और संवादों से कभी हंसाने, कभी रुलाने और कभी खलनायक बनकर डराने वाले मशहूर अभिनेता और लेखक कादर खान का जीवन संघर्षों की एक ऐसी दास्तां है, जो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 22 अक्टूबर 1937 को काबुल (अफगानिस्तान) में जन्मे कादर खान के जीवन में शुरुआती दौर में ही गरीबी और त्रासदियों ने पैर पसार लिए थे। उनके तीन बड़े भाइयों का कम उम्र में ही निधन हो गया था, जिसके बाद अनहोनी के डर से उनकी मां की जिद पर पूरा परिवार बॉम्बे आ गया। बॉम्बे आने के बाद परिवार ने कमाठीपुरा की तंग और बदनाम गलियों में पनाह ली। जब कादर मात्र दो साल के थे, तब उनके पिता परिवार को छोड़कर चले गए और एक मस्जिद के इमाम बन गए। तंगहाली इस हद तक बढ़ गई थी कि घर में खाने के लाले पड़ जाने पर छोटे कादर को कई किलोमीटर पैदल चलकर अपने पिता के पास जाना पड़ता था और मदद न मिलने पर कई बार उन्हें मस्जिद के बाहर भीख तक मांगनी पड़ी। मां की सीख और कब्रिस्तान में रियाज से बदली





किस्मत मुश्किलों के इस दौर में जब कादर खान ने परिवार की आर्थिक मदद के लिए कारखाने में मजदूरी करने का मन बनाया, तब उनकी मां ने उनका हाथ रोककर कहा कि वे पढ़ाई करें, बाकी मुसीबतों से वह खुद लड़ेंगी। मां के इसी विश्वास ने उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और कॉलेज में प्रोफेसर बने। बचपन में नमाज के बहाने वे अक्सर कब्रिस्तान में जाकर कब्रों के बीच खड़े होकर फिल्मी डायलॉग और लोगों की आवाज की नकल उतारा करते थे। यहीं से एक थिएटरकर्मी की नजर उनके हुनर पर पड़ी और उन्हें नाटकों में काम करने का मौका मिला नाटकों में अपने शानदार अभिनय और लेखन के दम पर कादर खान ने जल्द ही अपनी एक अलग पहचान बना ली। एक नाटक के दौरान प्रसिद्ध निर्देशक नरेंद्र बेदी ने उनका काम देखा और उन्हें फिल्म 'जवानी दीवानी' के संवाद लिखने का ऑफर दिया। कादर खान ने मरीन ड्राइव पर बैठकर मात्र 3 घंटे में पूरी फिल्म के डायलॉग लिख दिए, जिससे प्रभावित होकर निर्देशक ने उन्हें गले लगा लिया। इसके बाद मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार ने उनका नाटक देखकर उन्हें फोन किया और अपनी फिल्मों 'सगीना' और 'बैराग' में अभिनय का मौका दिया। अपनी बेहतरीन कलम और दमदार अदाकारी के दम पर कादर खान ने आगे चलकर हिंदी सिनेमा में अमर योगदान दिया और हमेशा के लिए दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली।

ई-मुद्रा में तकनीकी खराबी के बाद आईटी मंत्रालय का एक्शन स्पेशल टीम गठित, भारत का सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की अग्रणी डिजिटल सुरक्षा प्रदाता कंपनी ई-मुद्रा के तकनीकी तंत्र में एक सुरक्षा गड़बड़ी उजागर होने के बाद केंद्र सरकार का आईटी मंत्रालय पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। इस पूरे प्रकरण की गहराई से पड़ताल करने और तकनीकी खामियों की समीक्षा के लिए मंत्रालय ने एक विशेष साइबर सुरक्षा टीम का गठन किया है, जो पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कर रही है। सरकार ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया है कि इस गड़बड़ी का असर केवल कंपनी के विदेशी कारोबार तक ही सीमित रहा है, जबकि भारत की सभी सरकारी और निजी वेबसाइट्स, ऑनलाइन डिजिटल सिग्नेचर सेवाएं तथा मोबाइल ऐप पूरी तरह सुरक्षित हैं। कंपनी के अनुसार, उनके वैश्विक सिस्टम में आई एक अप्रत्याशित खराबी के कारण कुछ कमजोर सुरक्षा कोड बन गए थे। इस सुरक्षा चूक को एक अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने पहचाना और तुरंत गूगल, एपल, माइक्रोसॉफ्ट तथा मोजिला जैसी बड़ी टेक कंपनियों को अलर्ट भेजा। इस पर तुरंत कदम उठाते हुए गूगल ने अपने क्रोम ब्राउजर में अपडेट जारी कर प्रभावित कोड्स को ब्लॉक कर दिया और मोजिला ने संबंधित डिजिटल सर्टिफिकेट्स पर रोक लगा दी। ई-मुद्रा ने अपनी ओर से स्थिति साफ करते हुए कहा है कि उनका मुख्य सर्वर पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी ग्राहक का गोपनीय डेटा लीक या हैक नहीं हुआ है। कंपनी ने बताया कि जिस विदेशी कारोबार में यह तकनीकी दिक्कत आई है, उससे उनकी कुल आय का महज 1 प्रतिशत हिस्सा ही आता है और वहां प्रभावित ग्राहकों को नए व सुरक्षित सर्टिफिकेट जारी किए जा रहे हैं। वहीं, आईटी मंत्रालय ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक खबरों और अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि साइबर सुरक्षा टीम पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही सही तथ्य सामने रखे जाएंगे।



सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए नए नियमों का एक नया ड्राफ्ट तैयार किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

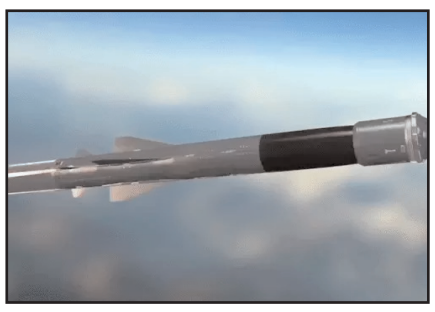
दिल्ली। मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए नए नियमों के अनुसार, अब ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट में पास होने के लिए आवेदक को कम से कम 75 प्रतिशत अंक हासिल करना अनिवार्य होगा। पहले इस टेस्ट को पास करने के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक लाने होते थे। पासिंग मार्क्स बढ़ाए जाने के कारण अब आवेदकों को यातायात नियमों, सड़क संकेतों और वाहन चलाने की सुरक्षा से जुड़े सवालों के सही जवाब देने होंगे। इसके अलावा, नए ड्राफ्ट में यह भी व्यवस्था की गई है कि टेस्ट देने से पहले आवेदक को कम से कम 30 मिनट का 'सेफ-ड्राइविंग ट्यूटोरियल' देखना अनिवार्य होगा। इस ट्यूटोरियल के जरिए लोगों को सुरक्षित ड्राइविंग और ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी जाएगी, जिसे पूरा देखने के बाद ही आवेदक आगे के टेस्ट में शामिल हो सकेंगे। दूसरी ओर, आम जनता की सुविधा के लिए सरकार ने एक राहत भरा प्रस्ताव भी दिया है। यदि कोई व्यक्ति आधार वेरिफिकेशन के जरिए ऑनलाइन माध्यम से सेवाओं का लाभ उठाता है, तो ड्राइविंग लाइसेंस में नाम, पता या अन्य विवरण बदलवाने जैसी सेवाओं के लिए लगने वाली फीस को पूरी तरह माफ करने का प्रस्ताव रखा गया है। इससे लोगों को घर बैठे ही बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपडेट की सुविधा मिल सकेगी।



ब्रह्मोस-NG का पहला प्रोटोटाइप 2027-2028 तक हो सकता है तैयारः वजन घटने से सुखोई पर लगेंगी 3 मिसाइलें, राफेल और तेजस जैसे छोटे फाइटर जेट्स में भी होगी फिट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ब्रह्मोस एयरोस्पेस साल 2027-2028 तक अपनी अगली पीढ़ी की अत्याधुनिक ब्रह्मोस-नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल का पहला प्रोटोटाइप तैयार कर सकता है। ब्रह्मोस-ह्न मौजूदा मिसाइल का एक बहुत ही छोटा, हल्का और उन्नत रूप है। वर्तमान में इस्तेमाल होने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का वजन करीब 3 टन है, जिसके भारी आकार के कारण एक समय में एक सुखोई-30 फाइटर जेट पर केवल 1 ही मिसाइल फिट हो पाती है। इसके विपरीत, नई ब्रह्मोस-ह्न का वजन महज 1.3 टन होगा, जिसके चलते एक सुखोई विमान पर अब एक साथ 3 मिसाइलें तैनात की जा सकेंगी। हल्के वजन और नई तकनीक के कारण यह अब राफेल और तेजस जैसे छोटे और मध्यम आकार के फाइटर जेट्स पर भी आसानी से लगाई जा सकेगी। पूरी तरह स्वदेशी नई तकनीक और हल्के मटेरियल से तैयार होने वाली यह मिसाइल देश की मारक क्षमता को एक नए स्तर पर ले जाएगी। कंपनी के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जयतीर्थ जोशी ने एक मीडिया इंटरव्यू में खुलासा किया है कि यह मिसाइल अपनी शुरुआती 290 किलोमीटर की तय स्ट्राइक रेंज से कहीं आगे की क्षमता पहले ही दिखा चुकी है। अब कंपनी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 1500 किलोमीटर की लंबी रेंज वाली मिसाइल पर विचार कर रही है, हालांकि यह योजना फिलहाल कागजी स्तर पर है और इसके लिए रूस के साथ बातचीत जारी है। ब्रह्मोस की इस घातक क्षमता को देखते हुए दुनिया के कई देशों की सेनाओं ने इसे अपनी वायु सेना में शामिल करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। जिन देशों के बेड़े में पहले से सुखोई-30 विमान मौजूद हैं, वे लड़ाकू विमानों से लॉन्च की जाने वाली इस ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर खासे उत्सुक हैं। इसके अलावा, कई विदेशी देशों ने विशेष रूप से ब्रह्मोस-एनजी की भी मांग की है, जिसे शुरुआत में एयरबोर्न कॉन्फिगरेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि हाल ही में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस मिसाइल द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी फंक्शनल और ऑपरेशनल खूबियों को लेकर दिलचस्पी में जबरदस्त इजाफा हुआ है। आज की तारीख में आधुनिक सेनाएं ऐसे अत्याधुनिक और अचूक हथियार चाहती हैं जो तेजी से बदलते युद्ध के माहौल और रणनीतिक चुनौतियों के अनुसार खुद को तुरंत ढाल सकें। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने इस मिसाइल प्रणाली का उपयोग करते हुए पाकिस्तान के प्रमुख नूर खान एयरबेस सहित कई अति-संवेदनशील और रणनीतिक ठिकानों को पूरी सटीकता के साथ नेस्तनाबूद कर दिया था। इस पूरे सैन्य ऑपरेशन के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के सभी सुरक्षा चक्रों को भेदते हुए सटीक निशाना साधा और सबसे बड़ी बात यह रही कि इस दौरान दुश्मन का रक्षा तंत्र एक भी मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर सका, जिससे इस हथियार की मारक



क्षमता का लोहा पूरी दुनिया ने माना। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ. जयतीर्थ जोशी ने कहा कि इस मिसाइल के युद्ध के मैदान में ऐतिहासिक प्रदर्शन का सीधा सकारात्मक असर भारत के कुल रक्षा निर्यात पर भी पड़ा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि ब्रह्मोस आज के समय में केवल एक सामरिक हथियार भर नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से भरे नए भारत की ताकत, अचूक सटीकता और राष्ट्रीय गर्व का सबसे बड़ा प्रतीक बन चुका है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.